हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,गुरूवार | 30 जनवरी 2025 | वर्ष : 03 | अंक :29 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

दिल्ली चुनाव के बीच बोले बृजभूषण सिंह, केजरीवाल धूर्त आदमी, अखिलेश यादव को नहीं करना चाहिए उनका समर्थन

एजेंसी

नई दिल्ली:दिल्ली चुनाव को लेकर बीजेपी के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने अरविंद केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा है। बृजभूषण शरण सिंह ने तंज कसते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल एक धूर्त आदमी हैं। उन्होंने कहा कि मेरी राय में, अखिलेश यादव को उनका समर्थन नहीं करना चाहिए था। उन्होंने दावा किया कि इस बार बीजेपी बहुत अच्छी तरह से लड़ रही है। दिल्ली के मूल नागरिक अरविंद केजरीवाल के झूठ से तंग आ चुके हैं, अब क्योंकि वह कहते हैं कि हरियाणा सरकार ने यमुना में खतरनाक सामग्री छोड़ी है, यह महज एक दोष है जैसा कि उन्होंने पिछले 10 वर्षों में किया था। बृजभूषण शरण सिंह ने केजरीवाल से सवाल करते हुए कहा कि उन्होंने यमुना के लिए क्या किया, दिल्ली में प्रदूषण, बेरोजगारी, सड़कें, बुनियादी ढांचा, या यहां तक ??कि कोरोना काल में भी क्या किया ?इससे पहले बृजभूषण सिंह ने कहा कि 10 साल के शासन में अरविंद केजरीवाल ने सिर्फ आरोप लगाने का काम किया है।

महाकुंभ भगदड़: 30 की मौत, 50 से ज्यादा घायल; सीएम योगी हुए भावुक,

मृतकों के परिजनों को मिलेगा 25-25 लाख

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से बड़ी खबर है। महाकुंभ में मंगलवार (28 जनवरी) देर रात भगदड़ मच गई। संगम तट पर करीब डेढ़ बजे मची भगदड़ में 30 लोगों की मौत हो गई। 50 से ज्यादा घायल हैं।

एजेंसी

उत्तर प्रदेश : उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से बड़ी खबर है। महाकुंभ में मंगलवार (28 जनवरी) देर रात भगदड़ मच गई। संगम तट पर करीब डेढ़ बजे मची भगदड़ में 30 लोगों की मौत हो गई। 50 से ज्यादा घायल हैं। भगदड़ के बाद प्रशासन के अनुरोध पर सभी 13 अखाड़ों ने बुधवार (29 जनवरी) को मौनी अमावस्या का अमृत स्नान रद्द करने का ऐलान किया। हालांकि, बाद में भीड़ घटने के साथ ही बिना शोभा यात्रा के साथ सभी अखाड़ों ने अमृत स्नान किया।। प्रशासन संगम त्रिवेणी घाट पर फिलहाल आम श्रद्धालुओं को एंट्री नहीं दे रहा है।मौत के आंकड़ों की आधिकारिक पुष्टिडीआईजी, वैभव कृष्ण ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए आधिकारिक मौत के आंकड़ों की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि रात 1-2 बजे के बीच हुई भगदड़ में 30 लोगों की मौत हो गई है। इसमें 25 लोगों की पहचान हो गई है और बाकी 5 की पहचान की जा रही है। इस हादसे में 50 से ज्यादा श्रद्धालु घायल भी हुए हैं। सीएम योगी हुए भावुकमुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाकुंभ भगदड़ को याद करते हुए भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है और हमने जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही सीएम योगी ने मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता के रूप में 25-25 लाख रुपए का मुआवजा देने का ऐलान किया।अफवाह के कारण मची भगदड़मंगलवार-बुधवार की रात करीब डेढ़ बजे संगम नोज पर अचानक भगदड़ मची। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, किसी अफवाह के कारण श्रद्धालुओं में घबराहट फैल गई और भीड़ बेकाबू हो गई। अफरातफरी के दौरान कुछ महिलाएं नीचे गिर गईं, जिसके बाद लोग उन्हें कुचलते हुए आगे बढ़ गए।

पीएम मोदी ने हादसे पर जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रयागराज महाकुंभ में मौनी अमावस्या स्नान के दौरान हुई भगदड़ की घटना पर दुख जताया है। पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में हुआ हादसा अत्यंत दुखद है। इसमें अपने प्रियजनों को खोने वाले श्रद्धालुओं के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। पीएम मोदी ने योगी आदित्यनाथ से भी बात की और स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने प्रशासन को पीड़ितों की हरसंभव मदद के निर्देश दिए।

महाकुंभ भगदड़ को सीएम नीतीश ने बताया दुर्भाग्यपूर्ण, परिजनों के प्रति जताई गहरी संवेदना

एजेंसी

पटना:प्रयागराज में महाकुंभ भगदड़ मामले पर सीएम नीतीश ने दुर्भाग्यपूर्ण घटना में श्रद्धालुओं की मृत्यु अत्यंत दुःखद. शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की है। साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना है

मौनी अमावस्या पर प्रयागराज के महाकुंभ में हुई भगदड़ पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शोक जताया है। घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि श्रद्धालुओं की मृत्यु अत्यंत दुखद है। शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना है। सोशल मीडिया एक्स पर मुख्यमंत्री ने पोस्ट ने हादसे पर दुख जताया है। एक्स पर लिखा कि प्रयागराज महाकुंभ में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना में श्रद्धालुओं की मृत्यु अत्यंत अत्यंत दुखद है। शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना है।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अलावा डिप्टी सीएम विजय सिन्हा और सम्राट चौधरी ने भी घटना पर दुख जताया है लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। विजय सिन्हा ने बताया कि ज्यादा भीड़ होने की वजह से भगदड़ की घटना घटी। वहीं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी एक्स पर लिखा कि प्रयागराज महाकुंभ में मौनी अमावस्या स्नान के दिन संगम तट पर भगदड़ और श्रद्धालुओं के घायल होने और मौत की अत्यंत दुखद खबर हृदय विदारक है।ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और हादसे में घायल श्रद्धालुओं को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें, भगवान सबको सकुशल रखे।आपको बता दें आज मौनी अमावस्या पर स्नान के दौरान महाकुंभ मेला क्षेत्र में भगदड़ संगम नोज पर मची थी।

अल्पसंख्यक छात्रावास से शिलापट्ट हटाने पर बिफरा महागठबंधन, सीएम की प्रगति यात्रा से पहले विवाद

एजेंसी

पटना:बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा जारी है। इस कड़ी में वो कटिहार जिले में बुधवार को कई योजनाओं का निरीक्षण और उद्घाटन करेंगे। लेकिन जिले में सीएम नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा से पहले शिलापट्ट को लेकर विवाद हो गया है। महागठबंधन ने इस विवाद के बाद अब आंदोलन तक की चेतावनी दे दी है। दरअसल मुख्यमंत्री यहां अल्पसंख्यक आवास में कम्प्यूटर लैब सहित कई योजनाओं का उद्घाटन करेंगे। लेकिन इससे पहले महागठबंधन से जुड़े कुछ नेताओं ने अल्पसंख्यक छात्रावास में उद्घाटन को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि महागठबंधन के नेताओं ने इस छात्रावास में पहले से लगे शिलापट्ट को हटाने का विरोध किया है।महागठबंधन से जुड़े पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री राम प्रकाश महतो, उप कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुनील यादव और कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव तौकीर आलम ने कहा कि जिन्होंने अल्पसंख्यक छात्रावास की नींव रखी, जिसने जमीन दान दी और जो अल्पसंख्यक छात्रावास के कमेटी मेंबर रहे उनके योगदान को नजरअंदाज कर दिया गया है।

तीन तलाक मामले में अब तक कितनी हुई FIR सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगी जानकारी

एजेंसी

नई दिल्ली:सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार को तीन तलाक की घोषणा के लिए मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम, 2019 के तहत दर्ज आपराधिक मामलों के बारे में डेटा प्रदान करने का निर्देश दिया। अदालत 2019 अधिनियम की संवैधानिकता को चुनौती देने वाले मुस्लिम संगठनों द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति पीवी संजय कुमार की खंडपीठ ने 1991 के मुस्लिम महिला (विवाह में अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली 12 याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए लंबित तीन तलाक के मामलों और इससे पहले लंबित किसी भी चुनौती के बारे में भी पूछा। पार्टियों को दोनों पक्षों की ओर से लिखित दलीलें दाखिल करनी होंगी। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया, जांच करें और हमें दर्ज की गई एफआईआर की संख्या पर डेटा दें। याचिकाकताओं ने तर्क दिया कि कानून ने धार्मिक पहचान के आधार पर व्यक्तियों के एक वर्ग के लिए विशिष्ट दंडात्मक कानून पेश किया है। यह गंभीर सार्वजनिक शरारत का कारण है, जिसे अगर नियंत्रित नहीं किया गया तो समाज में ध्रुवीकरण और वैमनस्यता पैदा हो सकती है। उन्होंने आगे तर्क दिया कि चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने शायरा बानो मामले में पहले ही तीन तलाक की प्रथा को असंवैधानिक घोषित कर दिया है, इसलिए कानून का कोई उद्देश्य नहीं है। तर्क दिया गया है कि इस कानून के पीछे मंशा तीन तलाक को खत्म करना नहीं बल्कि मुस्लिम पतियों को सजा देना है।

मधुबनी, कैमूर सहित चार जिलों की ग्रामीण सड़कों के लिए 116.45 करोड़ रुपये मंजूर

एजेंसी

पटना। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने समस्तीपुर, मधुबनी, कैमूर और अररिया जिलों की कुल 59.770 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों की मरम्मत और रखरखाव के लिए 116.45 करोड़ से अधिक राशि खर्च करने की मंजूरी दी।चुनाव प्रचार के लिए दिल्ली जाने से पहले चौधरी ने बताया कि 'मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना' के अन्तर्गत बजट में अनुसूचित जाति बहुल क्षेत्रों में कुल बजट का 15 प्रतिशत एवं अनुसूचित जनजाति बहुल क्षेत्रों में 1 प्रतिशत राशि आवंटित की गई है। इससे अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन जाति बहुल क्षेत्रों में सड़क का विकास तेज होगा।उन्होंने बताया कि ग्रामीण सड़कों की मरम्मत, सुदृढ़ीकरण एवं बेहतर रखरखाव (प्रबंधन) कार्यक्रम के तहत अनुसूचित जाति मद में समस्तीपुर जिला के पूसा प्रखण्ड में पूसा बाजार बोस कंपनी चौक से दुभा रोड तक 11.600 किमी सड़क के लिए ?18.61330 करोड़ दिए गए हैं।उन्होंने बताया कि कल्याणपुर प्रखंड में 12.680 किमी सडक के लिए कुल ?20.94090 करोड़, मधुबनी जिला के जयनगर प्रखण्ड में 9.600 किमी, लंबे बासोपट्टी- दुबी पथ के लिए ?19.78863 करोड़, कैमुर जिला के प्रखण्ड मोहनियाँ में पथ।

तहव्वुर राणा को भारत लाने की तैयारी शुरू, अब अमेरिका जाएगी NIA की टीम!

एजेंसी

नई दिल्ली:राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) 26/11 मुंबई हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा, जो भारत में वांछित है, के प्रत्यर्पण की औपचारिकताएं पूरी करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा कर सकती है। सूत्रों ने बताया कि भारतीय एजेंसियां ??लगातार अमेरिकी एजेंसियों के संपर्क में हैं और एक टीम जल्द ही अमेरिका के लिए रवाना हो सकती है। यह कदम अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के बाद आया है, जिसमें राणा द्वारा भारत में उसके प्रत्यर्पण को चुनौती देने वाली समीक्षा याचिका खारिज कर दी गई थी। इस निर्णय ने एक महत्वपूर्ण कानूनी बाधा को दूर कर दिया है, जिससे भारतीय अधिकारियों को उसे न्याय दिलाने की प्रक्रिया में तेजी लाने की अनुमति मिल गई है।एएनआई ने बताया कि महानिरीक्षक और उपमहानिरीक्षक रैंक के अधिकारियों की एक टीम इस महीने के अंत तक अमेरिका का दौरा कर सकती है और इसका विवरण गृह मंत्रालय के साथ-साथ विदेश मंत्रालय के साथ भी साझा किया गया है। 13 नवंबर को राणा ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के समक्ष "सर्टिओरीरी की रिट के लिए याचिका" दायर की थी।

अंबेडकर की प्रतिमा से छेड़छाड़ पर गरमाई सियासत, अठावले बोले- मामले की होनी चाहिए जांच

एजेंसी

नई दिल्ली:डॉ. बीआर अंबेडकर की मूर्ति तोड़े जाने पर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर ने दलितों की भलाई के लिए काम किया। उनकी मूर्ति तोड़ी गई लेकिन उनकी विचारधारा मजबूत है...मामले की जांच होनी चाहिए" इसकी जांच होनी चाहिए कि यह किसकी योजना थी। मैं सीएम से बात करने जा रहा हूं कि आरोपियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए... मैं अधिकारियों से बात करूंगा और एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करूंगा... मैं बर्बरता के इस कृत्य की निंदा करता हूं ...सीएम भगवंत मान पंजाब में स्थितियों को ठीक से संभाल नहीं पा रहे हैं और संभाल भी चुके हैं। आठवले ने कहा कि यह एक गंभीर घटना है। दोषी व्यक्ति को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। राज्यसभा सदस्य ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि आंबेडकर द्वारा तैयार संविधान केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में खतरे में है। उन्होंने कहा, ह्लसंविधान सुरक्षित है। लेकिन राहुल गांधी और उनकी पार्टी को लगता है कि उनका अस्तित्व खतरे में है। आठवले ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की उस टिप्पणी को लेकर उन पर ह्यहिंदू धर्म का अपमानह्व करने का आरोप लगाया जिसमें उन्होंने कहा था कि गंगा में डूबकी लगाने से गरीबी खत्म नहीं होगी।

घरेलू कामगारों के अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए बने कानून,

सुप्रीम ने केंद्र से समिति बनाने के लिए कहा

एजेंसी

दिल्ली :सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार से घरेलू कामगारों की चिंताओं और अधिकारों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए एक कानूनी ढांचा पेश करने की आवश्यकता पर विचार करने को कहा। शीर्ष अदालत ने कहा कि सरकार आज अदालत द्वारा गठित की जाने वाली समिति द्वारा अपनी रिपोर्ट सौंपने के बाद कानून पारित करने पर विचार कर सकती है। घरेलू कामगारों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए, अदालत ने श्रम और रोजगार मंत्रालय को सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, महिला और बाल विकास मंत्रालय और कानून और न्याय मंत्रालय के समन्वय से संयुक्त रूप से गठन करने का निर्देश दिया है। विषय विशेषज्ञों वाली समिति घरेलू कामगारों के अधिकारों के लाभ, सुरक्षा और विनियमन के लिए एक कानूनी ढांचे की सिफारिश करने की वांछनीयता का आकलन करेगी। विशेषज्ञ समिति की संरचना भारत सरकार और उसके संबंधित मंत्रालयों के विवेक पर छोड़ दी गई है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि अगर समिति छह महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंप देती है तो इसकी सराहना की जाएगी। यह निर्देश एक ऐसे मामले की सुनवाई के दौरान आए, जहां रोजगार हासिल करने के बहाने एक महिला घरेलू कामगार के शोषण के आरोप लगाए गए थे।अदालत ने कहा कि, भारत में घरेलू कामगारों के लिए विशिष्ट सुरक्षा की कमी को देखते हुए, हस्तक्षेप करना, माता-पिता के सिद्धांत का पालन करना और उनके कल्याण की दिशा में एक रास्ता बनाना अदालत का गंभीर कर्तव्य और जिम्मेदारी बन गया है।

विषय विशेषज्ञों वाली समिति घरेलू कामगारों के अधिकारों के लाभ, सुरक्षा और विनियमन के लिए एक कानूनी ढांचे की सिफारिश करने की वांछनीयता का आकलन करेगी। विशेषज्ञ समिति की संरचना भारत सरकार और उसके संबंधित मंत्रालयों के विवेक पर छोड़ दी गई है।

अज्ञात वाहन की ठोकर से बाईक सवार फेरी वाले की मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के उजियारपुर थाना क्षेत्र के चांद चौड़ के पास मंगलवार की रात्रि सड़क दुर्घटना में एक फेरी वाले गंभीर रूप से घायल हो गये। घायल फेरी वाले को स्थानीय लोगों की मदद से उपचार के लिए दलसिंहसराय के अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान फेरी वाले की मौत हो गई। मृतक की पहचान दलसिंहसराय के चकनवादा निवासी मो शकील के रूप में हुई है। इस बाबत मिली जानकारी के अनुसार रोज की तरह मो शकील बाईक से फेरी करने के लिए जाता था, वह मंगलवार को भी फेरी कर अपने घर वापस लौट रहा था तभी चांद चौड़ के पास एक अज्ञात वाहन ने जबरदस्त ठोकर मार दी जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। इधर स्थानीय पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया।

बरामद अबोध बालक केशव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया डीएमसीएच,

पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा गया शव

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। 11 जनवरी से लापता अबोध बालक का शव मंगलवार की संध्या बरामद होने के बाद पोस्टमार्टम के लिए पुलिस ने डीएमसीएच भेज दिया है। थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया की वहां पोस्टमार्टम कराने का कारण है की बच्चे की हत्या कब और किस चीज से की गई है इसकी जानकारी हो। वही बच्चे के मामा मो लाडले ने बताया की खेलते - खेलते गायब हो गया था मेरा भांजा मो सलमान तो हमलोगो को लगा की कही भटककर चला गया होगा। हमलोग उसी को लेकर खोजने में लगे थे लेकिन शव दो टुकड़ा में बरामद होने के बाद किसी ने हत्या कर शव को सरसों के खेत में फेंक दिया। इतना छोटा बच्चा किसी का क्या बिगाड़ा होगा, जो हत्या कर दिया। अब पुलिस ही हत्यारे का पता लगाकर हमलोगो को न्याय दिलाने का काम करें। इधर शव का पोस्टमार्टम कराकर बुधवार को परिजनों को सौंप दिया। इस घटना से पुरे परिवार सदमे में है। हत्या की वजह पूछने पर परिजनों का बताना है की हमलोगों को कुछ समझ नही आ रहा है की कौन किस कारण से हमलोगों के साथ इस तरह का अन्याय किया है। थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया की परिजनों भी काफी सदमे मे हैं। अभी तक वैसा कुछ भी नही बता रहे है। वैसे पुलिस अपने स्तर से घटना का कारण व अपराधी की तालाश में जुटी हुई है।

थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया की वहां पोस्टमार्टम कराने का कारण है की बच्चे की हत्या कब और किस चीज से की गई है इसकी जानकारी हो

परिजन भी कुछ अगर जानकारी देते है तो उन सभी बिन्दुओ पर भी जांच की जाएगी। बहरहार बुधवार को मृत बच्चे का जनाजे के बाद बेगमपुर कब्रिस्तान में दफन कर दिया गया।

खेलने के दौरान बाल्टी भरे पानी में डूबने से बच्ची की मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक नगर पंचायत क्षेत्र के तख्त टोला गांव में खेलने के दौरान बाल्टी में भरें पानी में डूबने से दो वर्षीय बच्ची के मौत हो जाने का मामला सामने आया। घटना मशरक नगर पंचायत चेयरमैन सोहन महंतों के पड़ोस का मामला है। मृतक की पहचान तख्त टोला गांव निवासी तारकेश्वर साह की 2 वर्षीय पुत्री रचना प्रिया के रूप में हुई। चेयरमैन सोहन महंतों ने बताया कि बच्ची खेल रहीं थी कि उसी दौरान बाल्टी में भरें पानी में डूब गई जब तक घर के लोग देखते तब तक वह अचेत हो गई थी जिसे इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। मृत घोषित करते ही परिजनों में मातम छा गया

डीआईजी आशीष भारती ने बेगूसराय एसपी कार्यालय का किया निरीक्षण, क्राइम कंट्रोल को लेकर अधिकारियों के साथ की बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बेगूसराय के डीआईजी आशीष भारती ने बुधवार को एसपी कार्यालय पहुंचकर निरीक्षण किया। एसपी कार्यालय का निरीक्षण करने के बाद डीआईजी आशीष भारती ने एसपी मनीष कुमार सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी के साथ बैठक भी किया।साथ ही साथ डीआईजी आशीष भारती ने सभी पुलिस पदाधिकारी को काम में तेजी लाने का निर्देश भी दिया।इस दौरान मीडिया से बातचीत करने के दौरान डीआईजी आशीष भारती ने बताया कि आज बेगूसराय एसएसपी कार्यालय का निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण के दौरान बेगूसराय एसपी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी के साथ एक बैठक आयोजित गया। इस बैठक में सभी पुलिस पदाधिकारी को काम में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। इस दौरान डीआईजी आशीष भारती ने बताया है कि आम जनता से जुड़ी हुई चीज है विशेष तौर पर खासकर पासपोर्ट का ससमय निष्पादन करना। इस तरीके से चालित प्रमाण पत्र को भी सा समय निष्पादन करना। इस पर विशेष रूप से समीक्षा की गई है और उस में तुरंत गति से निष्पादन करने का निर्देश दिया गया है। दौरान डीआईजी आशीष भारती ने बताया कि आम जनता एसपी कार्यालय में पहुंचकर आवेदन देते हैं। उसको लेकर भी निर्देश दिया गया है।

संकुल स्तरीय टीएलएम मेला का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

खगड़िया जिले के परबत्ता प्रखंड के उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोडचक्का में संकुल स्तरीय टी एल एम मेला का आयोजन किया गया। इस मेले का उदघाटन से संकुल संचालक प्राध्यापक श्री कृष्णकांत सिंह, संजय कुमार पासवान, बीआरपी अमित कुमार मिश्रा और राजेश राज ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का फीता काटकर उद्घाटन किया। कार्यक्रम का संचालन मनोज कुमार साह ने किया। संजय कुमार पासवान और अमित कुमार मिश्रा ने सभी टी एल एम को बहुत ही बारीकी से देखे और उसके बारे में सभी शिक्षकों को अपने विचार साझा करने के लिए कहा। संकुल अंतर्गत सभी स्कूलों से पहुंचे शिक्षकों का स्वागत एच एम संजय कुमार पासवान, कृष्णकांत सिंह, अमित कुमार मिश्रा ओर राजेश राज ने किया। प्राध्यापक संजय कुमार पासवान ने बताया कि प्रत्येक विद्यालय से 2 या 3 शिक्षक को इस मेले में बुलाया गया था।बी आर पी अमित कुमार मिश्रा ने बताया कि इस प्रदर्शनी में संकुल के सभी शिक्षक और शिक्षिका ने शिक्षाप्रद मॉडल की प्रस्तुति की। संकुल संचालक प्राध्यापक कृष्णकांत सिंह ने बताया कि इस मेला में मध्य विद्यालय सौ ढ भरतखण्ड, मध्य विद्यालय दुधैला, प्राथमिक विद्यालय कोरचक्का उत्तर, प्राथमिक विद्यालय बुद्धनगर भरतखण्ड, मनोरमा गंगा प्राथमिक विद्यालय कोरचक्का और उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय कोरचक्का के शिक्षक और शिक्षिका ने अपने अपने टी एल एम मॉडल को पेश किया और अपने विचारों को भी साझा किया। मंच संचालन करते हुए मनोज कुमार साह ने बताया कि इस मेला में खेल, वीडियो,फ्लैस कार्ड, प्रोजेक्टर के माध्यम से बच्चों को सिखाया और पढ़ाया जाता है। राजेश राज ने बताया कि टी एल एम शिक्षा के क्षेत्र में टी एल एम एक आमतौर पर इस्तेमाल किया जाने वाला संक्षिप्त नाम है। इसका अर्थ है शिक्षण अधिगम सामग्री। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार और मंजरी कुमारी ने बताया कि कई ऐसे शिक्षक होते हैं जिनके पढ़ाने का तरीका औरों से अलग होता है। वे तकनीकों का प्रयोग कर बच्चों को पढ़ते हैं, जो पारंपरिक शिक्षण पद्धति से हटकर होता है। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार और शिक्षिका मंजरी कुमारी ने शिक्षकों के हुनर को सराहा और राज्य सरकार के ऐसे आयोजन के लिए साधुवाद दिया। मौके पर प्राध्यापक संजय कुमार पासवान, कृष्णकांत सिंह, अमित कुमार मिश्रा, राजेश राज, वंदना कुमारी, रामविनोद साह, सफकत आफरीन, शालिनी देवी, अनिता कुमारी, नीली कुमारी, नुसरत नाज, प्रभाकर कुमार, नवीन कुमार, मनोज कुमार साह, डिम्पल, मंजरी कुमारी, आलोक कुमार सिंह, अब्दुर रहमान, पिंकी कुमारी और संकुल के कई शिक्षक मौजूद थे।

पूर्व अध्यक्ष डूमर लाल बैठा की 100 वीं जयन्ती मनायी गयी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष डूमर लाल बैठा की 100 वीं जयन्ती आज प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मुख्यालय सदाकत आश्रम पटना में मनायी गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस के कोषाध्यक्ष निर्मल वर्मा ने किया।इस अवसर पर स्व0 डुमर लाल बैठा के प्रति श्रद्धाँजलि अर्पित करते हुए प्रदेश कांग्रेस के कोषाध्यक्ष निर्मल वर्मा ने कहा कि बिहार सरकार के मंत्री, केन्द्रीय मंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने समाज के दलित, अल्पसंख्यक, महिला एवं पिछड़े वर्ग के लोगों के विकास के लिये कई कार्यक्रम चलाये। कार्यक्रम का शुभारम्भ स्व. डूमर लाल बैठा के तैलचित्र पर माल्यार्पण से किया गया।इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ब्रजेश पाण्डेय, मिडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़, पूर्व विधायक लाल बाबु लाल, ब्रजेश प्रसाद मुनन, आनंद माधव, निधि पाण्डेय, डॉ. संजय यादव, अरविन्द लाल रजक, मृणाल अनामय, रवि गोल्डन, विश्वनाथ बैठा, वसीम अहमद, ब्रज किशोर सिंह कुशवाहा ,रवि कुमार आदि कांग्रेसजनों ने स्व0 बैठा के चित्र पर माल्यार्पण ,कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

हरलाखी में प्रशासन ने सुनी लोगों की समस्याएं

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

- शिविर में ऑन स्पॉट समस्याओं का हुआ निष्पादन
- हरलाखी प्रशासन आपके द्वार कार्यक्रम के तहत वुधवार को हरलाखी पंचायत भवन में शिविर लगाया गया.

मधुबनी जिला के हरलाखीप्रशासन आपके द्वार कार्यक्रम के तहत वुधवार को हरलाखी पंचायत भवन में शिविर लगाया गया. शिविर में बीडीओ रविशंकर पटेल,बीसीओ सतीश कुमार,प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी सुनील कुमार तिवारी, आपूर्ति पदाधिकारी प्राणनाथ मुन्ना, पीओ कृपा शंकर झा सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी भाग लेकर विभिन्न समस्याओं को लेकर आए लोगों की ऑन स्पॉट निष्पादन किया. साथ ही कुछ ऐसे समस्याएं जो तुरंत निष्पादन नही हो सकता था,वैसे लोगों का परिवाद पत्र संग्रहण कर जल्द निष्पादन करनें का आश्वासन दिया गया. शिविर में पंचायत के मुखिया मो. जुनैद, आवास सहायक, राजस्व कर्मचारी, पीआरएस सहित अन्य कर्मी मौजूद थे.

समयप्रबंधन, सकारात्मकसोच और मोबाइल से दूर रहें छात्र : अनुराग भटनागर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी । केंद्रीय विद्यालय जवाहरनगर सुतिहारा में केंद्रीय विद्यालय संगठन पटना संभाग के उपायुक्त अनुराग भटनागर ने कक्षा दसवीं और बारहवीं के छात्रों के साथ संवाद एवं प्री बोर्ड 3 परीक्षा परिणाम पर चर्चा किया। उनका उद्देश्य छात्रों को बोर्ड परीक्षाओं के लिए प्रेरित करना और उन्हें आत्मविश्वास से भरना था। उपायुक्त ने छात्रों से संबोधित करते हुए कहा कि कहा, बोर्ड परीक्षा जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, लेकिन इसे लेकर घबराने की जरूरत नहीं है। मेहनत और अनुशासन से आप किसी भी चुनौती का सामना कर सकते हैं। उन्होंने छात्रों को समय प्रबंधन, सकारात्मक सोच और मोबाइल से दूर रहने के लिए प्रेरित किया और यह भी बताया की परीक्षा तक मोबाइल आप अपने अभिभावक या प्राचार्य के पास जमा कर दे। जितना आप मोबाइल से दूर रहेंगे उसका असर आप के परीक्षा परिणाम में कम से कम 10 से 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। उन्होंने समय पर सोने एवं जल्दी उठकर पढ़ाई करने का भी मंत्र दिया। इस दौरान उपायुक्त ने छात्रों के सवालों का उत्तर भी दिया और उनके अध्ययन से संबंधित चिंताओं को दूर किया। विद्यालय के प्राचार्य पंकज अग्रवाल ने कहा कि उनके दौरे से छात्रों को नई ऊर्जा और प्रेरणा मिली है।छात्रों ने भी इस अवसर पर अपने विचार साझा किए और कहा कि उपायुक्त के प्रोत्साहन ने उन्हें आत्मविश्वास से भर दिया है। मौके पर वरिष्ठ शिक्षक रमेश कुमार यादव, शिक्षिका रिजवाना,संदीप कुमार, अजीत सिंह,अनामिका सिंह, संदीप कुमार,अखिलेश कुमार, अक्षय कुमार ,ओमप्रकाश प्रियदर्शी, प्रभाकर कुमार, अजित सिंह रमा सिन्हा,उमाशंकर प्रसाद, संजय कुमार, शिक्षिका शिखा कुमारी, शिक्षिका शिप्रा सिंह, आलोक कुमार, अमर सिंह, संजय कुमार यादव, रंजीत कुमार निराला , अक्षय कुमार , कुमारी हर्षिता, डॉ. बरुण कुमार मिश्र एवं अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

मॉडल टीकाकरण कार्नर का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हुआ उद्घाटन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के परिसर में मॉडल टीकाकरण कार्नर उद्घाटन जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी सारण डॉ चंदेश्वर सिंह ने फीता काट किया। मौके पर प्रभारी डॉ संजय कुमार, चिकित्सक डॉ चन्द्रशेखर सिंह, डॉ एस के विधार्थी, डॉ अनंत नारायण कश्यप, स्वास्थ्य प्रबंधक अमित कुमार, बीसीएम लव कुश कुमार, बीएमसी कुमुद रंजन, रितेश कुमार समेत अन्य शामिल रहें। प्रभारी डॉ संजय कुमार ने बताया कि मॉडल टीकाकरण कार्नर के रूप में विकसित होने से लोगों को गुणवत्तापूर्ण एवं खुशनुमों वातावरण में टीकाकरण की सुविधा मिलेगी। सरकार व स्वास्थ्य विभाग का मुख्य उद्देश्य नवजात शिशुओं में शत प्रतिशत टीकाकरण कराना है। जिसके प्रति आम लोगों को जागरूक करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। साथ ही गुणवत्तापूर्ण तरीके से टीकाकरण की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराया जाना है। इन टीकाकरण कार्नर में गर्भवती महिलाओं और जन्म के बाद के शिशुओं को टीका दिया जाएगा जो पूरी तरह निःशुल्क होगा।

मोदी योगी के बदइंतजामी से लहूलुहान हुआ सनातनियों की आस्था, दें मुआवजा: राजेश राठौड़

मोदी-योगी के कुव्यवस्था की भेंट चढ़ा महाकुंभ, सनातनियों से माफी मांग दें मुआवजा: राजेश राठौड़

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना. बुधवार, 29 जनवरी, 2025महाकुंभ में हुए दुखद हादसे से मर्माहत कांग्रेस के प्रदेश मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने मृतक श्रद्धालुओं और उनके परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुव्यवस्था की महाकुंभ भेंट चढ़ गई। केंद्र और उप्र सरकार पर हमलावर होते हुए बिहार कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने कहा कि सनातन धर्म की विडंबना है कि इतने बड़े धार्मिक आस्था का विषय महाकुंभ पर तमाम व्यवस्थाओं का डंका बजाकर वीआईपी संस्कृति के पोषक सत्ता ने आम श्रद्धालुओं के लिए बदइंतजामी के अलावे कुछ नहीं किया। मृतकों के धार्मिक सम्मान के साथ अंतिम संस्कार तक यह सरकार नहीं करा पा रही है जो कोविड काल की उप्र सरकार की तस्वीर दुबारा पेश कर दी है। कांग्रेस पार्टी मृतकों के परिजनों को 1 करोड़ का मुआवजा और उनके आश्रितों को सरकारी नौकरी देने की मांग करता है साथ ही घायलों को 25 लाख रुपए देने की मांग करता है।बिहार कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने कहा कि देश में सनातन धर्म के सबसे बड़े समर्थक बनने वाले प्रधानमंत्री मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी ने साबित कर दिया कि वें नक्कारा नेता हैं और हिंदुओं की आस्था के सबसे बड़े महापर्व को सरकारी लूट का जरिया बनाकर जमकर लूटा गया लेकिन आम श्रद्धालुओं को कोई सुविधा नहीं दी गई। इस तरीके की घटनाएं बता दे रही है कि केवल सरकारी विज्ञापन और व्यवस्था के नाम पर फंड रिलीज कर लूट की छूट दी गई है। देश की जनता आस्था के डुबकी के लिए महाकुंभ जा रही है लेकिन न उन्हें सुविधाएं ही मुहैया कराई जा रही हैं और न ही सरकारी सुविधाएं ही मुकम्मल है। जनता की सुविधाओं के जगह वीआईपी को न्यौता बांटकर उनके लिए अन्य आम लोगों के लिए संगम घाट को बंद कर बेवजह कुव्यवस्था फैलाई जा रही है। आवागमन को कई पुलों और रास्तों को बंद कर दिया जा रहा है और उन रास्तों के श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया जा रहा है।

एन एच 227 ए राम जानकी पथ पर ट्रैक्टर ट्राली पर ओवरलोड ईट लदा जप्त

मशरक महमम्दपुर एन एच 227 ए राम जानकी पथ पर मशरक थाना पुलिस ने ओवरलोड ईट लदा ट्रैक्टर ट्राली जप्त किया और थाना परिसर में लगा कर मामले में आवश्यक कागजात की जांच-पड़ताल की जा रही है। जांच पड़ताल में लगें थाना पुलिस के अधिकारी ने बताया कि ट्रैक्टर ट्राली पर ओवरलोड ईट लदा था जो बिक्री के लिए ले जाया जा रहा था। जिसे गश्ती दल के द्वारा पकड़ा गया ईट लदे ट्रैक्टर ट्राली चालक से ट्रैक्टर ट्राली के कागजात समेत ईट के कागजात की मांग की गयी हैं मामले में विधिः सम्मत कारवाई की जाएंगी।

जेडीयू सांसद अजय मंडल की दबंगई: पत्रकारों से किया मारपीट व भद्दी भद्दी गाली-गलौज

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- चंद्रकिशोर पासवान का बड़ा बयान बोले जनता देगी मुंहतोड़ जवाब

बिहार जेडीयू सांसद ने न्यूज संकलन के दौरान पत्रकारों के साथ मारपीट और अभद्र भाषा के इस्तेमाल का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस घटना को लेकर चंद्रकिशोर पासवान ने कड़ा रुख अपनाते हुए जेडीयू सांसद पर निशाना साधा। श्री पासवान ने कहा, "पत्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं, उनके साथ इस तरह की अभद्रता और मारपीट लोकतंत्र पर हमला है। जनता सब देख रही है और आगामी चुनाव में इसका मुंहतोड़ जवाब देगी।"मामले को लेकर स्थानीय पत्रकारों में भारी आक्रोश है। पत्रकारों का कहना है कि जब वे न्यूज संकलन के लिए पहुंचे, तो सांसद के द्वारा बदसलूकी की, भद्दी-भद्दी गालियां दीं और मारपीट तक की। पत्रकारों ने प्रशासन से दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इस घटना को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। विपक्षी दलों ने इसे लोकतंत्र का अपमान बताया है और सरकार से जवाब मांगा है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है और दोषियों पर क्या कार्रवाई होती है।

कवलपुरा और खजुरी में आवास योजना में नाम जोड़ने के सर्वे कार्य का बीडीओ ने किया निरीक्षण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक प्रखंड के कवलपुरा और खजुरी पंचायत के विभिन्न गांवों में प्रधानमंत्री आवास योजना में नाम जोड़ने के सर्वे कार्य का बीडीओ पंकज कुमार ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में आवास योजना के लाभुक लोगों को बताया गया कि सभी पात्र लोगों का नाम जुटेगा किसी भी हालत में पैसा ना दें। अगर कोई पैसा मांगे तो इसकी सूचना दें। बीडीओ पंकज कुमार ने बताया कि प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों के गांवों में प्रधानमंत्री आवास योजना में लाभुकों का नाम जोड़ने की प्रक्रिया चल रही है जिसमें 31 मार्च तक पूरा कर लेने का लक्ष्य रखा गया है।

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सभी नगर निकायों के कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा बैठक हुई आयोजित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सभी नगर निकायों के कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा बैठक हुई आयोजित।-

शहरी भूमिहीन पात्र परिवारों के लिए नगर निकाय क्षेत्रों में बनेगा मल्टी स्टोरी भवन।

सभी नगरनिकायों के पदाधिकारियों को भूमि चिन्हित कर प्रस्ताव भेजने का दिया निर्देश।

सभी नगर निकायों में चल रही सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पूरी सहजता के साथ आम जनता तक पहुंचे इसे हर हाल में सुनिश्चित करें।-

जिलाधिकारी-

जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सभी नगर निकायों के कार्यों एवं योजनाओं की समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी ने समीक्षा के क्रम में शहरी भूमिहीन पात्र परिवारों के लिए नगर निकाय क्षेत्रों में मल्टी स्टोरी भवन निर्माण को लेकर उपस्थित सभी नगरनिकायों के पदाधिकारियों को भूमि चिन्हित कर शीघ्र प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया।उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि मधुबनी नगर निगम सहित सभी नगर निकाय अधिक से अधिक सोख्ता निर्माण के साथ-साथ निजी मकानों में भी रेन हार्वेस्टिंग सिस्टम को प्रोत्साहित करें,ताकि अधिक से अधिक वर्षा जल संचयन किया जा सके।उन्होंने कहा कि पिछले गर्मी के मौसम में नगर निगम के कई वार्डों में जलस्तर काफी नीचे चला गया था,ऐसी स्थिति में हमे अधिक से अधिक वर्षा जल का संचयन करना ही होगा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी नगर निकायों में जल जीवन हरियाली अभियान के तहत चल रही योजनाओं को ससमय पूर्ण करें।उन्होंने कहा कि सभी नगर निकाय छत वर्षा जल संचयन को निजी घरों में भी प्रोत्साहित करें। इसको लेकर सभी नगर निकाय आम जनों के बीच जागरूकता कार्यक्रम चलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि वर्षा जल संरक्षण को लेकर सभी नगर निकाय लगातार अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करें।। इसको लेकर सभी नगर निकाय आम जनों के बीच व्यापक प्रचार-प्रसार करे जिलाधिकारी ने नगर निगम मधुबनी सहित विभिन्न नगर पंचायत एवं नगर परिषदों में चल रही नल-जल योजना की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी अक्रियाशील योजनाओं को अविलंब क्रियाशील करे। उन्होंने कहा कि सभी छूटे हुए घरों को भी नल-जल योजना से आच्छादित करे।जिलाधिकारी सभी नगर निकायों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी वार्डों में नली-गली योजना को तेजी के क्रियान्वित कर ससमय पूर्ण करें। जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम स्व निधि योजना के समीक्षा के क्रम में निर्देश दिया कि हर हाल में प्रतिमाह प्रगति देखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत प्राप्त आवेदनों के आलोक में तेजी से निष्पादन करे। उन्होंने कहा कि बैंक के साथ बैठक करें और सभी लंबित आवेदनों का निष्पादन करें। जिलाधिकारी ने कहा कि नगर निकायों में चल रही सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पूरी सहजता के साथ आम जनता तक पहुंचे इसे हर हाल में सुनिश्चित करें।उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हर हाल में मासिक बैठक में सभी नगर निकायों के कार्यों में प्रगति देखनी चाहिए अन्यथा जवाबदेही तय करवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने नगर आयुक्त नगर निगम मधुबनी को निर्देश दिया।

महाकुंभ में मौनी अमावस्या स्नान के दिन संगम तट पर भगदड़ एवं श्रद्धालुओं के घायल होने एवं मौत का खबर हृदय विदारक है:पासवान

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री सह लोक जनशक्ति पार्टी (रा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में मौनी अमावस्या स्नान के दिन संगम तट पर भगदड़ एवं श्रद्धालुओं के घायल होने एवं मौत का खबर हृदय विदारक है। मृतकों के शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं । प्रधानमंत्री जी एवं उत्तर प्रदेश की हमारी सरकार घटना पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। घायलों की उचित इलाज की व्यवस्था की गई है । मैं घायलों के शीघ्र स्वास्थ लाभ की कामना करता हूं। साथ मे लोजपा (रा) जमुई सांसद सह प्रदेश संगठन प्रभारी अरुण भारती ने भी प्रयागराज महाकुंभ मे हुई दुखद घटना को अत्यंत पीड़ादायक बताया। इस आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने दी।

दलसिंहसराय में इंटर परीक्षा की तैयारी पूरी, 4147 छात्र होंगे शामिल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के दलसिंहसराय अनुमंडल के 5 केंद्रों पर इंटरमीडिएट की परीक्षा शांतिपूर्ण व कदाचार परीक्षा संचालन के लिए अनुमंडल प्रशासन कृतसंकल्प है। एसडीओ प्रियंका कुमारी ने कहा कि कदाचार व शांतिपूर्ण परीक्षा करने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। परीक्षा संपन्न कराने को लेकर अनुमंडल में कुल 5 परीक्षा केन्द्र बनाए गये हैं, जहां कुल 4147 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होगें। इसमें सभी केंद्र पर छात्राएं परीक्षा में भाग लेगी। वहीं गर्ल्स हाई स्कूल में 452, कुसुमवती कन्या मध्यविद्यालय 494, छत्रधारी इंटर महाविद्यालय 806, आर बी कॉलेज 1360, सक्सेस मिशन स्कूल में 1035 छात्राए परीक्षा में शामिल होंगी। परीक्षा की तैयारी के लिए सभी विद्यालयों में तैयारी शुरू हो गई है। वहीं शिक्षा विभाग के द्वारा केंद्र बनाये जगहों पर साफ सफाई के साथ पेयजल, प्रकाश आदि की व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए केंद्राधीक्षकों को निर्देश दिए गये हैं। परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हो इसके लिए विभाग के द्वारा तैयारी तेज कर दी गई है। परीक्षा दो पालियों में एक फरवरी से होगी। प्रशासनिक स्तर पर परीक्षा के दौरान कड़ी चौकसी रखने के लिए प्रशासन तैयारियों में जूट गया है। इस बार की भी परीक्षा में सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इसके अलावा परीक्षा के दौरान वीडियोग्राफी भी की जाएगी। परीक्षा कदाचारमुक्त माहौल में संपन्न कराने के लिए शिक्षा विभाग वीक्षकों का चयन और बैठक कर परीक्षा के रूप रेखा तैयार करने में जुटा हुआ है।

कवलपुरा और खजुरी में आवास योजना में नाम जोड़ने के सर्वे कार्य का बीडीओ ने किया निरीक्षण

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक प्रखंड के कवलपुरा और खजुरी पंचायत के विभिन्न गांवों में प्रधानमंत्री आवास योजना में नाम जोड़ने के सर्वे कार्य का बीडीओ पंकज कुमार ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में आवास योजना के लाभुक लोगों को बताया गया कि सभी पात्र लोगों का नाम जुटेगा किसी भी हालत में पैसा ना दें। अगर कोई पैसा मांगे तो इसकी सूचना दें। बीडीओ पंकज कुमार ने बताया कि प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों के गांवों में प्रधानमंत्री आवास योजना में लाभुकों का नाम जोड़ने की प्रक्रिया चल रही है जिसमें 31 मार्च तक पूरा कर लेने का लक्ष्य रखा गया है।

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में राजस्व संग्रहण सह आंतरिक संसाधन की समीक्षा बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में राजस्व संग्रहण सह आंतरिक संसाधन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई । बैठक में उपस्थित सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को डीएम ने निर्देश दिया कि लक्ष्य के अनुरूप हर हाल में ससमय राजस्व की वसूली करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने बैठक से अनुपस्थित डीएफओ सहित मापतौल विभाग के सभी चार पदाधिकारियों के विरुद्ध गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी से स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया ।समीक्षा के क्रम में वाणिज्य कर विभाग, निबंधन विभाग, परिवहन विभाग का राजस्व संग्रहण में प्रदर्शन अच्छा पाया गया वहीं खनन, विद्युत, नगर निगम मधुबनी, राष्ट्रीय बचत आदि का राजस्व संग्रहण संतोषजनक नहीं पाया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि इस वित्तीय वर्ष के निर्धारित लक्ष्य को सभी संबंधित विभाग हर हाल में ससमय पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने बैठक में उपस्थित नीलाम पत्र पदाधिकारी मयंक सिंह को निर्देश दिया कि नीलाम पत्र वादों का निष्पादन हेतु तेजी से करवाई सुनिश्चित करवाए। उन्होंने बैठक में उपस्थित कार्यपालक अभियंता विद्युत मधुबनी, जयनगर एवं झंझारपुर विद्युत डिविजन को निर्देश दिया कि प्रत्येक मंगलवार की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से आयोजित बैठक में अनिवार्य रूप से भाग ले। उक्त बैठक में नगर आयुक्त अनिल चौधरी, डीपीआरओ परिमल कुमार, वरीय उप समाहर्ता मयंक सिंह, प्रभारी पदाधिकारी राजस्व नसीम कुमार निशांत सहित सभी विभागों के वरीय अधिकारी उपस्थित थे।।

राजू सहनी ने हजारों गरीब लोगों के बीच कंबल का किया वितरण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के चर्चित समाजसेवी उजियारपुर प्रखंड के भगवानपुर कमला गांव निवासी राजू सहनी ने अपने 04 दिवसीय कंबल वितरण समारोह के तहत शुक्रवार 24 जनवरी से लेकर सोमवार 27 जनवरी की देर शाम करीब साढ़े आठ बजे तक जिला मुख्यालय सहित उजियारपुर प्रखंड क्षेत्र के दर्जनों गाँव के हजारों लोगों के बीच कंबल का वितरण कर दिया। इस दौरान उन्होंने प्रखंड मुख्यालय स्थित रायपुर के मैदान में, भगवानपुर कमला, रायपुर, उजियारपुर, परोरिया, चांदचौर करिहारा, निकसपुर, लखनीपुर महेशपट्टी, गावपुर, सातनपुर, पतैली पश्चिमी, पतैली पूर्वी, रामचंद्रपुर अंधैल व बेलारी सहित करीब डेढ़ दर्जन पंचायत के लोगों के बीच स्टॉल लगाकर व गांव में जाकर भी कंबल का वितरण किया। रायपुर फील्ड में हजारों लोगों के बीच कंबल वितरण करने बाद समाजसेवी समस्तीपुर रेलवे स्टेशन पहुंचकर स्टेशन के बाहर इस हाड़ कंपाती ठंड में मैले कुचैले कपड़े पहने लोगों के बीच कंबल का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने समस्तीपुर रेलवे स्टेशन के अलावे बस पड़ाव व सड़क किनारे, इस ठंड से ठिठुर रहे सैकड़ों गरीब व असहाय लोगों के बीच भी समाजसेवी राजू सहनी ने कंबल का वितरण किया। इस दौरान स्टेशन परिसर में ट्रेन का इंतजार कर रहे लोगों का बताना था कि इतनी सर्द रात में रेलवे स्टेशन, बस पड़ाव तथा मंदिर के आसपास गरीब, निर्धन व असहायों के बीच कंबल का वितरण करना अपने-आप में एक साहसिक कदम है। अक्सर लोग रात को जिस समय ठंड से बचने के लिए अपने घरों में दुबके रहते हैं। ऐसी परिस्थिति में असहायों की सुधि लेना मात्र ही सबसे बड़े पुण्य का काम है। बहूत कम ऐसे समाजसेवी अभी इस दुनियां में हैं, जो गरीबों का दुख-दर्द जानने के लिए अपने घरों से रात के समय बाहर निकलते हैं। कंबल वितरण के दौरान समाजसेवी राजू सहनी ने कहा कि गरीबों व असहायों की मदद करना उनकी नियती में शामिल है। इसलिए उनसे जितना संभव हो सकेगा वह गरीबों व असहायों को ठंड से बचाने के लिए कंबल वितरण करते रहेंगे। इसलिए वह विगत 7 सालों से प्रत्येक वर्ष सार्वजनिक स्थलों पर घूमघूम कर जरूरतमंद गरीब व निर्धन लोगों के बीच गर्म कपड़े व कंबल का वितरण कर रहे हैं। समाजसेवी राजू सहनी के द्वारा किए जा रहे इस कंबल वितरण को स्थानीय लोगों ने भी काफी सराहा और इसे सराहनीय कदम बताया। स्थानीय लोगों ने कहा कि जिसका कोई सहारा नहीं होता, उसका भगवान ही सहारा होता है, और इस हाड़ कंपाती ठंड में गरीबों, असहायों तथा फुटपाथ पर अपनी जिंदगी गुजर बसर करने वाले लोगों के लिए राजू सहनी किसी भगवान से कम भी नही हैं।

केसीसी ऋण किसानों के लिए बेहद लाभकारी : आनंद कौशिक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक की दिघरा (पूसा) शाखा के द्वारा प्रखंड के कल्याणपुर गौड़ गांव में मेगा ऋण वसूली एवं ऋण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। मौके पर मौजूद ग्रामीण बैंक ग्राम के रीजनल मैनेजर आनंद कौशिक ने शिविर में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण बैंक लोगों को किफायती एवं आसान दरों पर ऋण उपलब्ध कराती है। उन्होंने कहा कि किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड बेहद आसानी के साथ प्रदान किए जाते हैं। इसका ब्याज दर केवल चार प्रतिशत वार्षिक होता है जो कि किसानों के लिए काफी लाभकारी है। उन्होंने लोगों से समय पर ऋण अदाएगी की अपील की। वही कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसएमडी प्रमुख भुनेश चौधरी ने कहा की समय पर ऋण लौटाने पर ऋण की सीमा बढ़ाई भी जाती है। श्री चौधरी ने बताया कि बैंक के द्वारा पशुपालक किसानों के लिए भी बेहद सस्ती दरों पर ऋण उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि आज के शिविर में ऐसे लाभुको के चयन की प्रक्रिया शुरू की गई है जिन्हें बैंक के द्वारा सस्ते दरों पर केसीसी समेत अन्य योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक की दिघरा शाखा की शाखा प्रबंधक मोनिका कुमारी ने कहा की बैंक अपने उपभोक्ताओं को ससमय और सटीक सेवा देने के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने कहा की बैंक के उपभोक्ता किसी तरह की बैंकिंग से संबंधित समस्या होने पर उनसे आकर मिले। उनकी समस्या का तत्काल निदान किया जाएगा। मौके पर बैंक मित्र मुकेश कुमार, अशोक कुमार समेत सैकड़ो लोग मौजूद थे।

बंगरा थाना की पुलिस ने पिकअप के साथ1065लीटर शराब जप्त किया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

ताजपुर / समस्तीपुर (रोजनामा इन्डो गल्फ संवाददाता) : - - नेशनल हाइवे थाना बंगरा पुलिस ने बुधवार को वाहन चेकिंग के दौरान एक पिकअप पर लदे कूल1065 लीटर विदेशी शराब जप्त किया। जानकारी देते हुए बंगरा थानाध्यक्ष मनीषा कुमारी ने बताया कि पुलिस बल द्वारा थाना के सामने एन एच 28 पर वाहन चेकिंग चल रही थी, इसी दौरान एक पिकअप जिसका रजिस्टेशन नम्बर इफ01ऋ4108 है पुलिस को देख कर भागने का प्रयास किया। इसी दौरान पुलिस बल ने उक्त गाड़ी को रोक कर तलासी लिया तो गाड़ी में प्रतिबंधित विदेशी शराब पाया, जिसका कुल मात्रा 1065 लीटर है। वहीं गाड़ी के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार युवक को न्यायिक हिरासत में भेजा गया। गिरफ्तार युवक की पहचान पहचान राहुल सिंह उम्र 22 वर्ष पिता राजू सिंह ग्राम श्रीनिवास नगर, थाना मूलीपूरा, जिला जयपुर राजस्थान के रूप में किया गया है।

महिला कशीदा कारी व पेंटिंग का किया गया उद्घाटन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

ताजपुर / समस्तीपुर (रोजनामा इन्डो गल्फ संवाददाता) : - - जिले के ताजपुर प्रखंड क्षेत्र के शाहपुर बघौनी वार्ड 11में रजा जन सेवा महिला कशीदा कारी व पेंटिंग का शुभ उदघाटन माननीय विधायक अख्तरूल इस्लाम शाहीन के हाथों किया गया। साथ हीं विधायक द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किये हुए महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरण किया गया। सम्बोधित करते हुए विधायक ने कहा कि संस्था के अध्यक्ष शफीउर रजा चुन्नु बाबु का ये कदम सराहनीय है। इससे महिलाओं को स्वयं रोजगार का अवसर मिलेगा। सिलाई , कशीदा कारी, व पेंटिंग के माध्यम से महिला सशक्तिकर्ण को बल मिलेगा। रजा जन सेवा सोसाइटी (संस्था) से समाज की महिलाओं को अधिक से अधिक संख्या में सिलाई प्रशिक्षण प्राप्त करना चहिये जो एक अच्छा कदम महिला विकास के लिए होगा। अपने घर में रह कर ही काम करने का अवसर मिलेगा। मौके पर मो० अरमान सदरी, नजमुल होदा, नूरुज्जोहा आफो , जनाब नसीरुद्दीन फैजी उपमुखिया, खलीलूर रहमान मुकद्दर पंचायत समिति,मो० आयाज,अकीब जावेद, मो०दुलारे सदरी मो०जावेद सदरी नेता मो० अनवार इत्यादि मौजूद थे इससे महिलाओं को स्वयं रोजगार का अवसर मिलेगा। सिलाई , कशीदा कारी, व पेंटिंग के माध्यम से महिला सशक्तिकर्ण को बल मिलेगा। रजा जन सेवा सोसाइटी (संस्था) से समाज की महिलाओं को अधिक से अधिक संख्या में सिलाई प्रशिक्षण प्राप्त करना चहिये जो एक अच्छा कदम महिला विकास के लिए होगा।

मधुबनी में नवनियुक्त अमीनो का 9 दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण हुआ प्रारंभ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

पटना 28 जनवरी 2025 मधुबनी में नवनियुक्त अमीनो का 9 दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण हुआ प्रारंभ राजस्व एवं भूमि संबंधी प्रशासनिक नियम,चकबंदी सर्वे आदि का विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।। ।

*?नवनियुक्त अमीनो का 9 दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण जिला सहकारिता कार्यालय में प्रारंभ हुआ।नवनियुक्त अमीनो का जिला स्तरीय प्रशिक्षण दिनांक 29/01/2025 से 06/02/2025 तक चलेगा। प्रशिक्षण अवधि में कुल 28 कक्षाओं का संचालन किया जाएगा,साथ ही एक सैद्धांतिक कक्षा एवं एक जॉच परीक्षा का भी संचालन किया जाएगा। जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने संबंधित अधिकारियों गुणवत्ता पूर्ण प्रशिक्षण को लेकर कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए है ।प्रशिक्षण के लिए कई डीसीएलआर , सीओ आदि की प्रतिनियुक्ति भी की गई है। उपरोक्त प्रशिक्षण हेतु श्री उपेंद्र ठाकुर भूमि सुधार उपसमाहर्ता सदर मधुबनी को नोडल पदाधिकारी तथा अर्चना राजस्व अधिकारी रायका को सहायक मुगल अधिकारी के रूप में प्राधिकृत किया गया है। आज डीसीएलआर मधुबनी सदर,झंझारपुर एवं बेनीपट्टी के द्वारा राजस्व एवं भूमि संबंधी प्रशासनिक नियम,चकबंदी सर्वे आदि का विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।

मौनी अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी, किया दान

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
साहिल अंसारी

बरौनी /बेगूसराय बेगूसराय । मौनी अमावस्या के अवसर पर उत्तरवाहिनी गंगा तट सिमरिया घाट समेत तमाम गंगा घाटों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सिमरिया गंगा तट पर सुबह से मिथिला एवं मगध क्षेत्र के लोग बड़ी संख्या में जुटने लगे थे तथा लोगों ने मौन रहकर नित्य क्रिया से निवृत्त होने के बाद पतित पावन गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। गंगा स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने गंगा पूजन और विभिन्न मंदिरों में पूजा अर्चना की। सिमरिया के अलावा मिथिला अयोध्या गंगा धाम घाट,मधुरापुर सूर्य नारायण बोल्डर घाट , बजलपुरा महादेव घाट , चिमनी घाट, बिनलपुर अजगर बर घाट, रात गांव सरकारी घाट, एवं मिश्रा घाट के अलावे विभिन्न घाटों पर भी लोगों ने बड़ी संख्या में स्नान-ध्यान किया। मौनी अमावस्या के अवसर पर दान का विशेष महत्व है, जिसके मद्देनजर लोगों ने दान कर पुण्य प्राप्ति की अभिलाषा की। सर्वमंगला सिद्धाश्रम के संस्थापक स्वामी चिदात्मन जी ने कहा कि माघ महीने का सनातन धर्म में विशेष महत्व है। इस माह में कई पर्व एवं त्योहार होते हैं नरक निवारण चतुर्दशी के बाद माघ मास की कृष्ण पक्ष की अमावस्या को मौनी अमावस्या का पर्व पड़ता है। इस दिन जप, तप, दान और पवित्र नदियों में स्नान का विशेष महत्व है। पवित्र नदियों में स्नान के लिए जो लोग नहीं पहुंच सकते हैं । वह अपने घर पर भी गंगा का नाम लेकर स्नान करले तो पुण्य की प्राप्ति हो जाती है। इस पवित्र दिन पर मौन व्रत रखकर ईश्वर का ध्यान करके मुनि पद की प्राप्ति की जाती है। इस दिन किया गया दान सीधे पूर्वजों को प्राप?त होता है। साथ ही मौन धारण करने से विशेष ऊर्जा की प्राप्ति होती है। इसी दिन ऋषि मनु का जन्म हुआ था। जो हिंदू धर्म के अनुसार पहले मानव थे वे सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा के मन से उत्पन्न हुए थे । ऋषि मनु मानव जाति के उद्गम के रूप में जाने जाते हैं । उन्होंने हिंदू धर्म और नैतिकता का सिद्धांत को स्थापित किया था और मानवता के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया था।

होमगार्ड के जवानों ने थाली बजा कर शहर किया विरोध प्रदर्शन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
साहिल अंसारी

बेगूसराय में 21 सूत्री मांग को लेकर होमगार्ड जवानों ने राज्यव्यापी आह्वान पर आक्रोश मार्च निकालकर विरोध प्रदर्शन किया।विरोध प्रदर्शन बेगूसराय शहर से लेकर हड़ताली चौक पर होमगार्ड जवानों के द्वारा किया गया थाली बजाकर विरोध प्रदर्शन किया! बिहार रक्षा वाहिनी स्वयं सेवक संघ के बैनर तले आज बेगूसराय में होमगार्ड जवानों ने अपनी 21 सूत्री मांगों के समर्थन मे पूरे शहर में आक्रोश मार्च निकालकर और थाली बजाकर किया विरोध प्रदर्शन ।

वहीं धरना प्रदर्शन में शामिल होमगार्ड के जवानों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी किए ।इस दौरान उन्होंने कहा है कि हमारे 21 सूत्री मांगों को लेकर सरकार को ज्ञापन पत्र दिया गया था।जिस पर वार्ता भी हुई थी, जिसमें सरकार ने 31 दिसंबर तक का समय लिया था। अब जनवरी का अंत होने चला है इस दिशा मे सरकार की ओर से कोई पहल नहीं हो रहा है।इसीलिए संघ के आह्वान पर आज पूरे प्रदेश में धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। फिलहाल आज से यह तीन दिवसीय धरना प्रदर्शन शुरू किया गया है। अगर हम लोगों की मांग पूरी नहीं की जाती है तो हम लोग अपना हथियार और वर्दी सरकार को सौंप कर अनिश्चितकालीन के लिए आंदोलन करने को बाध्य हो जाएंगे।

पंचायत स्तर पर संचालित योजनाओं की की गई जांच

मो. सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी:सरकार के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को त्वरित एवं प्रभावी ढंग से लागू करने,इनके सतत अनुश्रवण एवं राज्य में न्याय के साथ विकास को सुनिश्चित करने के साथ-साथ प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ एवं संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से आज जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों के द्वारा आज जिले के विभिन्न पंचायतों में संचालित सरकार की योजनाओं का निरीक्षण जिलाधिकारी श्री रिची पांडेय के निर्देश के आलोक में किया गया। डीएम के निर्देश के आलोक में आज हर घर नल का जल से संबंधित योजनाओं की स्थिति और उसका रखरखाव, इस संबंध में ग्रामीणों की प्रतिक्रिया, घर तक पक्की गली नाली, पंचायत में अवस्थित सभी स्तर के विभिन्न विद्यालयों में छात्रों–शिक्षकों की उपस्थिति, भवन की स्थिति,छात्रों /छात्राओं के लिए शौचालय ,पेयजल बिजली आदि की उपलब्धता,अनुसूचित जाति /जनजाति ,पिछड़ा वर्ग छात्रावासों का निरीक्षण, वहां उपलब्ध कराई गई सुविधाओं का निरीक्षण, प्रखंड एवं पंचायतों में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न योजनाओं की अद्यतन स्थिति, आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण,पेंशन योजना, खाद्यान्न भंडारण एवं खाद्यान्न की गुणवत्ता एवं वितरण इत्यादि की जांच, ग्रामीण सड़कों की स्थिति, अधिप्राप्ति केंद्रों का निरीक्षण,मनरेगा की योजनाओं की जांच, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना की अद्यतन स्थिति,पंचायत सरकार भवन की स्थिति, म्यूटेशन,जमाबंदी,लगान रसीद,बंदोबस्त इत्यादि की जांच की गई।निर्देश दिया गया है कि जांचोपरांत विहित प्रपत्र में जांच प्रतिवेदन जिला विकास शाखा को उपलब्ध कराया जाए।

प्रयागराज में महाकुंभ मेला क्षेत्र में मची भगदड़ पर बिहार भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने जताया दुख

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- प्रयागराज में प्रशासन पीड़ितों का हर संभव मदद कर रहा है : डॉ. दिलीप जायसवाल
- प्रयागराज महाकुंभ हादसा अत्यंत दुखद और पीड़ादायक : डॉ. दिलीप जायसवाल
- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा, 'पीड़ितों के साथ हमारी गहरी संवेदनाएं, घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं'

पटना, 29 जनवरी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ मेला क्षेत्र में आज तड़के मौनी अमावस्या के पावन पर्व पर मची भगदड़ पर दुख जताया है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने इस घटना को अत्यंत दुखद और पीड़ादायक बताते हुए कहा कि आस्था और विश्वास के कारण रिकॉर्ड तोड़ भीड़ मौनी अमावस्या के तड़के प्रयागराज महाकुंभ मेला क्षेत्र में पहुंच गई।उन्होंने कहा कि यह घटना हृदयविदारक और दुखद है। इसमें जिन श्रद्धालुओं ने अपने परिजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा कि घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बात की है और पूरी स्थिति की जानकारी प्राप्त की। प्रधानमंत्री खुद राज्य सरकार के संपर्क में हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर पूरी स्थिति की समीक्षा कर चुके हैं।बिहार भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा कि अभी जो जानकारी मिल रही है, उसके अनुसार फिलहाल हालात नियंत्रण में हैं और प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव मदद कर रहा है। प्रशासन सबके सहयोग के लिए तत्पर है।उन्होंने प्रयागराज गए लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील करते हुए कहा कि प्रशासन ने श्रद्धालुओं के लिए जो भी नियम बनाए हैं, उसका वे अक्षरशः पालन करें।

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा के निर्देश के आलोक में अधिकारियों ने सभी प्रखंडों के एक-एक चिन्हित पंचायत में सरकार की चल रही *योजनाओं एवं विकास कार्यों का किया निरीक्षण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा के निर्देश के आलोक में अधिकारियों ने सभी प्रखंडों के एक-एक चिन्हित पंचायत में सरकार की चल रही योजनाओं एवं विकास कार्यों का किया निरीक्षण।---------- जिलाधिकारी ने स्वयं कई सुदूर पंचायतों में पहुंचकर शिविर का किया निरीक्षण एवं पंचायतों में चल रही विकास कार्यों का लिया जायजा।---------- । सभी चिन्हित पंचायत में शिविर का आयोजन कर लोगों से प्राप्त शिकायतों का किया गया निष्पादन। जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा के निर्देश के आलोक में *जिले के सभी प्रखंड में एक-एक चिन्हित पंचायत में सरकार की चल रही योजनाओं,विकास कार्यों आदि का अधिकारियों ने सघन जांच किया ,वहीं सभी चिन्हित 21 पंचायतों में शिविर का भी आयोजन किया गया। शिविर में स्थानीय ग्रामीणों द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायत एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए गए। प्राप्त आवेदन के आलोक में संबंधित अधिकारियों द्वारा कई शिकायतों का ऑन स्पॉट निष्पादन भी किया गया।लोगों को सरकार की चल रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई।जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने स्वयं कई सुदूर पंचायतों में पहुंचकर शिविर का किया निरीक्षण एवं पंचायतों में चल रही विकास कार्यों का भी जायजा लिया।उन्होंने लखनौर प्रखंड के कैथिनिया पंचायत,मधेपुर प्रखंड के नवादा पंचायत आदि में चल रहे शिविर में पहुंचकर शिविर का निरीक्षण किया,साथ ही ग्रामीण से मिलकर उनकी समस्याओं को भी सुना। जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से पंचायत में चल रही विकास कार्यों एवं कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में फीडबैक भी लिया।

प्रेस / पुलिस लिखी वाहनों की होगी जांच

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले में इन दिनों कई वाहनों पर प्रेस, पुलिस, आर्मी एवं अन्य सांकेतिक शब्द रजिस्ट्रेशन पट्टी पर अंकित कर उपयोग किया जा रहा है तथा वाहन में प्रायः कोई पुलिस कर्मी अथवा प्रेस कर्मी सवार नहीं रहते हैं। वाहनों पर प्रेस / पुलिस लिखकर असामाजिक एवं अपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों के द्वारा अपराध एवं असमाजिक कार्य के लिए उपयोग किए जाने की संभावना प्रबल रहती है। ऐसी स्थिति में असमाजिक एवं अपराधिक तत्वों की गतिविधि पर अंकुश एवं अपराध पर नियंत्रण हेतु यह आवश्यक है कि प्रेस / पुलिस लिखे वाहनों की संवेदनशीलता से जांच कर यातायात नियमों सहित अन्य विधिक कार्रवाई करने का निर्देश पुलिस कप्तान अशोक मिश्रा ने जारी किया। एस पी ने बताया कि यह कार्रवाई पुलिस महानिदेशक के आदेश पर किया गया है।

उच्च माध्यमिक विद्यालय धनकौल में टीएलएम मेला: शिक्षकों ने प्रतिभा मॉडल का किया प्रदर्शन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
साहिल अंसारी

तेघड़ा /बेगूसराय तेघड़ा प्रखंड अंतर्गत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घनकौल सह संकुल संसाधन केन्द्र में मंगलवार को संकुल स्तरीय टीएलएम मेला का आयोजन किया गया। जिसमें संकुलाधीन सभी 8 विद्यालयों के शिक्षकों एवं बच्चों ने विभिन्न विषयों के कई अधिगम सामग्रियों का प्रदर्शन कर मन मोह लिया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन विभाग के प्रखंड परियोजना प्रबंधक शशि भूषण प्रसाद, पर्यवेक्षक दिनेश प्रसाद ,प्रधानाध्यापक सह संकुल संचालक कारी पासवान एवं संकुल समन्वयक प्राकृतिक कुमार अनुजदे ने संयुक्त रूप से किया। वहीं प्रांगण में दर्जनों स्टॉल पर लगे शिक्षण अधिगम सामग्री का अतिथियों ने निरीक्षण कर शिक्षक-शिक्षिकाओं की मेहनत को सराहा। मुख्य अतिथि ने निरीक्षण कर शिक्षक-शिक्षिकाओं की मेहनत को सराहा। मुख्य अतिथि बीपीएम शशि भूषण प्रसाद ने प्रदर्शनी को लेकर शिक्षकों पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि विद्यार्थी शिक्षक की संपत्ति होता है।इसका ख्याल रखने की जिम्मेदारी शिक्षक की है। विद्यार्थियों को खेल-खेल और सरल तरीके से ज्ञान देने की जरूरत है। इधर विभिन्न विद्यालय के शिक्षकों ने विभिन्न विषयों की अवधारणा को स्पष्ट करने के लिए प्रदर्शनी प्रस्तुति कर कई उपकरणों का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी के माध्यम से विद्यार्थियों को कैसे पढ़ना है इस बारे में जानकारी दी गई। अध्यक्षता संकुल समन्वयक प्राकृतिक कुमार अनुज ने किया जबकि संचालन विद्यालय के प्रधानाध्यापक सह संकुल संचालक कारी पासवान ने की। प्रदर्शनी के अवसर पर प्रखंड साधन सेबी सह पर्यवेक्षक दिनेश प्रसाद ने कहा कि टीएलएम प्रदर्शनी मेला में प्रदर्शित किया गया विभिन्न उपकरणों को शिक्षकों ने कबाड़ से जुगाड़ पर आधारित अत्यंत ही कम खर्चे में मॉडल बनाकर प्रदर्शित किया। जिसके माध्यम से छात्रों को रोचक तरीके से सिखाया जा सकता है। प्रधानाध्यापक करी पासवान ने बताया कि अपने सामग्रियों के माध्यम से ऐसा प्रयास करते हैं कि छात्रों में जल्द से जल्द विषय की समझ बने। इससे पूर्व विद्यालय की छात्राओं ने शिक्षिका गुलशन कुमारी के नेतृत्व में अतिथियों के स्वागत में स्वागत गाना प्रस्तुति कर अतिथियों का स्वागत किया। मौके पर निर्णायक मण्डल के द्वारा उत्कृष्ट विद्यालयों के शिक्षक द्वारा निर्मित टीएलएम का चयन किया गया जिसमें उच्च माध्यमिक विद्यालय आलापुर को प्रथम पुरस्कार, उत्क्रमित उर्दू मध्य विद्यालय धनकौल को द्वितीय पुरस्कार एवं उत्क्रमित मध्य विद्यालय बनहारा को तृतीय पुरस्कार दिया गया। मौके पर उत्क्रमित मध्य विद्यालय बनहारा के प्रधानाध्यापक जनार्दन पासवान, उत्क्रमित उर्दू मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक देवेंद्र प्रसाद सहनी , प्राथमिक विद्यालय पासवान टोला की प्रधानाध्यापिका रेणु कुमारी, प्राथमिक विद्यालय बनहारा सरपंच साहब का डेरा के प्रधानाध्यापक रविशंकर कुमार, प्रधानाध्यापक रोशन कुमार,शिक्षक नेता सूरज पासवान, वरिष्ठ शिक्षक वीरेंद्र कुमार सिंह, गुलशन कुमारी, गणेश प्रसाद ठाकुर, दिनेश कुमार, गुरुदेव प्रसाद ,राखी कुमारी एवं सीमा कुमारी के अलावे संबंधित सभी विद्यालय के प्रधानाध्यापक ,शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं सैकड़ो छात्र-छात्राएं कार्यक्रम में शामिल हुए

समस्तीपुर । 76 वें गणतंत्र * देवधा थाना में सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के जयनगर अनुमंडल क्षेत्र के देवधा थाना परिसर में सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक की गई,शांति समिति बैठक की गई अध्यक्षता थाना अध्यक्ष ने किया इस अवसर पर सभी को शांति एवं भाईचारा बनाए रखने की अपील की हर एक दूसरे के त्यौहार में आपस में मिलजुल कर पूजा एवं त्यौहार को त्यौहार के तौर पर मनाया जाए आपस में हमेशा भाईचारा बना रहे.

जिसमें स्थानीय मुखिया एवं अन्य जनप्रतिनिधि तथा पूजा करने वाले सभी सदस्य मौजूद थे।

स्वरोजगार सह मार्गदर्शन मेला का उदघाटन डीडीसी ने किया

प्रखंड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो आसिफ अली

समस्तीपुर। बुधवार को बिरौली कॉलेज के प्रांगण में जीविका के द्वारा स्वरोजगार सह मार्गदर्शन मेला का आयोजन किया गया। इस मेले का शुभारंभ उप विकास आयुक्त संदीप शेखर प्रियदर्शी ने दीप प्रज्जवलित कर किया। संदीप शेखर प्रियदर्शी ने बताया कि इस रोजगार मेले का आयोजन जीविका के द्वारा एक उचित और अच्छा कदम है। जिससे पढ़े लिखे लोगों को रोजगार का अवसर मिलेगा और इस मेला में कई लोगों को कंपनियों के द्वारा ऑफर लेटर भी दिया गया। मौके पर प्रखंड प्रमुख रविता तिवारी, नन्द कुमार, जितेंद्र कुमार पासवान आदि लोग उपस्थित थे।

मधुबनी जिला पदाधिकारी अरविन्द बखरी में जन सुराज बेदारी कारवां की हुई बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
साहिल अंसारी

बकरी प्रखंड स्थित पठान टोली में जन सुराज बेदारी कारवां की हुए बैठक जिसकी अध्यक्षता मोहम्मद महफूज खान ने की मंच संचालन पूर्व मुखिया व जन सुराज के जिला महासचिव मोहम्मद तुफैल अहमद खान ने की एवं आए हुए अतिथियों का स्वागत किया

सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मोहम्मद अनवर हैरान ने कहा बदरी कारवां बिहार के मुसमानों को राजनीतिक रूप से जागरूक करने तथा वर्तमान समय सत्ता और सियासत में मुस्लिम की आबादी के अनुसार भागीदारी सुनिश्चित करने का सफल प्रयास है क्योंकि आजादी के बाद आज तक अगर सबसे ज्यादा किसी का राजनीति शोषण हुआ है तो सिर्फ मुसलमानों का हुआ है इस लिए हम लोगों को चाहिए कि राजद जेडीयू की मानसिक गुलामी से मुक्त होक कर अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के जन सुराज का साथ दे ।

वही अंसारी महापंचायत के प्रदेश प्रभारी मोहम्मद साहिल अंसारी ने कहा कि मुसलमानों के तीन अहम मसले हैं तालीम , तिजारत, और तहफुजतीनों मसले को हल करके मुसलमानों को मुख्य धारा में जोड़ने वाली पार्टी का नाम है जन सुराज ! मोहम्मद मुबारक ने कहा जन सुराज एक मात्र एक ऐसी पार्टी है जो 40 मुसलमान उमीदवार 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में उताड़ने का कम करेगी

काव्य पाठ के साथ सामयिक परिवेश ने मनाया 19 वाँ स्थापना दिवस समारोह

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

पटना, सूबे की चर्चित साहित्यिक और सांस्कृतिक संस्था सामयिक परिवेश ने अपना 19वाँ स्थापना दिवस समारोह आज मनाया। समारोह का उद्घाटन बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डा. अनिल सुलभ, वरिष्ठ साहित्यकार और लिटेरा पब्लिक स्कूल समूह की निदेशिका ममता मेहरोत्रा और लोकप्रिय लोकगायिका नीतू नवगीत विशिष्ट अतिथि डा ध्रुव कुमार, भगवती प्रसाद द्विवेदी, देवव्रत अकेला और वरिष्ठ पत्रकार मुकेश महान ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार कासिम खुर्शीद कर रहे थे।

कार्यक्रम की शुरूआत युगल गीत से हुई। कलाकार थे नीतू नवगीत और राजेश। फि र राजेश ने कई गीतों की सुरीली प्रस्तुति दी।

इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत मीना परिहार ने स्वागत गान गाकर किया। मौके पर भगवती प्रसाद द्विवेदी ने अपने सम्बोधन में कहा कि ममता मेहरोत्रा साहित्यिक रूप से काफी समृद्ध हैं और इनकी साहित्यिक समृद्धि का उदाहरण इनकी लिखी लगभग 60 पुस्तकें हैं।

डा अनिल सुलभ ने अपने सम्बोधन में कहा कि किसी संस्था और पत्रिका का शुभारम्भ तो आसान होता है लेकिन निरंतरता बनाए रखना बहुत मुश्किल होता है। इन मुश्किल परिस्थितियों में ममता मेहरोत्रा और सामयिक परिवेश बधाई के पात्र हैं।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कासिम खुर्शीद ने संस्था की संस्थापिका ममता मेहरोत्रा के व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जुनून ही है कि 18 वर्षों से संस्था में निरंतरता बनी रहती है।

मौके पर मुकेश महान ने कहा कि सामयिक परिवेश का मकसद ही साहित्य और कला संस्कृति के क्षेत्र में नवोदित प्रतिभाओं को मंच देना और वरिष्ठ गुणीजनों को सम्मान देना है। संस्था की संस्थापिका ममता मेहरोत्रा ने अपने संबोधन में कहा कि मैं तो बस अपना किरदार निभा रही हूँ। शायद प्रकृति ने साहित्य की आराधना के लिए ही चुना था।

डा. नीतू नवगीत और सामयिक परिवेश क्लब की संचालिका विभा सिंह ने कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

इस अवसर पर सामयिक परिवेश पत्रिका के नए अंक का लोकार्पण भी किया गया।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में काव्य पाठ का आयोजन किया गया था। अपनी रचनाओं का पाठ करने साहित्यकारों में डा. ध्रुव कुमार, अनिल रश्मि, मीना परिहार, सविता राज, ममता मेहरोत्रा, विद्या चौधरी, सुधा सिंहा, देवव्रत अकेला, अंजनी कुमार पाठक, उमेश राज, गोपाल प्रसाद पलक सहित 50 रचनाकारों ने अपनी रचनाओं का पाठ किया।

कार्यक्रम का संचालन मीना कुमारी परिहार और सविता राज कर रही थीं।

महन्थ अवैद्यनाथ नगर में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया गणतन्त्र दिवस

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। गणतंत्र दिवस पर नगरपालिका परिषद कुशीनगर के वार्ड नम्बर 22 महन्थ अवैद्यनाथ नगर डुमरी, सिसवा, सूखा टोला, शिवराज पट्टी में सभासद विजेंदर प्रताप सिंह उर्फ भगत सिंह ने निजी, प्राथमिक और जूनियर विद्यालयों के परिसरों में ध्वजारोहण कर किया। सभी ने जन गण मन का सामूहिक गान किया। सभासद श्री सिंह ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर उपस्थित सम्मानित जनता को शुभकामनाएं दी। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुति दी। उन्हें सभासद श्री सिंह, प्रधानाध्यापक मनोज चौबे, राजेश प्रजापति, अमरेंद्र सिंह ने पुरस्कृत किया। ध्वजारोहण कार्यक्रम में शिक्षक और शिक्षिकाएं, आंगनबाड़ी कार्यकत्री आदि सहित नागरिक मौजुद रहे।

तीर्थ यात्रियों के लिए नपा कुशीनगर द्वारा निःशुल्क भोजन सेवा का शुभारंभ

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। महाकुंभ प्रयागराज 2025 के लिए तीर्थयात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका परिषद कुशीनगर द्वारा कसया बस स्टेशन पर निःशुल्क भोजन सेवा का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम की शुरूआत नगर पालिका अध्यक्ष किरन राकेश जायसवाल ने की, जिसमें विदेशी मेहमानों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। भंडारे में ऑस्ट्रेलिया से आईं कैथरीन और एडवर्ड ने भारतीय संस्कृति का सम्मान करते हुए स्वयं तीर्थयात्रियों को भोजन परोसा। इस दौरान पूरी, खीर और सब्जी का प्रसाद वितरित

किया गया। नपा अध्यक्ष किरन राकेश जायसवाल ने कहा महाकुंभ स्नान अत्यंत पुण्यदायी है और तीर्थयात्रियों की सेवा करना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। नगर पालिका प्रशासन तीर्थयात्रियों की हर सुविधा का ध्यान रख रहा है और यह भंडारा आगे भी जा[री] रहेगा। अध्यक्ष प्रतिनिधि राके[श] जायसवाल ने यह भी आश्वास[न] दिया कि महाकुंभ के दौरा[न] तीर्थयात्रियों की सुविधा हेतु विभि[न्न] व्यवस्थाएं की जाएंगी, जिस[से] उनकी यात्रा सुगम एवं सुखद [हो] सके। इस अवसर पर दिनेश तिवारी भोजपुरिया, रोटरी क्लब अध्यक्ष वाहिद अली, सचिव अजय सिंह, सुमित जायसवाल, दुर्गेश चतुर्वेदी, विजय गुप्ता, सभासद राजेश मद्धेशिया, मुन्ना शर्मा, विनय कुमार सिंह, अमेरिकन खरवार, केशव सिंह, प्रभुनाथ सिंह, सत्यप्रकाश पांडेय, डॉ सुनील सिंह, कुश कुमार, राजन शुक्ल, अशोक सिंह, अजय शुक्ल, विशाल शर्मा, पिंटू राय, कुन्नू जायसवाल, उमेश कुशवाहा, राहुल सोनी, विजेंदर सिंह, मालबाबू, फैय्याज खान, कृष्ण जायसवाल, ममता निषाद, कंचन, सदरे आलम, प्रद्युम्न, हरेंद्र जायसवाल आदि मौजूद थे।

हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया 76 वां गणतंत्र दिवस

संवाददाता

कुशीनगर। जनपद के विकास खण्ड कसया क्षेत्र अंतर्गत पूर्व माध्यमिक विद्यालय अन्धया के प्रांगण में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हर्षोल्लास के साथ 76 वां गणतंत्र दिवस मनाया गया मुख्य अतिथि थानाध्यक्ष कसया ओमप्रकाश तिवारी व अध्यक्षता खण्ड शिक्षा अधिकारी कसया फाजिलनगर विजय पाल नारायण त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्र ध्वज फहराकर राष्ट्र गान के साथ दी गई तिरंगे की सलामी के भारत माता की जयघोष के साथ देश व संविधान के प्रति शपथ दिलाया गया। और मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि गणो को फूल माला पहनाकर सम्मानित

किया गया। मुख्य अतिथि थानाध्यक्ष कसया ओमप्रकाश तिवारी ने कहा कि देश की आजादी हजारों हजार क्रांतिकारी युवाओं के बलिदान से मिली थी उन बलिदानीओ के सपनों को साकार करने के लिए संविधान निर्मात्री समिति का गठन हुआ जिसके द्वारा दुनिया के विभिन्न संविधानो के अध्ययन करने के बाद भारतीय समाज के अनुकूल संविधान का निर्माण किया जो आज ही के दिन लागू हुआ, अध्यक्षीय उद्बोधन करते खण्ड शिक्षा अधिकारी कसया फाजिलनगर विजय पाल नारायण त्रिपाठी ने कहा कि अपना संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान हैं जिनको विशेष सहयोग की जरूरत है विकास की मुख्य धारा में सामिल होने के लिए विशेष अवसर की व्यवस्था की गई है।नइस अवसर पर छात्र छात्राओं द्वारा विभिन्न आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिए छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही शैलेश कुमार त्रिपाठी ने कार्यक्रम का संचालन व आभार व्यक्त किये। इस अवसर पर रहे उपस्थित- सपना शर्मा, रागिनी पाण्डेय, प्रधान प्रतिनिधि प्रेम कुमार गोड़, पप्पू शाही, विरेन्द्र मिश्र, श्यामवदन कुशवाहा, रामछबिला दूबे, रूपेश कुमार बरनवाल, रामायण कुशवाहा, महेंद्र प्रसाद, अशोक कुशवाहा, रामलोचन शर्मा, धर्मदेव कुशवाहा, कुंवर खान, हरिलाल, योगेन्द्र यादव, मुख्य आरक्षी- राजेश सिंह, राजेश यादव, सतीश यादव, अभिषेक मौर्य मौजूद रहे।

नगर सहित ग्रामीण इलाकों में हर्षोल्लास के साथ मना गणतंत्र दिवस

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। गणतंत्र दिव[स] नगर सहित ग्रामीण इलाकों [में] शांतिपूर्ण तरीके से हर्षोल्लास पूर्व[क] मनाया गया। इस मौके पर जगह-जगह प्रभात फेरी निकली, सरका[री] व गैर सरकारी संस्थानों [में] ध्वजारोहण हुआ और सांस्कृति[क] कार्यक्रम आयोजित हुए और बच्[चों] को पुरस्कार व मिष्ठान वितरित कि[ए] गए। नगर में स्थित गांधी प्रतिम[ा], चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा, शही[द] अमिय त्रिपाठी की प्रतिमा प[र] माल्यार्पण किया गया। नगर स्थि[त] तहसील व उपजिलाधिका[री] कार्यालय पर उपजिलाधिका[री] कसया पारितोष मिश्रा, तहसीलद[ार] धर्मबीर सिंह, क्षेत्राधिकारी कार्याल[य] पर सीओ कुंदन कुमार सिंह, था[ना] परिसर में एसएचओ अवधेश कुमार तिवारी, नगरपालिका परिषद कुशीनगर कार्यालय व बुद्धा घाट पर अध्यक्ष किरन जायसवाल व उनके प्रतिनिधि राकेश जायसवाल ने ध्वजारोहण किया। महर्षि अरविंद विद्या मंदिर में प्रधानचार्य गोंविन्द चतुर्वेदी, सरस्वती शिशु मंदिर में प्रधानाध्यापक रामजी सिंह, निरंकारी इंटर कालेज में प्रधानाचार्य अवधेश चौरसिया, बद्ध इंटर कालेज में प्रधानाचार्य उमेश उपाध्याय, बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ विनोद मोहन मिश्रा, बुध्द समाज कल्याण पूर्व माध्यमिक विद्यालय में प्रबन्धक पीएन सिंह, श्री दुर्गा जी इंटर कालेज सिसवा महन्थ में महेश पासवान आदि ने ध्वजारोहण किया।

जौरा बाजार इंटर कॉलेज में गणतंत्र दिवस पर प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर के इंटर कॉलेज जौरा बाजार में गणतंत्र दिवस के अवसर पर विद्यालय के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

इस दौरान इंटरमीडिएट की अंकिता कुशवाहा और हाई स्कूल की पलक बरनवाल को सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नंदिनी उपाध्याय और जीशान को विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया। विद्यालय के प्रबंधक ब्रह्मर्षि

पंडित भोला प्रसाद त्रिपाठी ने बच्चों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां के बच्चे बेहद होनहार हैं। इनकी उपलब्धियां अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगी। वहीं विद्यालय प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष पारसनाथ सिंह ने कहा कि प्रतिभाशाली छात्रों को पुरस्कृत करने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है, और यह उनकी भविष्य की सफलता का आधार बनता है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्य रामू चौधरी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का संचालन शिक्षक अंशुमान चतुर्वेदी और शिवेंद्र पांडेय ने किया। विद्यालय प्रबंध समिति के वरिष्ठ सदस्य भगवती तिवारी, शिक्षकगण विजय प्रकाश उपाध्याय, धर्मेंद्र सिंह, विपिन बिहारी, रविशंकर सिंह, प्रधान लिपिक सुबोध पांडेय, सुनील दत्त तिवारी, कृपाशंकर चौबे, मथुरा तिवारी, अशोक तिवारी, सुरेश उपाध्याय, राम लखन पांडेय, बबलू पांडेय, जाहिद सिद्दीकी, ओमप्रकाश, त्रिलोकी, उमेश प्रसाद, राजेश सिंह कुशवाहा, शिवप्रकाश, राजेश उपाध्याय, राजेश तिवारी, सुमन द्विवेदी, सिम्पल उपाध्याय, अनुराधा सिंह, पौहारी सिंह, महेंद्र यादव, प्रभात, सिद्धार्थ श्रीवास्तव, काशी सिंह, दयानंद, मोतीचंद, उपेंद्र, कृष्णा यादव उपस्थित रहे।

महाकुंभ जा रही 2 ट्रेनों पर पथराव: कोच के गेट न खुलने से भड़के यात्री

प्रयागराज। महाकुंभ जा रही दो ट्रे[नों] में पथराव और तोड़फोड़ की ग[ई]। ट्रेन के अंदर पैर रखने की जग[ह] नहीं थी। ऐसे में यात्रियों ने अंदर [से] दरवाजे बंद कर लिए। वीरांग[ना] लक्ष्मीबाई झांसी-फतेहपुर पैसेंज[र] ट्रेन रात सोमवार रात हरपाल[पुर] स्टेशन पर रुकी, यात्री चढ़ने [के] लिए गेट को धक्का देने लगे। ज[ब] गेट नहीं खुला तो पथराव शुरू क[र] दिया। ऐसा ही वाकया अंबेडक[र] नगर-प्रयागराज एक्सप्रेस में [भी] हुआ। यह ट्रेन मध्य प्रदेश [के] छतरपुर रेलवे स्टेशन पर रुकी थ[ी]। फ्ढत्रऋ भीड़ को संभाल नहीं पाई [तो]

पुलिस को बुलाया। इसके बाद पुलिस ने भीड़ को शांत किया। पथराव में दोनों ट्रेनों की कई बोगियों के शीशे, दरवाजे और खिड़कियों को नुकसान पहुंचा है। झांसी स्टेशन से वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-फतेहपुर पैसेंजर ट्रेन सोमवार रात 7.41 मिनट पर रवाना हुई। करीब 9.53 बजे हरपालपुर स्टेशन पर पहुंची। यात्री ट्रेन में चढ़ने के लिए दौड़े।

संक्षिप्त डायरी

औसी थाना में सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के बिस्फी प्रखंड क्षेत्र के औसी थाना में सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक की गई, शांति समिति बैठक की गई अध्यक्षता थाना अध्यक्ष विकास कुमार ने किया इस अवसर पर सभी को शांति एवं भाईचारा बनाए रखने की अपील की हर एक दूसरे के त्यौहार में आपस में मिलजुल कर पूजा एवं त्यौहार को त्यौहार के तौर पर मनाया जाए आपस में हमेशा भाईचारा बना रहे. जिसमें स्थानीय मुखिया एवं अन्य जनप्रतिनिधि तथा पूजा करने वाले सभी सदस्य मौजूद थे

देश की एकता अखंडता बनाये रखने का लें संकल्प: अमिताभ राय, एआरटीओ इन्फोर्समैन्ट, एआरटीओ प्रशासन आर पी सिंह

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर उप संभागीय परिवहन कार्यालय में गणतंत्र दिवस के मौके पर एआरटीओ प्रशासन आरपी सिंह सहित एआरटीओ प्रवर्तन अमिताभ राय, यात्री प्रतिकर अधिकारी चंदन पाण्डेय ने महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण पुष्प अर्पित करने के पश्चात ध्वजारोहण किया गया`एआरटीओ प्रशासन ने आरपी सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि महापुरुषों के बलिदान से देश स्वतंत्र हुओ महापुरुषों के बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता है`एआरटीओ प्रवर्तन अमिताभ राय ने कहा कि महापुरुषों की कुबार्नी को स्वतंत्र भारत सदैव याद करता रहेगा। सभी अपने-अपने कर्तव्यों का निष्ठा पूर्वक पालन करने का संकल्प लें इस मौके पर उप संभागीय परिवहन कार्यालय के कर्मचारी सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे ।

जिलाधिकारी ने नो हेलमेट नो फ्यूल की पालिसी के तहत हैलमैट बाँटकर की शुरूआत

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में 76 वां गणतंत्र दिवस बहुत ही जोश खरोश के साथ मनाया गया। गणतंत्र दिवस के मौके पर सबसे पहले सुबह 8:30 बजे बेमिसाल जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने कलेक्ट्रेट में ध्वजारोहण किया, ध्वाजारोहण के साथ ही राष्ट्रगान समपन्न हुआ। इसके बाद स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को शॉल, नारियल, मिठाई भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर जिलाधिकारी ने भारतीय संविधान के रचयिता भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया। इस मौके पर बोलते हुये जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने कहा कि संविधान में बताये गये रास्ते पर चलकर सभी को आपस में मिलकर मुल्क को तरक्की की बुलंदियों पर पहुचाने का काम करना होगा। जिलाधिकारी ने कहा कि राष्ट्र की एकता और प्रगति में सभी के योगदान, भाईचारे की बहुत बड़ी जरूरत है। हम सभी को पूरी ईमानदारी के साथ संविधान में बताये गये आदर्शों, कर्तव्यों का पालन करना होगा। इस मौके पर जिलाधिकारी ने जनपद की उपलब्धियों के बारे में भी जानकारी दी। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक डॉ नागेंद्र नाथ यादव, अपर जिलाधिकारी वित्त, राजस्व विजय शंकर तिवारी, डिप्टी कलेक्टर खालिद अंजुम, राजेश चन्द्र सहित कलेक्ट्रेट के कर्मचारी मौजूद रहे। इसके बाद जिलाधिकारी ने नगर के गांधी पार्क पहुंचकर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शहीद स्मारक में श्रद्धा सुमन अर्पित कर शहीदों को नमन किया। इसके बाद 26 जनवरी से लागू नो हेलमेट नो फ्यूल पालिसी के तहत पूरे प्रदेश सहित हमीरपुर में अब बिना हेलमेट के पेट्रोल पंप से दोपहिया वाहन चालकों को पेट्रोल नहीं मिल सकेगा। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने रानी लक्ष्मीबाई पार्क से हेलमेट बाँटकर शुरूआत की। इसके साथ ही पुलिस परेड ग्राउंड पहुँच कर बतौर महमाने खुसूसी जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने ध्वजारोहण कार्यक्रम, राष्ट्रगान, सलामी, संकल्प स्मरण आदि कार्यक्रम संपन्न हुआ तत्पश्चात विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुऐजिला अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी के निर्देश पर एडीएम न्यायिक डॉ. नागेंद्र नाथ यादव व एडीएम वित्त एवं राजस्व विजय शंकर तिवारी एवं खालिद अंजुम उप जिलाधिकारी ने नवजात शिशुओ सहित उनकी माताओं को फल, मिठाई, बेबी किट का वितरण किया। साथ ही मरीजों को फल बांटे और उनका हालचाल पूछा साथ ही अस्पताल की सहूलियतों के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर सीएमओ, सीएमएस सहित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

ऐतिहासिक धरोहर, प्राकृतिक सौंदर्य और शांति का अनुभव कराता गंडिकोटा

गंडिकोटा, आंध्र प्रदेश के सबसे खूबसूरत और अद्भुत पर्यटन स्थलों में से एक है। इसे अक्सर दक्षिण का ग्रैंड कैन्यन कहा जाता है। यह स्थान अपनी शानदार चट्टानों, सुंदर घाटियों और ऐतिहासिक किलों के लिए प्रसिद्ध है। आइए जानते हैं गंडिकोटा के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

1. गंडिकोटा किला

गंडिकोटा का किला इस क्षेत्र का सबसे बड़ा आकर्षण है। इसे 16वीं शताब्दी में बनाया गया था और यह भव्यता और ऐतिहासिकता का प्रतीक है। किले की दीवारें, मीनारें और दरवाजे अद्भुत वास्तुकला का नमूना हैं। यहाँ से घाटी का दृश्य बेहद सुंदर है।

2. कावेरी नदी

गंडिकोटा के निकट कावेरी नदी बहती है, जो यहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य को और बढ़ाती है। नदी के किनारे बैठकर लोग शांति और सुकून का अनुभव करते हैं। यहाँ की जलधारा और लहरें पर्यटकों को आकर्षित करती हैं।

3. गंडिकोटा घाटी

गंडिकोटा घाटी अपने अद्भुत दृश्य और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ की चट्टानें और घाटियाँ फोटोग्राफी के लिए एक बेहतरीन स्थान हैं। सूर्यास्त का दृश्य यहाँ से देखने लायक होता है।

4. रानी दुर्गा देवी का मंदिर

यह प्राचीन मंदिर गंडिकोटा में स्थित है और देवी दुर्गा को समर्पित है। यहाँ पर आने वाले भक्तों की एक बड़ी संख्या होती है। मंदिर का वास्तुशिल्प और यहाँ का वातावरण श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है।

5. जैन मंदिर

गंडिकोटा में एक प्राचीन जैन मंदिर भी है, जो जैन धर्म के अनुयायियों के लिए महत्वपूर्ण है। यहाँ की शिल्पकला और जैन मूर्तियाँ अद्वितीय हैं।

यात्रा की जानकारी

गंडिकोटा की यात्रा के लिए निकटतम रेलवे स्टेशन जिद्दलूर है, जो लगभग 30 किलोमीटर दूर है। सड़क मार्ग से भी यहाँ पहुँचना आसान है। यह स्थान वर्ष भर में किसी भी समय यात्रा के लिए उपयुक्त है, लेकिन मानसून के बाद यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और भी बढ़ जाती है।

देखा जाये तो गंडिकोटा एक ऐसा स्थान है जहाँ आप ऐतिहासिक धरोहर, प्राकृतिक सौंदर्य और शांति का अनुभव कर सकते हैं। यहाँ की चट्टानें, घाटियाँ और किला एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करते हैं। यदि आप प्रकृति प्रेमी हैं या इतिहास के प्रति रुचि रखते हैं, तो गंडिकोटा आपके लिए एक आदर्श गंतव्य है। यहाँ की यात्रा निश्चित रूप से आपके मन में अद्भुत यादें छोड़ जाएगी।

ऐतिहासिक धरोहर और प्राकृतिक सौंदर्य का संगम है ओरछा

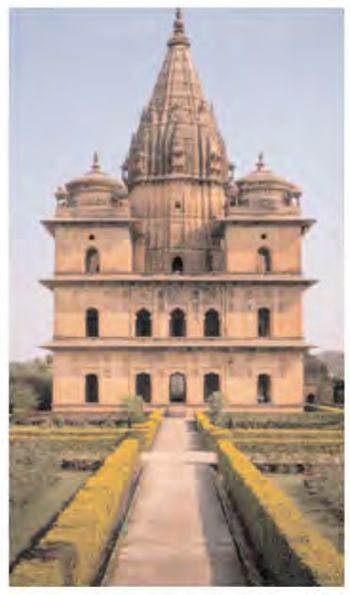

ओरछा का इतिहास 16वीं शताबदी से जुड़ा हुआ है, जब यह बुंदेलखंड क्षेत्र के बुंदेला राजवंश के राजा वीर सिंह देव द्वारा स्थापित किया गया था। राजा वीर सिंह देव ने यहां किलों, महलों, और मंदिरों का निर्माण कराया, जो आज भी इस स्थल की ऐतिहासिक धरोहर के रूप में खड़े हैं।

भारत के मध्यप्रदेश राज्य में स्थित ओरछा, एक ऐतिहासिक नगर है जो अपनी प्राचीन किलों, महलों, मंदिरों और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। यह स्थान भारतीय इतिहास और संस्कृति का अद्वितीय उदाहरण पेश करता है। ओरछा न केवल अपने ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यह एक शांतिपूर्ण पर्यटन स्थल भी है, जो प्रकृति प्रेमियों और इतिहास के शौकिनों के लिए आदर्श स्थल है।

ओरछा का इतिहास

ओरछा का इतिहास 16वीं शताबदी से जुड़ा हुआ है, जब यह बुंदेलखंड क्षेत्र के बुंदेला राजवंश के राजा वीर सिंह देव द्वारा स्थापित किया गया था। राजा वीर सिंह देव ने यहां किलों, महलों, और मंदिरों का निर्माण कराया, जो आज भी इस स्थल की ऐतिहासिक धरोहर के रूप में खड़े हैं। ओरछा, पहले बुंदेलों की राजधानी हुआ करता था और इसने कई ऐतिहासिक घटनाओं और सांस्कृतिक परिवर्तनों का साक्षी बनने का कार्य किया।

ओरछा के प्रमुख आकर्षण

ओरछा किला

यह किला ओरछा का प्रमुख आकर्षण है, जो नदियों और जंगलों से घिरा हुआ है। किले का निर्माण राजा वीर सिंह देव ने 16वीं शताबदी में करवाया था। किले के भीतर राजमहल, छतरियां और मंदिर स्थित हैं। किले से ही ओरछा शहर का सुंदर दृश्य देखा जा सकता है।

छतरियां

ओरछा के किले के पास स्थित छतरियां बुंदेला राजाओं की समाधियाँ हैं। ये स्मारक नदी के किनारे बने हुए हैं और इनका वास्तुकला बहुत ही आकर्षक है। छतरियों के वास्तुशिल्प और उनके परिसर का दृश्य बहुत ही भव्य और शांतिपूर्ण होता है।

रामराजा मंदिर

रामराजा मंदिर ओरछा का एक प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है। यह मंदिर भगवान राम को समर्पित है और यहाँ भगवान राम की एक अनोखी प्रतिमा स्थापित है, जो अन्य राम मंदिरों से भिन्न है। यहाँ प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा अर्चना के लिए आते हैं।

जंगली महल

यह महल ओरछा किले के भीतर स्थित है और इसका निर्माण राजा वीर सिंह देव ने अपनी पत्नी के लिए करवाया था। जंगली महल की वास्तुकला, जिसमें मुग़ल और बुंदेला शैली का मिश्रण देखने को मिलता है, पर्यटकों को आकर्षित करती है।

लक्ष्मी मंदिर

यह मंदिर देवी लक्ष्मी को समर्पित है और अपनी भव्यता और सुंदर वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर के भीतर की मूर्तियाँ और चित्रण बहुत ही शानदार हैं।

चतुर्भुज मंदिर

यह मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है और अपनी भव्य वास्तुकला और ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। यह मंदिर ओरछा के प्रमुख धार्मिक स्थल के रूप में माना जाता है।

ओरछा की प्राकृतिक सुंदरता

ओरछा न केवल ऐतिहासिक स्थल है, बल्कि यह प्रकृति प्रेमियों के लिए भी आदर्श स्थल है। यहाँ की शांतिपूर्ण नदियाँ, घने जंगल, और हरे-भरे मैदान एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करते हैं। ओरछा में बेतवा नदी के किनारे की सुंदरता पर्यटकों को बहुत आकर्षित करती है। बेतवा नदी में बोटिंग करने का अनुभव भी एक अलग ही रोमांचक होता है।

इसके अलावा, ओरछा का मौसम भी काफी मनमोहक होता है, जो यहाँ आने वाले पर्यटकों को सुकून और शांति का अनुभव कराता है। सर्दी और गर्मी दोनों ही मौसमों में यहाँ की यात्रा की जा सकती है, लेकिन सर्दी का मौसम (नवंबर से फरवरी) यहाँ यात्रा के लिए सबसे आदर्श समय माना जाता है।

ओरछा का सांस्कृतिक महत्व

ओरछा का सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व बहुत अधिक है। यहाँ के मंदिरों और महलों में बुंदेला संस्कृति और वास्तुकला की छाप स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। ओरछा में विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन होते रहते हैं, जो यहाँ के लोक जीवन को दर्शाते हैं। यहाँ के मेलों और त्योहारों में शामिल होकर आप ओरछा की संस्कृति का अनुभव कर सकते हैं।

ओरछा कैसे पहुंचे?

वायु मार्ग- ओरछा का नजदीकी हवाई अड्डा झाँसी है, जो लगभग 15 किलोमीटर दूर है। यहाँ से टैक्सी या बस द्वारा आसानी से ओरछा पहुँचा जा सकता है।

रेल मार्ग- झाँसी रेलवे स्टेशन, ओरछा का नजदीकी रेलवे स्टेशन है और यह भारत के प्रमुख शहरों से जुड़ा हुआ है। यहाँ से आप टैक्सी या बस द्वारा ओरछा पहुँच सकते हैं।

सड़क मार्ग- ओरछा प्रमुख शहरों से सड़क मार्ग द्वारा अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। झाँसी, ग्वालियर और कानपुर जैसे शहरों से यहां के लिए नियमित बस सेवाएँ उपलब्ध हैं।

ओरछा एक ऐसा स्थल है जहाँ आप भारतीय इतिहास, संस्कृति और वास्तुकला का अद्भुत मिश्रण देख सकते हैं। यहाँ का शांत वातावरण, ऐतिहासिक किले, मंदिर और महल पर्यटकों के लिए एक आदर्श गंतव्य बनाते हैं। अगर आप भारतीय इतिहास और संस्कृति में रुचि रखते हैं, तो ओरछा की यात्रा आपके लिए एक यादगार अनुभव साबित होगी।

साल 2025 में जरूर एक्सप्लोर करें ये बेहतरीन जगह, नए एक्सपीरियंस का मिलेगा मौका

दुनियाभर में घूमने-फिरने में दिलचस्पी रखने वाले लोग हमेशा कहीं न कहीं की ट्रिप प्लान कर लेते हैं। फेमस पर्यटन स्थल हर किसी के पसंदीदा होते हैं। इन जगहों पर कभी पर्यटकों की कमी नहीं होती है। सालों से इन जगहों पर पर्यटन को बढ़ावा मिला है। इस लिस्ट में विदेशी पर्यटक स्थल और देश के पर्यटक स्थल दोनों शामिल हैं। बता दें कि जो लोग शानदार प्राकृतिक नजारों को देखना चाहते हैं, उनके लिए भारत पर्यटन स्थलों से समृद्ध देश है। यहां पर समुद्री तटों के विकल्प और ऊंची बर्फीली पहाड़ियां हैं। हरे-भरे मैदानी क्षेत्र तो सफेद रेतीले मैदान भी हैं। आप जंगल सफारी से लेकर ऊंट सफारी और क्रूज से लेकर फैरी तक के सफर का आनंद उठा सकते हैं।

बता दें कि साल 2024 में पर्यटन को काफी बढ़ावा मिला है। साल 2024 में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद करोड़ों की संख्या में सैलानी अयोध्या पहुंचे। तो दूसरी ओर पीएम मोदी के आह्वान पर अंडमान-निकोबार द्वीप समूह और लक्षदीप पर पर्यटकों की काफी संख्या बढ़ी। वहीं अब साल 2025 में भी कई पर्यटन स्थल लोकप्रिय हो सकते हैं। ऐसे में अगर आप भी नए साल 2025 में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आज इस आर्टिकल के जरिए देश के पांच फेमस पर्यटन स्थलों के बारे में बताने जा रहे हैं।

आलाप्पुझा, केरल - अगर आप भी केरल की प्राकृतिक सुंदरता को निहारना चाहते हैं, तो अलाप्पुझा जा सकते हैं। यहां पर आपको पारंपरिक हाउसबोट का अच्छा अनुभव मिलेगा। एलेप्पी के नाम से जाना जाने वाली यह जगह सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। यहां पर आप नवंबर से फरवरी के बीच घूमने आ सकते हैं। इस दौरान आप अलाप्पुझा बीच वेम्बनाड झील, मारारी बीच, कुमारकोम पक्षी अभयारण्य और पुन्नमदा झील के प्राकृतिक परिवेश का अनुभव करें। यहां पर रेवी करुणाकरण मेमोरियल म्यूजियम, सेंट मैरी चर्च और अलाप्पुझा लाइट हाउस का लुत्फ उठाएं।

जैसलमेर -जैसलमेर थार रेगिस्तान में बसा है, यह राजधानी की संस्कृति के साथ हमेशा बदलते टीलों और परंपराओं का अनुभव कराने के लिए एक परफेक्ट जगह है। प्राचीन बलुआ पत्थर की वास्तुकला, कभी न खत्म होने वाला रेगिस्तान और तेज धूप ने जैसलमेर को गोल्डन सिटी का खिताब दिया है। आप नवंबर से फरवरी के बीच इस खूबसूरत शहर को एक्सप्लोर कर सकते हैं। यहां पर आप वुड फॉसिल पार्क, कुलधरा गांव, व्यास छतरी, जैसलमेर युद्ध संग्रहालय, जैसलमेर किला, कोठारी की पटवों की हवेली, गड़ीसर झील, नाथमल जी की हवेली और थार रेगिस्तान को घूम ने जा सकते हैं।

गिर नेशनल पार्क -गुजरात में गिर राष्ट्रीय वन के नाम से फेमस यह पार्क भारत में मैजेस्टिक एशियाई शेरों को देखने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है। यह पार्क जूनागढ़, अमरेली और गिर सोमनाथ जिलों में फैला हुआ है। यह काठियावाड़-गुर शुष्क वन का हिस्सा है। नवंबर से मार्च तक का समय इस जगह को घूमने के लिए सबसे बेहतर है। यहां आप जंगल सफारी के जरिए 674 शेर, 300 तेंदुए और 425 पक्षियों की प्रजातियों में से कोई एक देख सकते हैं।

गोवा - समृद्ध पुर्तगाली संस्कृति, जीवंत नाइटलाइफ़ और शानदार समुद्र तट की वजह से गोवा साल भर घूमने के लायक है। साल 2025 में भी गोवा भारत में घूमने के लिहाज से सबसे अच्छी जगहों में से एक है। वैसे तो गोवा घूमने का सबसे अच्छा समय नवंबर से फरवरी का है। इस दौरान आप कलंगुट, अरम्बोल, अगोंडा, पणजी, कैंडोलिम, बागा, वागाटोर, कोल्वा, पालोलेम और वर्का की खोज करें। समुद्र तट पर मौज-मस्ती के अलावा कयाकिंग, सर्फिंग या स्कूबा डाइविंग भी कर सकते हैं।

भारत और इंडोनेशिया दस साल में बढ़ा सकते हैं चार गुना व्यापार

दोनों सांस्कृतिक, व्यापार व निवेश संबंधों को गहरा करने में हैं मददगार

नई दिल्ली।

भारत और इंडोनेशिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार करीब 30 अरब अमेरिकी डॉलर का है और यह एक दशक में चार गुना और बढ़ सकता है। यह दावा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्रमुख अनिंद्य बाकरी ने किया। उन्होंने कहा कि भारत और इंडोनेशिया प्रभावी तरीके से विश्व की सेवा करेंगे। विनिर्माण व बुनियादी ढांचा क्षेत्र पर केंद्रित कंपनी बाकरी एंड ब्रदर्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ने कहा कि दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक सांस्कृतिक संबंध, व्यापार व निवेश संबंधों को गहरा करने में मददगार हैं।

इंडोनेशिया, दुनिया में सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाला देश है। बाकरी व्यापार संबंधों पर चर्चा करने के लिए पीएम मोदी से मिलने वाले इंडोनेशियाई राष्ट्रपति के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। उन्होंने कहा कि यह संबंध अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर है। व्यापार और निवेश के मामले में 30 अरब अमेरिकी डॉलर का मौजूदा व्यापार अब भी बहुत कम है। अगर सही तरीके से प्रबंधन किया जाए तो यह 10 साल में चार गुना हो सकता है।

बाकरी ने कहा कि ज्यादा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि हम विश्व की सेवा के लिए एक साथ कैसे काम कर सकते हैं, चाहे विनिर्माण, प्रौद्योगिकी, औषधि, शिक्षा या ऊर्जा बदलावज्कोई भी क्षेत्र हो। भारत और इंडोनेशिया के इस साल व्यापार और निवेश पर कार्य समूह की दूसरी बैठक और व्यापार में लंबित शुल्क व गैर-शुल्क बाधाओं के समाधान के लिए व्यापार मंत्रियों के चौथे द्विवार्षिक मंच की बैठक आयोजित करने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि इंडोनेशिया और भारत एक साथ मिलकर बहुत अच्छी तरह से आगे बढ़

सकते हैं और सांस्कृतिक इतिहास निश्चित रूप से इसमें मदद करता है। बाकरी ने कहा कि रक्षा एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर हमारे राष्ट्रपति ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें भारत उत्कृष्ट है। साथ ही हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत और इंडोनेशिया दोनों की रणनीतिक स्थिति को देखते हुए मुझे आश्चर्य नहीं है कि इससे नौकरियां उत्पन्न हो सकती हैं और व्यापार में ज्यादा संतुलन हो सकता है।

बैंकों और एनबीएफसी के दंडात्मक शुल्क लगाने पर नहीं लगेगा जीएसटी

नई दिल्ली।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड ने कहा है कि बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के दंडात्मक शुल्क लगाने पर जीएसटी लागू नहीं होगा। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने एक परिपत्र के जरिये यह भी साफ किया कि ऑनलाइन मंच पर भुगतान एग्रिगेटर्स की मदद से दो हजार रुपए तक के लेनदेन पर जीएसटी नहीं लगाया जाएगा। बैंकों और एनबीएफसी के दंडात्मक शुल्क लगाने पर जीएसटी लागू होने के मुद्दे को स्पष्ट करते हुए सीबीआईसी ने कहा कि आरबीआई जिन संस्थाओं को विनियमित करता है, उनके दंडात्मक शुल्क अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन करने पर लगाए जाते हैं और इसलिए उन पर जीएसटी लागू नहीं होगा।

सीबीआईसी ने कहा कि 55वीं जीएसटी परिषद की सिफारिश के मुताबिक यह स्पष्ट किया जाता है कि कर्जदार के लोन कॉन्ट्रैक्ट की भौतिक शर्तों का अनुपालन न करने पर विनियमित संस्थाओं द्वारा लगाए गए दंडात्मक शुल्क पर कोई जीएसटी देय नहीं है। एमआरजी एंड एसोसिएट्स के वरिष्ठ भागीदार रजत मोहन ने कहा कि यह स्पष्टीकरण अहम है, क्योंकि इससे व्याख्या संबंधी विवादों का निपटारा होगा। इससे पहले आरबीआई ने बैंकिंग सिस्टम में नकदी बढ़ाने के लिए तीन किस्तों में 60,000 करोड़ रुपए की सरकारी प्रतिभूतियां खरीदने और कई अन्य कदमों की घोषणा की थी।

निवेश रणनीतिकार डॉ वीके विजयकुमार ने कहा कि बैंकिंग प्रणाली में करीब 1.5 ट्रिलियन रुपए की तरलता बढ़ाने के उपायों की आरबीआई की घोषणा बैंक और बाजार दोनों के लिए पॉजिटिव है। इसके साथ ही फरवरी की पॉलिसी बैठक में एमपीसी द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना है। ऐसी स्थिति में बैंकों को लाभ मिल सकता है।

बजट में केंद्र सरकार रुपए को मजबूत करने वाले उपायों की कर सकती है घोषणा

रुपया 86 प्रति डॉलर के स्तर से नीचे गिरकर 87 के करीब पहुंच गया

नई दिल्ली।

आगामी बजट में सरकार रुपए को मजबूत करने वाले उपायों की घोषणा कर सकती है। अर्थशास्त्रियों और ऋण कोष प्रबंधकों को उम्मीद है कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकिंग प्रणाली में लिक्विडिटी बढ़ाए जाने के लिए उठाए गए कदमों के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी बजट में कुछ ऐसी घोषणाएं करेंगी, जो गिरते रुपए को संभालने में मदद करेंगी।

कुछ महीनों में वैश्विक स्तर पर डॉलर मजबूत हुआ है, लेकिन इसके बावजूद रुपया अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं–जैसे ब्राजील, कोरिया और तुर्की की मुद्राओं–की तुलना में स्थिर रहा है। हाल ही में रुपया 86 प्रति डॉलर के स्तर से नीचे गिरकर 87 के करीब पहुंच गया था, लेकिन अब इसमें सुधार देखा जा रहा है। मंगलवार को यह 86.52 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

अर्थशास्त्रियों का कहना है कि सरकार निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कुछ प्रोत्साहन उपायों की घोषणा कर सकती है। इससे रुपए को अल्पकालिक समर्थन मिलेगा और दीर्घकालिक रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था को लाभ मिलेगा। इसके अलावा सरकार विदेशी जमा को आकर्षित करने के लिए बैंकों को ज्यादा ब्याज दर देने की अनुमति देने जैसे उपायों पर विचार कर सकती है। 2013 की तरह बड़े पैमाने पर एनआरआई जमा जुटाने की योजना की संभावना बेहद कम है। भारत की मुद्रा प्रबंधन नीति का लक्ष्य रुपए को किसी निश्चित स्तर पर बनाए रखना नहीं रहा है, बल्कि इसकी व्यवस्थित गति सुनिश्चित करना रहा है।

इस नीति के तहत ब्याज दरों के अंतर को संतुलित करने के लिए मौद्रिक नीति का इस्तेमाल किया जाता है साथ ही मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप भी रुपए को स्थिर बनाए रखने का एक प्रमुख साधन है। हाल के दिनों में आरबीआई ने मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप से परहेज किया है ताकि घरेलू विकास और मुद्रास्फीति को ध्यान में रखते हुए धन बाजार में तरलता की कमी न हो।

इसके अलावा केंद्रीय बैंक मौद्रिक नीति में ढील की सुगम ट्रांसमिशन सुनिश्चित करने के लिए रुपए की तरलता भी बढ़ा रहा है।

हीरो एक्स प्लस 210 की बुकिंग अगले महीने से शुरू होगी

नई दिल्ली ।

दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकार्प की नई बाइक हीरो एक्स प्लस 210 बाइक की बुकिंग अगले महीने से शुरू होगी और डिलीवरी मार्च 2025 से शुरू होने की उम्मीद है। इस बाइक को भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में लॉन्च किया है। यह बाइक दो वेरिएंट्स - बेस और टॉप - में उपलब्ध है। बेस वेरिएंट की कीमत 1,75,800 रुपये और टॉप वेरिएंट की कीमत 1,85,800 रुपये है। हीरो एक्स प्लस210 में 210सीसी का सिंगल-सिलिंडर, लिक्विड-कूल्ड, 4-वॉल्व इंजन दिया गया है, जो 24.6 बीएचपी की पावर और 20.7 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसे एक छह-स्पीड गियरबॉक्स से जोड़ा गया है, जो बाइक को शानदार प्रदर्शन और बेहतर कंट्रोल प्रदान करता है। इस बाइक में एक आकर्षक गोल आकार का एलईडी हेडलाइट, पारदर्शी विजर के साथ एलईडी टर्न इंडिकेटर्स, ट्यूबलर हैंडलबार और सिंगल-पीस सीट जैसे डिजाइन फीचर्स शामिल हैं। हीरो एक्स प्लस 210 ऑफ-रोडिंग और दैनिक उपयोग दोनों के लिए एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती है। बाइक में पूरा एलईडी इल्लुमिनेशन सिस्टम, 4.2-इंच टीएफटी कंसोल और स्मार्टफोन कनेक्टिविटी जैसी आधुनिक सुविधाएं भी प्रदान की गई हैं। कंसोल

में स्पीडोमीटर, ओडोमीटर, टैकोमीटर, गियर पोजीशन इंडिकेटर और अन्य महत्वपूर्ण रीडआउट्स शामिल हैं, जो इसे एक स्मार्ट और प्रैक्टिकल बाइक बनाते हैं।

इस शनिवार को बंद नहीं होगा शेयर बाजार, पूरे दिन होगी ट्रेडिंग

1 फरवरी को वित्त मंत्री संसद में पेश करेंगी आम बजट

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार शनिवार 1 फरवरी को खुले रहेंगे इसकी वजह यह है कि इस दिन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संसद में आम बजट 2025 पेश करेंगी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने घोषणा की है कि बजट के चलते इस दिन पूरे समय ट्रेडिंग की जाएगी। एक्सचेंजों के मुताबिक इसे स्पेशल ट्रेडिंग डे के रूप में मनाया जाएगा। यह पहला मौका नहीं है जब बजट के चलते शेयर बाजार को शनिवार को खोला जा रहा है। इससे पहले 1 फरवरी 2020 और 28 फरवरी 2015 को भी बजट के चलते शेयर बाजार शनिवार के दिन खोला गया था। शनिवार 1 फरवरी को बाकी दिनों की तरह ही शेयर बाजार सामान्य समय से खुलेगा। इक्विटी मार्केट सुबह 9:15 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक खुले रहेंगे, जबकि कमोडिटी डेरिवेटिव्स बाजार में ट्रेडिंग का समय शाम 5 बजे तक रहेगा। हालांकि सेटलमेंट हॉलिडे के कारण टी-0 सेशन बंद रहेगा। ट्रेडिंग सेशन से जुड़ी डिटेल्स इस तरह है। इक्विटी मार्केट सुबह 9:15 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक, कमोडिटी डेरिवेटिव्स मार्केट: शाम 5 बजे तक, टी-0 सेशन बंद रहेगा (सेटलमेंट हॉलिडे के कारण)। ब्लॉक डील (सेशन-1) सुबह 8:45 से 9:00 बजे तक, स्पेशल प्री-ओपन सेशन 9:00 से 9:45 बजे तक, कॉल ऑक्शन इलिक्विड सेशन: सुबह 9:30 से दोपहर 3:30 बजे तक, ब्लॉक डील (सेशन-2): दोपहर 2:05 से 2:20 बजे तक, पोस्ट क्लोजिंग सेशन: 3:40 से 4 बजे तक

ट्रेड मॉडिफिकेशन कट-ऑफ टाइम: 4:15 बजे तक रहेगा।

रुपया 86.56 पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 86.56 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया 85.39 पर खुला। वहीं मंगलवार को भी रुपया 86.56 पर बंद हुआ था। गत दिवस रुपया शुरुआती कारोबार में 26 पैसे कमजोर होकर 86.57 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी तथा विदेशी बा र में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती से रुपये पर दबाव जारी है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 8 .53 पर खुला और फिर फिसलकर 86.57 प्रति डॉलर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 26 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुप सोमवार को नौ पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86 31 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरि की डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.49 फीसदी क बढ़त के साथ 107.86 पर रहा।

भारत के डिजिटल पेमेंट्स यूपीआई की हिस्सेदारी 2024 में 83 फीसदी हुई

आरबीआई ने कहा- यूपीआई डिजिटल पेमेंट को आगे बढ़ाने में निभा रहा अहम भूमिका

नई दिल्ली।

भारत के डिजिटल पेमेंट्स सिस्टम में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) की हिस्सेदारी 2024 में बढ़कर 83 फीसदी हो गई है, जो कि 2019 में 34 फीसदी थी। यूपीआई 74 फीसदी के चक्रवृद्धि औसत वृद्धि दर से बढ़ा है। यह जानकारी आरबीआई द्वारा एक रिपोर्ट में दी गई। आरबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि समीक्षा अवधि में अन्य पेमेंट सिस्टम्स जैसे आरटीजीएस, एनईएफटी, आईएमपीएस, क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड की हिस्सेदारी 66 फीसदी से गिरकर 17 फीसदी रह गई है। रिपोर्ट में बताया गया कि यूपीआई देश के डिजिटल पेमेंट सिस्टम को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहा है। इसकी वजह यूपीआई का इस्तेमाल में आसान है। व्यापक स्तर पर यूपीआई लेनदेन की वॉल्यूम बढ़कर 2024 में 17,221 करोड़ हो गई, जो 2018 में 375 करोड़ थी। इस दौरान कुल लेनदेन की वैल्यू 5.86 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 246.83 लाख करोड़ रुपए हो गई है। रिपोर्ट में बताया गया कि यूपीआई की वॉल्यूम और वैल्यू बीते पांच सालों में 89.3 फीसदी और 86.5 फीसदी के सीएजीआर से बढ़ी है। पी2पी (पर्सन-टू-पर्सन) और पी2एम (पर्सन-टू-मर्चेंट) दोनों ही लेनदेन यूपीआई की सुरक्षित और रियल टाइम भुगतान क्षमताओं का लाभ उठाते हैं, जिससे व्यक्तियों और व्यवसायों के लिए पारंपरिक और समय लेने वाले तरीकों पर निर्भर हुए बिना वित्तीय लेनदेन करना आसान होता है।

इस बार बजट में बीमा पॉलिसी पर कम जीएसटी व ज्यादा टैक्स में मिल सकती है छूट

नई दिल्ली।

एक फरवरी को पेश होने वाले आम बजट से लोगों को राहत की उम्मीद है। इस बीच बीमा कंपनियों ने सरकार से इंश्योरेंस पॉलिसी प्रीमियम पर कम जीएसटी और हाई टैक्स रिबेट देने की अपील की है। मीडिया रिपोर्ट में ऐसी खबर चल रही है कि वित्त मंत्री सीतारमण बजट में सीएनजी पर इम्पोर्ट ड्यूटी घटाकर लोगों को सस्ती सीएनजी का तोहफा दे सकती हैं। इसके अलावा एनपीएस में टैक्स छूट में भी बढोतरी की उम्मीद है। इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव, किसान क्रेडिट कार्ड ऋण सीमा में बढोतरी और पर्यटन और आतिथ्य सेक्टर को बढ़ावा देने वाले उपायों की घोषणा भी हो सकती है। ऑयल एंड गैस सेक्टर को बजट में राहत मिल सकती है। सीएनजी पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी में कटौती का ऐलान वित्त मंत्री कर सकती हैं। सरकार फिलहाल सीएनजी पर 14.4 फीसदी एक्साइज ड्यूटी लगाती है। इससे सीएनजी 9.5 रुपए प्रति किलोग्राम महंगी होती है। इंडस्ट्री विशेषज्ञों का मानना है कि इस ड्यूटी को कम कर इस सेक्टर से चीपर एडमिनिस्टर्ड प्राइसिंग मेकेनिज्म की वापसी के असर को दुरुस्त किया जा सकता है। पब्लिक सेक्टर ऑयल मार्केटिंग कंपनियां को सब्सिडी वाली एलपीजी गैस पर काफी अंडर-रिकवरी का सामना करना पड़ रहा है। इससे निपटने के लिए सरकार सब्सिडी के तौर पर 35 हजार करोड़ रुपए आवंटित कर सकती है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली (खरीदारी) हावी रहने से आया है। वहीं गत दिवस भी बाजार बढ़त पर बंद हुआ था। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 631.55 अंक करीब 0.83 फीसदी बढ़कर 76,532.96 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 205.85 अंक तकरीबन 0.90 फीसदी की बढ़त के साथ 23,163.10 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान निफ्टी50 के 50 में से 42 शेयर तेजी के साथ बंद हुए। श्रीराम फाइनेंस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा मोटर्स, एसबीआई लाइफ और ट्रेंट के शेयर ऊपर आये और इसमें 3.98 फीसदी तक की बढ़त रही। वहीं भारती एयरटेल, आईटीसी होटल्स, मारुति सुजुकी इंडिया, ब्रिटानिया और एशियन पेंट्स के शेयर नुकसान के साथ बंद हुए, जिनमें 3.53 फीसदी तक की गिरावट रही।

जोमेटो का शेयर करीब 7 फीसदी ऊपर आया। इसके अलावा टाटा मोटर्स, इंफोसिस, अल्ट्राटेक सिमेंट, टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा और बजाज फाइनेंस के शेयर भी उछले। वहीं

निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 3.32 फीसदी बढ़त पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी मिडकैप 100 में 2.31 फीसदी की बढ़त रही।

वहीं दूनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में सियोल और टोक्यो बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि शंघाईऔर हांग-कांग के शेयर बाजार छुट्टी के कारण बंद रहे। यूरोपीय बाजारों में भी अधिकतर सूचकांक हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। गत दिवस अमेरिकी बाजार भी तेजी के साथ बंद हुए। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 4,920.69 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। भारतीय बाजार की तेजी कारण आगामी केंद्रीय बजट को लेकर है। निवेशकों को बजट में उपभोग को बढ़ावा देने और रोज गार पैदा करने के लिए उठाए जाने वाले सं ावित कदम की उम्मीद है। इसी से स्मॉल अ र मिड-कैप शेयरों में राहत भरी तेजी देखने को मिली, जबकि प्रमुख इंडेक्स वैल्यूएशन 5 साल के औसत पर कारोबार कर रहे हैं। इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। तीसरे कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अ छे संकेतों के साथ ही खरीददारी से बाजार उ पर आया है। सुबह सेंसेक्स 236.83 अंक कर ब 0.31 फीसदी ऊपर आकर तेजी के साथ ही 76,138.24 पर खुला। वहीं 50 शेयरों वा ला एनएसई निफ्टी भी 69.50 अंक तकरीबन 0.3 फीसदी के उछाल के साथ ही 23,026 75 पर खुला।

घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने की कीमतें बढ़ी हैं जबकि चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। सोने का वायदा भाव बढ़त के साथ ही 80,413 रुपये के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। वहीं चांदी के वायदा भाव भी बढ़त के साथ खुले पर समय के साथ ही इसमें नरमी आने लगी। आज सोने के वायदा भाव बढ़कर 80,352 रुपये जबकि चांदी के वायदा भाव 91,032 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने में तेजी रही जबकि चांदी में शुरुआत उछाल के बाद नरमी आने लगी। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएस) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी अनुबंध आज 36 रुपये बढ़कर साथ 80,325 रुपये के भाव पर खुला। एक समय यह अनुबंध 63 रुपये की तेजी के साथ 80,352 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 80,413 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 80,325 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। सोने के वायदा भाव आज 80,413 रुपये के भाव पर शीर्ष स्तर पर पहुंच गया। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च अनुबंध आज 1 रुपये की तेजी के साथ 91,052 रुपये पर खुला। हालांकि खबर लिखे जाने के समय यह अनुबंध 49 रुपये की गिरावट के साथ 91,002 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय ये 91,154 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 90,905 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। पिछले साल चांदी के वायदा भाव 1,00081 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल किया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेजी के साथ हुई। लेकिन चांदी के वायदा भाव बाद में कमजोर पड़ गए। कामेक्स पर सोना 2,771.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,767.50 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 3.80 डॉलर की तेजी के साथ 2,771.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 30.94 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला क्लोजिंग प्राइस 30.88 डॉलर था।

भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर को लेकर पूरी तरह से आशावादी हैं कारोबारी जगत

फिक्की द्वारा जारी किए गए सर्वे में सामने आई जानकारी

मुंबई ।

भारतीय कॉरपोरेट कंपनियां अर्थव्यवस्था की विकास दर को लेकर पूरी तरह से आशावादी हैं और मोदी सरकार से उम्मीद हैं कि आम बजट 2025-26 में पूंजीगत व्यय सरकारी नीतियों के केंद्र में रहेगा। यह जानकारी बिजनेस चैम्बर फिक्की द्वारा जारी किए गए सर्वे में दी गई। फिक्की के प्री-बजट सर्वे में कहा गया कि केंद्रीय बजट से पहले 64 प्रतिशत कंपनियां भारत की विकास दर को लेकर आशावादी हैं। सर्वे में शामिल करीब 60 प्रतिशत कंपनियों का मानना है कि वित्त वर्ष 2025-26 में जीडीपी की विकास दर 6.5 से 6.9 प्रतिशत के बीच रह सकती है।यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2023-24 की उच्च विकास दर 8 प्रतिशत से काफी कम है। इसकी वजह बाहरी कारकों के कारण लगातार प्रतिकूल परिस्थितियों का बनाना है। सर्वे में 68 प्रतिशत कंपनियों ने विकास की गति को बनाए रखने के लिए पूंजीगत व्यय को जरूरी बताया। सर्वे में शामिल हुई आधे से अधिक कंपनियों का मानना है कि व्यापार में आसानी बढ़ाने के लिए सुधारों पर अधिक जोर दिया जाना चाहिए और उत्पाद बढ़ाने के लिए जरूरी जैसे भूमि अधिग्रहण, श्रम नियम और बिजली आपूर्ति जैसे क्षेत्रों में सुधारों को बेहतर करना चाहिए।

सर्वे में बताया गया कि जैसा कि पिछले साल के केंद्रीय बजट ने अगली पीढ़ी के सुधारों पर एक रोड मैप का संकेत दिया था। इंडस्ट्री के सदस्य इस पर आगे के मार्गदर्शन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। सर्वे में करीब 47 प्रतिशत भागीदारों को उम्मीद है कि सरकार वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 4.9 प्रतिशत के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को पूरा कर लेगी और अन्य 24 प्रतिशत ने बताया कि सरकार सुधार कर सकती है और चालू वर्ष के लिए कम राजकोषीय घाटा रिपोर्ट कर सकती है। इंडस्ट्री की ओर से मांग को लेकर चिंता जाहिर की गई।

साथ ही कहा कि डायरेक्ट टैक्स स्ट्रक्चर का सरकार को रिव्यू करना चाहिए। अगर इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव किया जाता है, तब लोगों के हाथ में ज्यादा पैसा बचेगा और इससे खपत बढ़ाने में मदद मिलेगी।

एमजीएल ने किया निराश, निवेशकों के लिए किया 12 रुपए डिविडेंड का ऐलान

इस डिविडेंड के लिए कंपनी ने रिकॉर्ड तारीख 3 फरवरी 2025 की तय

मुंबई। महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने तीसरी तिमाही के नतीजों में निराश किया, ले किन निवेशकों को खुश करने के लिए तोहफा भी दिया है। कंप नी का शुद्ध मुनाफा 28.9 फीसदी गिरकर 225.4 करोड़ हो ग या। पिछले साल की इसी तिमाही में यह 317.18 करोड़ रुप था। महानगर गैस ने हर शेयर पर 12 का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। इस डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट 3 फरव री 2025 तय की गई है जिन निवेशकों के पास इस तारीख तक कंपनी के शेयर होंगे, उन्हें इसका लाभ मिलेगा। कंपनी ने कहा है कि डिविडेंड अगले 30 दिनों में बांट दिया जाएगा। नतीजे बाजार बंद होने के बाद आए, लेकिन इससे पहले ही महा गर गैस के शेयर चमकने लगे। मंगलवार को कंपनी का शेयर बीएसई पर 1,277.80 पर बंद हुआ, जो 19.05 या 1.51 फीसदी की बढ़त है। कंपनी बोर्ड की अहम मीटिंग 28 जनवरी को शुरू हुई और 4:30 बजे खत्म हुई थी। इसमें नतीजों और डिविडेंड से जुड़े फैसले लिए गए हैं।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट से मिल सकती हैं कई सौगातें

प्रहलाद सबनानी

वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में रोजगार के अधिक से अधिक अवसर निर्मित करने वाले उद्योगों को भी कुछ राहत प्रदान की जा सकती है क्योंकि आज देश में रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित करने की महती आवश्यकता है। विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग को विशेष सुविधाएं प्रदान की जा सकती हैं।

वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली छमाही (अप्रेल-सितम्बर 2024) में भारत की आर्थिक विकास दर कुछ कमजोर रही है। प्रथम तिमाही (अप्रेल-जून 2024) में तो सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर गिरकर 5.2 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गई थी। इसी प्रकार द्वितीय तिमाही (जुलाई-सितम्बर 2024) में भी सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 5.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। इससे वित्तीय वर्ष 2024-25 में यह वृद्धि दर घटकर 6.6 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है, जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत की रही थी। वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम छमाही में आर्थिक विकास दर के कम होने के कारणों में मुख्य रूप से देश में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनाव है और आचार संहिता के लागू होने के चलते केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्चों एवं अन्य खर्चों में भारी भरकम कमी दृष्टिगोचर हुई है। साथ ही, देश में मानसून की स्थिति भी ठीक नहीं रही है।

केंद्र सरकार ने हालांकि मुद्रा स्फीति पर अंकुश लगाने में सफलता तो अर्जित कर ली है परंतु उच्च स्तर पर बनी रही मुद्रा स्फीति के कारण कुल मिलाकर आम नागरिकों, विशेष रूप से मध्यमवर्गीय परिवारों, की खर्च करने की क्षमता पर विपरीत प्रभात जरूर पड़ा है और कुछ मध्यमवर्गीय परिवारों के गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे परिवारों की श्रेणी में जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है। किसी भी देश में मध्यमवर्गीय परिवारों की जितनी अधिक संख्या रहती है, उस देश की आर्थिक विकास दर ऊंचे स्तर पर बनी रहती है क्योंकि मध्यमवर्गीय परिवार ही विभिन्न प्रकार के उत्पादों (दोपहिया वाहन, चारपहिया वाहन, फ्रिज, एयर कंडीशनर जैसे उत्पादों एवं नए फ्लेट्स एवं भवनों आदि) को खरीदने पर अपनी आय के अधिकतम भाग का उपयोग करता है। इससे आर्थिक चक्र में तीव्रता आती है और इन उत्पादों की बाजार में मांग के बढ़ने के चलते इनके उत्पादन को विभिन्न कम्पनियों द्वारा बढ़ाया जाता है, इससे इन कम्पनियों की आय एवं लाभप्रदता में वृद्धि होती है एवं देश में रोजगार के नए अवसर निर्मित होते हैं।

भारत में पिछले कुछ समय से मध्यमवर्गीय परिवारों की व्यय करने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है अतः दिनांक 1 फरवरी 2025 को केंद्र सरकार की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन से अब यह अपेक्षा की जा रही है कि वे वित्तीय वर्ष 2025-26 के केंद्र सरकार के बजट में मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए विशेष रूप से आय कर में छूट की घोषणा करेंगी। देश के कई अर्थशास्त्रियों का तो यह भी कहना है कि न केवल आय कर में बल्कि कारपोरेट कर में भी कमी की घोषणा की जानी चाहिए। इनफोसिस के संस्थापक सदस्यों में शामिल श्री मोहनदास पई का तो कहना है कि 15 लाख से अधिक की आय पर लागू 30 प्रतिशत की आय कर की दर को अब 18 लाख से अधिक की आय पर लागू करना चाहिए। आय कर मुक्त आय की सीमा को वर्तमान में लागू 7.75 लाख रुपए की राशि से बढ़ाकर 10 लाख रुपए कर देना चाहिए। आयकर की धारा 80सी के अंतर्गत किए जाने निवेश की सीमा को भी 1.50 लाख रुपए की राशि से बढ़ाकर 2 लाख रुपए कर देना चाहिए। मकान निर्माण हेतु लिए गए ऋण पर अदा किए जाने वाले ब्याज पर प्रदान की जाने वाली आयकर छूट की सीमा को 2 लाख रुपए से बढ़ाकर 3 लाख रुपए किया जाना चाहिए।

फरवरी 2025 माह में ही भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मोनेटरी पोलिसी की घोषणा भी होने जा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक से अब यह अपेक्षा की जा रही है कि वे रेपो दर में कम से कम 25 अथवा 50 आधार बिंदुओं की कमी तो अवश्य करेंगे। क्योंकि, पिछले लगातार लगभग 24 माह तक रेपो दर में कोई भी परिवर्तन नहीं करने के चलते मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा मकान निर्माण एवं चार पहिया वाहन आदि खरीदने हेतु बैकों से लिए गए ऋण की किश्त की राशि का बोझ बहुत अधिक बढ़ गया है। बैकों से लिए गए इस प्रकार के ऋणों एवं माइक्रो फाइनैन्स की किश्तों की अदायगी में चूक की घटनाएं भी बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। अब मुद्रा स्फीति की दर खाद्य पदार्थों (फलों एवं सब्जियों आदि) के कुछ महंगे होने के चलते ही उच्च स्तर पर आ जाती है जबकि कोर मुद्रा स्फीति की दर तो अब नियंत्रण में आ चुकी है। खाद्य पदार्थों की मंहगाई को ब्याज दरों को उच्च स्तर पर बनाए रखकर कम नहीं किया जा सकता है। अतः भारतीय रिजर्व बैंक को अब इस ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनाव के चलते देश में पूंजीगत खर्चों में कमी दिखाई दी है। इसीलिए अब लगातार यह मांग की जा रही है कि देश में वन नेशन वन इलेक्शन कानून को शीघ्र ही लागू किया जाना चाहिए क्योंकि बार बार देश में चुनाव होने से केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा आचार संहिता के लागू होने के चलते अपने बजटीय खर्चों को रोक दिया जाता है जिससे देश का आर्थिक विकास प्रभावित होता है। अतः वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए लोक सभा में पेश किए जाने वाले बजट में पूंजीगत खर्चों को बढ़ाने पर गम्भीरता दिखाई जाएगी। हालांकि वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट में 7.50 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किया गया था, वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में 10 लाख करोड़ रुपए एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में 11.11 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किया गया था। अब वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कम से कम 15 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किये जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इससे देश में धीमी पड़ रही आर्थिक गतिविधियों को तेज करने में सहायता मिलेगी और रोजगार के करोड़ों नए अवसर भी निर्मित होंगे, जिसकी वर्तमान समय में देश को अत्यधिक आवश्यकता भी है।

विभिन्न राज्यों द्वारा चलायी जा रही फ्रीबीज की योजनाओं पर भी अब अंकुश लगाए जाने के प्रयास किए जाने चाहिए। इन योजनाओं से देश के आर्थिक विकास को लाभ कम और नुक्सान अधिक होता है। केरल, पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं दिल्ली की स्थिति हम सबके सामने है। इस प्रकार की योजनाओं को चलाने के कारण इन राज्यों के बजटीय घाटे की स्थिति दयनीय स्थिति में पहुंच गई है। पंजाब तो किसी समय पर देश के सबसे सम्पन्न राज्यों में शामिल हुआ करता था परंतु आज पंजाब में बजटीय घाटा भयावह स्थिति में पहुंच गया है। जिससे ये राज्य आज पूंजीगत खर्चों पर अधिक राशि व्यय नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि इन राज्यों की न तो आय बढ़ रही है और न ही बजटीय घाटे पर नियंत्रण स्थापित हो पा रहा है।

पिछले कुछ समय से भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी कम हो रहा है। यह सितम्बर 2020 तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद का 4.3 प्रतिशत था जो अब गिरकर सकल घरेलू उत्पाद का 0.8 प्रतिशत के स्तर तक नीचे आ गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में इस विषय पर भी गम्भीरता से विचार किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2019 के बजट में कोरपोरेट कर की दरों में कमी की घोषणा की गई थी, जिसका बहुत अच्छा प्रभाव विदेशी प्रत्यक्ष निवेश पर पड़ा था और सितम्बर 2020 में तो यह बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद का 4.3 प्रतिशत तक पहुंच गया था। अब एक बार पुनः इस बजट में कोरपोरेट कर में कमी करने पर भी विचार किया जा सकता है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में रोजगार के अधिक से अधिक अवसर निर्मित करने वाले उद्योगों को भी कुछ राहत प्रदान की जा सकती है क्योंकि आज देश में रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित करने की महती आवश्यकता है। विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग को विशेष सुविधाएं प्रदान की जा सकती हैं। हां, साथ में तकनीकी आधारित उद्योगों को भी बढ़ावा देना होगा क्योंकि वैश्विक स्तर पर भी हमारे उद्योगों को हमें प्रतिस्पर्धी बनाना है। ग्रामीण इलाकों में आज भी भारत की लगभग 60 प्रतिशत आबादी निवास करती है अतः कृषि क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र में कुटीर एवं लघु उद्योगों पर अधिक ध्यान इस बजट के माध्यम से दिया जाएगा, ताकि रोजगार के अवसर ग्रामीण इलाकों में ही निर्मित हों और नागरिकों के शहर की ओर हो रहे पलायन को रोका जा सके।

संपादकीय

हंगामा कितना सही

वक्फ कानून में संशोधन को लेकर बनाई गई संयुक्त संसदीय समिति की आखिरी बैठक में जबरदस्त हंगामा हुआ। दस विपक्षी सदस्यों को निर्लंबित करने के बाद बैठक सुचारू रूप से चली। भाजपा नेतृत्व वाले एनड़ीए के चौदह प्रस्ताव पारित कर दिए, जबकि विपक्ष के तरफ रखे सभी 44 प्रस्ताव खारिज कर दिया गया। वक्फ बोर्ड.से प्रस्तावित दो गैर-मुस्लिम सदस्यों को हटाने के सुझाव प्रमुख थे, जिन्हें नामित करने को अनिवार्य बनाने का प्रस्ताव है। वक्फ संपत्ति पर विवाद होने पर कलेक्टर स्तर का अधिकारी जांच करेगा। यह कानून पिछले मामलों पर लागू नहीं होगा। जो वक्फ की संपत्तियां पंजीकृत नहीं हैं, उनका पंजीकरण शुरू होगा। जिन संपत्तियों पर वक्फ का कब्जा है, वे वापस मालिकों को मिल सकेंगी। आरोप लगाया जा रहा है कि ये प्रस्तावित कानून विधेयक के दमनकारी चरित्र को बरकरार रखेगा और मुसलमानों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करने प्रयास करेगा। विपक्ष इसका विरोध कर रहा है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को चोट पहुंचाने का आरोप लगा रहा है। वे संसद से मंजूरी मिलने पर सुप्रीम कोर्ट जाने की धमकी दे रहे हैं। जैसा कि भाजपा कांग्रेस के वोट बैंक की राजनीति में सुराख करने व गरीब मुसलमानों को उनका हक दिलाने के नाम पर इसे कानून बनाने की मशक्कत लंबे समय से कर रही है। तमाम विरोधों के बावजूद कुछ लोग कब्रिस्तान में होने वाले अतिक्रमणों व जबरन की जा रही अनधिकृत कब्जेदारी से निजात पाने के लिए इस निर्णय से खुश भी हैं। वक्फ संपत्तियों के प्रशासन व प्रबंधन के उद्देश्य से संशोधन विधेयक 2024 को लेकर अभी भी बड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं। अनुमान है कि 2009 में वक्फ के पास चार लाख एकड़.जमीन थी, जो आठ लाख एकड़.तक जा पहुंची है। इनमें कब्रगाहों के अतिरिक्त मदरसों व मस्जिदों की जमीनें बताई जाती हैं। हालांकि धारा 104ए पहले ही वक्फ संपत्ति की बिक्री, उपहार, किसी भी तरह के बंधन या हस्तांतरण को प्रतिबंधित करता है। मगर वक्फ को दिए गए अधिकारों को लेकर लगातार सवाल उठाए जाते रहे हैं। चूंकि मोदी सरकार समुदाय विशेष के साथ पक्षपाती रवैया रखती है इसलिए उसके द्वारा लिए गए कोई भी निर्णय संदेह से परे नहीं माने जाते। विपक्ष को अपनी बात सलीके से रखनी चाहिए परंतु उसकी अनसुनी किया जाना तर्कसंगत नहीं कहा जा सकता। समिति को एकतरफा निर्णय लेने की बजाए मध्यमार्ग अपनाने के प्रति जबावदेह होना चाहिए।

चिंतन-मनन

जीना और मरना

जिस भांति हम जीते हैं, उसे जीवन नाममात्र को ही कहा जा सकता है। हमे न जीवन का पता है; न जीवन के रहस्य का द्वार खुलता है। न जीवन के आनंद की वप्रा होती है; न हम यह जान पाते हैं कि हम क्यों जी रहे हैं, किसलिए जी रहे हैं? हमारा होना करीब-करीब न होने के बराबर होता है। किसी भांति अस्तित्व ढो लेते हैं, जीवित रहते हुए मुर्दे की भांति। लेकिन ऐसा भी होता है कि मरते क्षण में भी कोई जीवंत होता है कि उसकी मृत्यु को भी हम मृत्यु नहीं कहते। बुद्ध की मृत्यु को हम मृत्यु नहीं कह सकते हैं और अपने जीवन को हम जीवन नहीं कह पाते हैं। कृष्ण की मृत्यु को मृत्यु कहना भूल होगी। उनकी मृत्यु को हम मुक्ति कहते हैं। उनकी मृत्यु को हम जीवन से और महाजीवन में प्रवेश कहते हैं। उनकी मृत्यु के क्षण में कौन-सी प्रांति घटित होती है, जो हमारे जीवन के क्षण में भी घटित नहीं हो पाती। किस मार्ग से वे मरते हैं कि परम जीवन को पाते हैं। और किस मार्ग से हम जीते हैं कि जीवत रहते हुए भी हमें जीवन की कोई सुगंध का भी पता नहीं पड़ता है। जिसे हम शरीर कहें, वह हमारे लिए कब्र से ज्यादा नहीं है, एक चलती-फिरती कब्र। और यह लंबा विस्तार जन्म से लेकर मृत्यु तक, बस आहिस्ता-आहिस्ता मरते जाने का ही काम करता है। ऐसे रोज-रोज और मौत के करीब पहुंचते हैं। हमारी सारी यात्रा मरघट पर पूरी हो जाती है। जीने का सब कुछ निर्भर है जीने के ढंग पर और मरने का भी सब कुछ निर्भर है मरने के ढंग पर। हमें जीने का ढंग भी नहीं आता। बुद्ध जैसे व्यक्ति को मरने का ढंग भी आता है। कृष्ण ने कहा है, ।हे अजरुन, जिस काल में शरीर त्यागकर गए योगीजन, पीछे न आने वाली गति और पीछे आने वाली गति को भी प्राप्त होते हैं, उस काल को, उस मार्ग को मैं तुमसे कहूंगा। इसमें दो-तीन बातें समझ लेनी चाहिए। जिस काल में, जिस क्षण में। बड़ा मूल्य है क्षण का, बड़ा मूल्य है काल का। उस क्षण का जिसमें कोई व्यक्ति मृत्यु को उपलब्ध होता है।

महाकुंभ में भगदड़ : कुप्रबंधन या वीआईपी संस्कृति का दुष्प्रभाव?

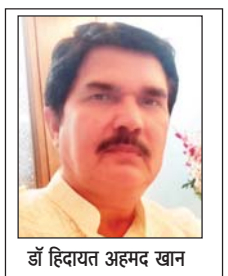

डॉ हिदायत अहमद खान

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज महाकुंभ में मंगलवार और बुधवार की मध्यरात्रि को हुई भगदड़ की घटना वास्तव में बेहद ही दुःखद और हृदयविदारक है। महाकुंभ जैसे विशाल आयोजन जहां करोड़ों श्रद्धालु आते हैं वहां भीड़ प्रबंधन सबसे बड़ी चुनौती होती है। एक छोटी सी असावधानी या किसी गलती के कारण इस तरह की भगदड़ से कई निर्दोष श्रद्धालुओं की जान चली जाती है, जबकि अनेक लोग घायल हो इलाज के लिए अस्पताल का रुख करते हैं। प्रयागराज महाकुंभ में हुई दुःखद घटना को लेकर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित देश के तमाम बड़े नेताओं ने संवेदना व्यक्त की है। यह तो ठीक है, लेकिन सवाल यही है कि ऐसी घटनाएं बार-बार क्यों होती हैं? कभी कोई अफवाह भगदड़ क कारण बनती है तो कभी अचानक कोई छोटी घटन बड़ी भगदड़ का कारण बन जाती है। फिलहाल प्रयागराज महाकुंभ में श्रद्धालुओं की बड़ती संख्य और उस पर वीआईपी मूवमेंट पर ज्यादा ध्यान देन भगदड़ का कारण बताया जा रहा है। यह सच है कि भीड़ भरे इलाकों में जब-जब वीआईपी मूवमेंट के प्राथमिकता दी जाती है, तब-तब आम श्रद्धालुओं क सुरक्षा में कमी आ ही जाती है। ऐसे में भीड़ नियंत्रण के लिए बेहतर उपाय किए जाने की अक्सर सलाह द जाती है, लेकिन एक चूक और आमजन की जान-जोखिम में पड़ जाती है, जैसा कि महाकुंभ के दौरान देखने में आया है। अतः ऐसी स्थिति में भीड़ नियंत्रण के साथ ही वीआईपी कल्चर वाले प्रबंधन पर भ विचार करने की आवश्यकता आन पड़ी है। प्रयागराज महाकुंभ में हुई भगदड़ की घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस हादसे में कई श्रद्धालुओं की जान चली गई और अनेक लोग घायल हो गए हैं, घायलों का उपचार प्रथम प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। ऐसे में जहां सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेताओं ने घटना को लेकर गहरी संवेदनाएं और दुख जताया है वहीं हर बार की तरह, इस बार भी प्रशासन की तैयारियों को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। विपक्ष ने तो विशेष रूप से, भीड़ प्रबंधन और वीआईपी मूवमेंट को लेकर गहरी चिंताएं जताई हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए भीड़ नियंत्रण को लेकर सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि आम श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा से अधिक प्रशासन का ध्यान वीआईपी मूवमेंट पर रहता है, जिससे अव्यवस्था फैलती है। यहां राहुल गांधी ने बहुत सही कहा है कि वीआईपी संस्कृति पर रोक लगाकर बेहतर प्रबंधन किया जा सकता है। उन्होंने सरकार से यह सुनिश्चित करने की मांग भी की है कि आगे ऐसी घटनाएं न हों और आम श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए। बात बहुत ही गंभीर है, लेकिन सवाल यही है कि क्या वीआईपी मूवमेंट को दरकिनार कर आमजन को सुविधाएं मुहैया कराए जाने पर कार्य किया जा सकता है? इसके लिए आमजन की जिम्मेदारी तय करना मुश्किल बात है, लेकिन सरकार चाहे तो वीआईपी कल्चर पर रोक लगाते हुए खुद अपने स्तर पर जनसुविधाओं को बेहतर करने का काम कर सकती हैं। वीआईपी सुरक्षा के नाम पर जिस तरह से आमजन की भीड़ को नियंत्रित करने की परंपरा है, उसे बदलना फिलहाल किसी के बूते की बात नहीं है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि वीआईपी सदा से ही अपराध जगत के निशाने पर रहते आए हैं। ऐसे में अपराधी भीड़ का सहारा लेकर वीआईपी पर हमले करते रहे हैं और देश ने ऐसे ही हमलों में अपने हरदिल अजीज अनेक नेताओं को खोया भी है। इसलिए वीआईपी कल्चर बदलने से पहले देश में अपराध और अपराधियों को रोकने का माकूल इंतजाम करना होगा।

गांधी निर्वाण दिवसः अब बनने लगा है गांधी के सपनों का भारत

ललित गर्ग

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के निर्वाण दिवस जब हम नये भारत-सशक्त भारत को विकसित होते हुए देखते है तो प्रतीत होता है कि यह गांधी के ही सपनों का भारत बन रहा है। कांग्रेस की पूर्व सरकारों ने गांधी की केवल मूर्तियां स्थापित की, लेकिन भाजपा सरकार अपनी नीतियों में गांधी दर्शन को लागू कर रही है। गांधी के अहिंसा दर्शन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी न केवल देश में बल्कि दुनिया में स्थापित कर रहे हैं। गांधी की अहिंसा ने भारत को गौरवान्वित किया है, भारत ही नहीं, दुनियाभर में अब उनकी जयन्ती को बड़े पैमाने पर अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। महात्मा गांधी महानायक के रूप में ही नहीं, देवनायक के रूप में लोकतंत्र के मजबूत आधार एवं संकटमोचक है। संसद से लेकर सड़क तक, कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक और व्यक्ति से लेकर विचार बनने तक जीवन के हर नीति में, हर दृष्टिकोण में, हर मोड़ पर गांधी की व्याप्ति है। भारत का स्वतंत्रता संग्राम हो या फिर नये भारत की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिस्थितियां हमारी हर सोच में, हर क्रियाएं में, हर नीति में गांधी का होना यह दर्शा रहा है कि आज गांधी पूर्व सरकारों की तुलना में ज्यादा जीवंत बने हैं।

महात्मा गांधी के विचार एवं दर्शन पर ही मोदी सरकार की योजनाएं एवं नीतियां आगे बढ़ रही है। इस बात का खुलासा स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करते हुए कहा है कि उनके सबका साथ, सबका विकास के विचार की प्रेरणा 1980 के दशक की है। मोदी ने अपने हाथ से लिखे एक नोट्स में इस विचार के बारे में काफी पहले ही लिख दिया था। मोदी द्वारा लिखे गए नोट्स से पता चलता है कि महात्मा गांधी के आदर्शों ने उनके जीवन पर गहरा प्रभाव छोड़ा है, जो केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं में भी स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ता है। जिसमें युवा मोदी ने महात्म गांधी के विचारों उद्धरत करके लिखा था, मैं सबसे बड़ी संख्या की सबसे बड़ी भलाई के सिद्धांत मे विश्वास नहीं करता। यह 51 प्रतिशत की अच्छाई के लिए 49 प्रतिशत की भलाई का त्याग करना है। यह सिद्धांत एक क्रूर सिद्धांत है। इसके माध्यम से मानवत को काफी नुकसान हुआ है। मानवता के लिए एक मात्र सिद्धांत है कि सभी के लिए भलाई के काम मे विश्वास करना।ह्व मोदी सरकार सभी की भलाई के लिये काम करते हुए गांधी दर्शन को ही आगे बढ़ा रहे है।

मोदी का स्वच्छता मिशन गांधी की स्वच्छता सोच के ही आगे बढ़ाने का उपक्रम है। राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) भी गांधी के नाम पर चल रही योजना है। भारतीय मुद्रा से लेकर शासन-प्रशासन के हर कार्यस्थल पर गांधी है। हम गांधी के संवाद और सहिष्णुता के सिद्धान्तों को अपनाते हुए युद्ध, आतंकवाद और हिंसा को निस्तेज बना रहे हैं दलित-आदिवासियों को न्याय और सम्मानपूर्ण जीवन प्रदत्त कर रहे हैं तो भारतीय संस्कृति एवं सांस्कृतिक पुनरुत्थान में जुटे हैं। भारत माता, गौ माता और गंग माता के सांस्कृतिक एवं धार्मिक चिन्तन को आगे बढ़ाते हुए गांधी की मूल अवधारणा को ही आगे बढ़ते हुए देख रहे हैं। आज गांव, गरीब और स्वराज में गांधी की ही सोच आगे बढ़ रही है कि आज भारत में लोकतंत्र की चाल, चेहरा और चरित्र बदला ज रहा है तथा आस्थाओं की राजनीति को बल देते हुए जाति-धर्म का उन्माद नियंत्रित किया जा रहा है महात्मा गांधी, आंबेडकर और दीनदयाल उपाध्याय आज इसलिए भारत निर्माण की नई व्याख्याओं मे सबसे आगे हैं। वसुधैव कुटुम्बकम एवं सर्वधर्म सद्भाव का विचार आज सर्वाधिक बलशाली बन कर दुनिया के लिये आदर्श बन गया है।

मानव ने ज्ञान-विज्ञान में आश्चर्यजनक प्रगति की है परन्तु अपने और औरों के जीवन के प्रति सम्मान मे कमी आई है। विचार-क्रान्तियां बहुत हुईं, किन्तु आचार-स्तर पर क्रान्तिकारी परिवर्तन कम हुए शान्ति, अहिंसा और मानवाधिकारों की बातें संसार मे बहुत हो रही हैं, किन्तु सम्यक्-आचरण का अभाव अखरता है। गांधीजी ने इन स्थितियों को गहराई से समझा और अहिंसा को अपने जीवन का मूल सूत्र बनाया। यदि अहिंसा, शांति और समता की व्यापक प्रतिष्ठा नहीं होगी तो भौतिक सुख-साधनों का विस्तार होने पर भी मानव शांति की नींद नहीं सो सकेगा। महात्मा गांधी के सच्चे उत्तराधिकारी के रूप में नरेन्द्र मोदी हमारे सामने हैं, उनके प्रभावी एवं चमत्कारी नेतृत्व में हम अब वास्तविक आजादी का स्वाद चखने लगे हैं, आतंकवाद, जातिवाद, क्षेत्रीयवाद, अलगाववाद की कालिमा धूल गयी है, धर्म, भाषा, वर्ग, वर्ण और दलीय स्वार्थों के राजनीतिक विवादों पर भी नियंत्रण हो रहा है। इन नवनिर्माण के पदचिन्हों को स्थापित करते हुए हम गांधी को जीवंत बनाये हुए है, यही कारण है कि कभी हम स्कूलों में शोचालय की बात सुनते है तो कभी गांधी जयन्ती के अवसर पर स्वयं झाड़ू लेकर स्वच्छता अभियान का शुभारंभ करते हुए मोदी को देखते हैं। मोदी कभी विदेश की धरती पर हिन्दी में भाषण देकर राष्ट्रभाषा को गौरवान्वित करते है तो कभी ह्लमेक इन इंडियाह्व का शंखनाद कर देश को न केवल शक्तिशाली बल्कि आत्म-निर्भर बनाने की ओर अग्रसर करते हैं। नई खोजों, दक्षता, कौशल विकास, बौद्धिक संपदा की रक्षा, रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन, श्रेष्ठ का निर्माण-ये और ऐसे अनेकों गांधी के सपनों को आकार देकर सचमुच लोकतंत्र एवं राष्ट्रीयता को सुदीर्घ काल के बाद सार्थक अर्थ दिये जा रहे हैं।

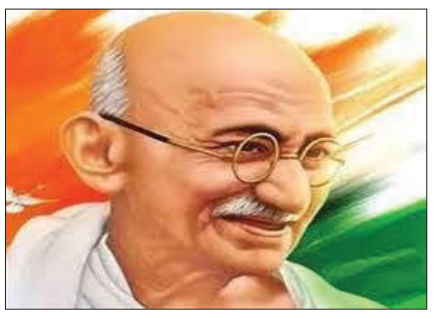

हम देशवासियों के लिये अपूर्व प्रसन्नता की बात है कि गांधी की प्रासंगिकता चमत्कारिक ढंग से बढ़ रही है। देश एवं दुनिया उन्हें नए सिरे से खोज रही है। उनको खोजने का अर्थ है अपनी समस्याओं के समाधान खोजना, युद्ध, हिंसा एवं आतंकवाद की बढ़ती समस्या का समाधान खोजना। शायद इसीलिये कई विश्वविद्यालयों में उनके विचारों को पढ़ाया जा रहा है, उन पर शोध हो रहे हैं। आज भी भारत के लोग गांधी के पदचिन्हों पर चलते हुए अहिंसा, शांति, सह-जीवन, स्वदेशी का समर्थन करते हैं। गांधीजी आज संसार के सबसे लोकप्रिय भारतीय बन गये हैं, जिन्हें कोई हैरत से देख रहा है तो कोई कौतुक से। इन स्थितियों के बावजूद उनका विरोध भी जारी है। उनके व्यक्तित्व के कई अनजान और अंधेरे पहलुओं को उजागर करते हुए उन्हें पतित साबित करने के भी लगातार प्रयास होते रहे हैं, लेकिन वे हर बार ज्यादा निखर कर सामने आए हैं, उनके सिद्धान्तों की चमक और भी बढ़ी है। वैसे यह लम्बे शोध का विषय है कि आज जब हिंसा और शस्त्र की ताकत बढ़ रही है, बड़ी शक्तियां हिंसा को तीक्ष्ण बनाने पर तुली हुई हैं, उस समय अहिंसा की ताकत को भी स्वीकारा जा रहा है। यह बात भी थोड़ी अजीब सी लगती है कि पूंजी केन्द्रित विकास के इस तूफान में एक ऐसा शख्स हमें क्यों महत्वपूर्ण लगता है जो आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था की वकालत करता रहा, जो छोटी पूंजी या लघु उत्पादन प्रणाली की बात करता रहा। सवाल यह भी उठता है कि मनुष्यता के पतन की बड़ी-बड़ी दास्तानों के बीच आदमी के हृदय परिवर्तन के प्रति विश्वास का क्या मतलब है? जब हथियार ही व्यवस्थाओं के नियामक बन गये हों तब अहिंसा की आवाज कितना असर डाल पाएगी? एक वैकल्पिक व्यवस्था और जीवन की तलाश में सक्रिय लोगों को गांधीवाद से ज्यादा मदद मिल रही है।

आज जबकि समूची दुनिया में संघर्ष की स्थितियां बनी हुई हैं, हर कोई विकास की दौड़ में स्वयं को शामिल करने के लिये लड़ने की मुद्रा में है, कहीं सम्प्रदाय के नाम पर तो कहीं जातीयता के नाम पर, कहीं अधिकारों के नाम पर तो कहीं भाषा के नाम पर संघर्ष हो रहे हैं, ऐसे जटिल दौर में भी संघर्षरत लोगों के लिये गांधी का सत्याग्रह ही सबसे माकूल हथियार नजर आ रहा है। पर्यावरणवादी हों या अपने विस्थापन के विरुद्ध लड़ रहे लोग, सबको गांधीजी से ही रोशनी मिल रही है। गांधी की अहिंसा से सहयोग, सहकार, सहकारिता, समता और समन्वय जैसे उत्तम व उपयोगी मानवीय मूल्य जीवन्त हो रहे हैं। समस्त समस्याओं का समाधान भी एक ही है, वह है-अहिंसा। अहिंसा व्यक्ति में ह्यवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व की विराट भावना का संचार करती है। मनुष्य जाति युद्ध, हिंसा और आतंकवाद के भयंकर दुष्परिणाम भोग चुकी है, भोग रही है और किसी भी तरह के खतरे का भय हमेशा बना हुआ है। मनुष्य, मनुष्यता और दुनिया को बचाने के लिए गांधी से बढ़कर कोई उपाय-आश्रय नहीं हो सकता।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार' मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

एवेंजर्स – एंडगेम निर्देशक के साथ दोबारा जुड़े रणदीप हुड्डा

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा एक बार फिर हॉलीवुड फिल्म में नजर आने वाले हैं। अभिनेता दोबारा एप्पल ओरिजिनल फिल्म्स की आगामी एक्शन थ्रिलर मैचबॉक्स में निर्देशक सैम हार्ग्रेव के साथ काम करने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में जॉन सीना भी हैं। इससे पहले उन्होंने निर्देशक के साथ साल 2020 में नेटफ्लिक्स एक्सट्रैक्शन में काम किया था। रिपोर्ट के मुताबिक लाइव-एक्शन फिल्म, जो मैटल की लोकप्रिय मैचबॉक्स टॉय व्हीकल लाइन से प्रेरित है में हॉलीवुड सितारे टेयोना पैरिस, जेसिका बील और सैम रिचर्डसन भी होंगे। मौजूदा समय में फिल्म का प्रोडक्शन बुडापेस्ट में चल रहा है। फिल्म का निर्देशन एवेंजर्स एंडगेम और एक्सट्रैक्शन 2 के निर्देशक हार्ग्रेव कर रहे हैं।

क्या है फिल्म की कहानी?

यह फिल्म मशहूर मैचबॉक्स कार लाइन पर आधारित है, जिसकी शुरुआत 1953 में हुई थी जब जैक ओडेल ने अपनी बेटी के लिए माचिस की डिब्बी में फिट होने लायक एक खिलौना बनाया था। मैटल ने रिपोर्ट की है कि दुनिया भर में हर सेकंड दो मैचबॉक्स कारें बिकती हैं।

हार्ग्रेव के साथ काम करने को उत्साहित हैं हुड्डा

वैरायटी के मुताबिक रणदीप हुड्डा ने हार्ग्रेव के साथ फिर से काम करने को लेकर अपना उत्साह जताया है। अभिनेता ने कहा, सैम के साथ फिर से काम करने को लेकर उत्साहित हूं। 'एक्सट्रैक्शन' में काम करते हुए हमने एक अच्छा समय साथ में बिताया। सैम हाई-ऑक्टेन स्टोरीटेलिंग और एक्शन के मास्टर हैं। बुडापेस्ट में टीम में शामिल होने पर खुशी है।

रणदीप हुड्डा का वर्क फंट

रणदीप हुड्डा के वर्क फंट की बात करें तो उनके पास कई रोमांचक प्रोजेक्ट हैं। उन्होंने हाल ही में स्वातंत्र्य वीर सावरकर का निर्देशन और अभिनय किया। उनके आगामी कार्यों में सनी देओल अभिनीत और गोपीचंद मलिनेनी द्वारा निर्देशित जाट है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वह विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित अर्जुन उस्तरा से भी जुड़े हुए हैं।

12वीं फेल के बाद अब कॉमेडी करती दिखेंगी मेधा शंकर

निम्रत-सनी भी साथ आएंगे नजर

सनी कौशल, निम्रत कौर और मेधा शंकर जल्द ही एक साथ एक फिल्म में नजर आने वाले हैं। बताया जा रहा है कि यह जासूसी कॉमेडी फिल्म होगी। यह पहला मौका होगा जब तीनों कलाकार एक साथ स्क्रीन साझा करेंगे। हाल ही में रोमांटिक थ्रिलर फिर आई हसीन दिलरुबा में अपनी अदाकारी से दर्शकों का ध्यान खींचने वाले सनी कौशल राजस्थान में अपनी इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर चुके हैं।

कौन बना रहा फिल्म?

हालांकि इस फिल्म के बारे में सनी कौशल की तरफ से कोई जानकारी नहीं दी गई है। निर्माताओं की ओर से अब तक फिल्म को लेकर कोई भी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इसे लक्ष्मण उतेकर और टी-सीरीज मिलकर बना रहे हैं।

फिर आई हसीन दिलरुबा से सनी ने खूब लूटी वाहवाही

साल 2024 में सनी ने फिर आई हसीन दिलरुबा में एक दिलचस्प भूमिका अदा की थी। फिल्म में उनके किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। नेटफ्लिक्स की इस फिल्म में वह तापसी पन्नू और विक्रांत मैसी के साथ नजर आए थे। फिल्म में तापसी और विक्रम ने रानी कश्यप और ऋषभ के किरदारों को फिर से निभाया था।

इस फिल्म में दिखी थीं निम्रत कौर

निम्रत कौर की बात करें तो उन्हें हाल ही में सजनी शिंदे का वायरल वीडियो में देखा गया था। अब वह जल्द ही अपनी आगामी फिल्म सेक्शन 84 में नजर आएंगी, जिसमें वह अमिताभ बच्चन और डायना पेंटी के साथ स्क्रीन साझा करेंगी।

इसके अलावा निम्रत कौर जल्द ही स्काई फोर्स में नजर आ रही हैं। फिल्म में वह अक्षय कुमार के साथ आठ साल के बाद पर्दे पर नजर आ रही हैं।वीर पहाड़िया इस फिल्म से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने जा रहे हैं।

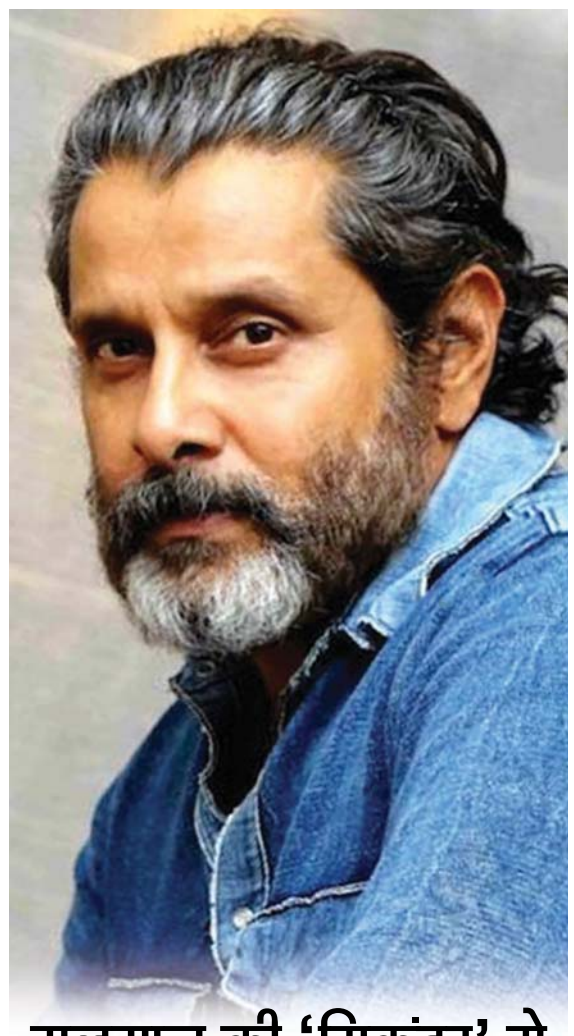

सलमान की 'सिकंदर' से टकराएगी चियान विक्रम की वीरा धीरा सूरन

साउथ अभिनेता चियान विक्रम की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वीरा धीरा सूरन' की रिलीज डेट से पर्दा उठ चुका है। बुधवार को निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा की। दिसंबर 2024 में फिल्म का टीजर जारी किया गया था। टीजर ने अभिनेता के फैंस की धड़कनों को तेज कर दिया था और उनकी उत्सुकता को भी बढ़ाया था।

इस दिन रिलीज होगी 'वीरा धीरा सूरन'

चियान विक्रम की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'वीरा धीरा सूरन' 27 मार्च, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का सामना बॉक्स ऑफिस पर सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' से होगा। इसके अलावा साउथ की 'लूसिफर 2', 'रॉबिनहुड' और 'मैड 2' भी सिनेमाघरों में रिलीज होंगी। ऐसे में फिल्म को कलेक्शन को लेकर काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। विक्रम अभिनीत इस फिल्म को 'पोंगल 2025' पर रिलीज क्या जाना था, लेकिन जब अजित की 'विदामुयार्ची' को त्योहार के लिए घोषित किया गया, तो 'वीरा धीरा सूरन' की तारीख बदल दी गई।

पोस्ट प्रोडक्शन में चल रही फिल्म

'वीरा धीरा सूरन' की शूटिंग पूरी हो चुकी है और इसका पोस्ट-प्रोडक्शन का काम फिलहाल जोरों पर है। फिल्म में चियान विक्रम के अलावा एसजे सूर्या, अभिनेत्री दुशारा विजयन और लोकप्रिय मलयालम अभिनेता सूरज वेंजरअमूडू सहित कई कलाकार शामिल हैं। फिल्म को तीन भाषाओं तमिल, तेलुगु और हिंदी में रिलीज किया जाएगा

चियान विक्रम का वर्क फंट

साउथ अभिनेता चियान विक्रम को आखिरी बार समीक्षकों द्वारा प्रशंसित पीरियड ड्रामा फिल्म 'थंगालान' में देखा गया था। इसके बाद वह 'वीरा धीरा सूरन' में नजर आएंगे। फैंस उनकी इस फिल्म का लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं।

अलग ढंग से फैंस के साथ बॉबी देओल ने मनाया जन्मदिन, आश्रम सीरीज के लिए एक्साइटेड नजर आए

बॉबी देओल ने जब से 'एनिमल' फिल्म में अबरार का रोल किया है, उनकी फैन फॉलोइंग काफी बढ़ गई है। एक्टर के कुछ फैंस ने 27 जनवरी को उनके घर के बाहर आकर बर्थ डे विश किया। साथ ही बर्थ डे सेलिब्रेशन भी अलग ही ढंग से किया। बॉबी देओल भी अपने फैंस से बड़े ही प्यार से मिलते हुए नजर आए। बॉबी देओल के कई फैंस उनके घर के बाहर एक्टर का जन्मदिन मनाने के लिए पहुंचे थे। घर के बाहर फैंस ने हैप्पी बर्थ डे सॉन्ग एक्टर के लिए गाया। साथ ही कुछ फैंस बॉबी देओल के लिए बड़ा सा केक और एक बड़ा सा लड्डू लेकर पहुंचे। केक और लड्डू को अपने बर्थ डे पर फैंस सामने एक्टर ने काटा। वह इस मौके पर काफी खुश नजर आए। केक काटने के बाद बॉबी देओल ने फैंस को इतना प्यार देने के लिए शुक्रिया कहा। साथ ही फैंस और पैपराजी के कहने पर बॉबी देओल ने फिल्म 'एनिमल' का एक सिग्नेचर सीन भी करके दिखाया। जब बॉबी ने फिल्म का सीन रिक्रिएट किया तो फैंस ने खूब तालियां बजाई।

अपनी वेब सीरीज 'आश्रम' के अगले सीजन का इंतजार है। वह अपनी इस सीरीज का एक डायलॉग जपनाम भी बोलते हुए देखे गए। इसी सीरीज में बॉबी का किरदार लड्डू खिलाकर, अपने भक्तों को वश में करता था। इसलिए फैंस बॉबी देओल के लिए बड़ा सा लड्डू बनाकर जन्मदिन पर लाए थे।

आश्रम सीरीज को लेकर दिया अपडेट

अपने जन्मदिन के मौके पर फैंस को बॉबी देओल ने बताया कि उन्हें

शहनाज गिल ने खुद को ही किया बर्थ डे विश, जन्मदिन पर दोस्तों-फैंस ने भी बरसाया प्यार

शहनाज गिल की सोशल मीडिया पर काफी अच्छी फैन फॉलोइंग है, उनका अपना अलग ही फैन बेस है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने बर्थ डे सेलिब्रेशन की कुछ फोटो शेयर की। इन तस्वीरों में वह केक काटते हुए, अपने दोस्तों के साथ सेलिब्रेशन के अंदाज में दिखी। शहनाज ने इंस्टाग्राम पर जन्मदिन मनाते हुए जो तस्वीर साझा की है, उसके साथ कैप्शन लिखा है- 'हैप्पी बर्थ टू मी'। वहीं शहनाज के दोस्तों और फैंस ने भी उन्हें जन्मदिन पर विश किया है। इन बर्थ डे विशेज को शहनाज के अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन में लगाया है। शहनाज को जन्मदिन की शुभकामना देने वालों में अली गोनी, माही विज, अवनीत कौर, एकता कपूर और सोफी चौधरी जैसे कई सेलिब्रिटीज शामिल रहे।

ये हैं अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

शहनाज गिल के करियर फ्रंट की बात की जाए तो वह एक पंजाबी फिल्म 'इक कुडी' शूटिंग कर रही हैं इससे जुड़ा अपडेट वह अपने इंस्टाग्राम पेज पर देती रही हैं। हाल ही में शहनाज ने रैपर सिंगर हनी सिंह के साथ एक म्यूजिक वीडियो किया है, इसे काफी पसंद किया गया है। शहनाज पंजाबी फिल्मों में एक्टिंग और सिंगिंग करती रही हैं। हिंदी फिल्मों में उनके लिए राह 'बिग बॉस 13' के कारण खुली थी। वह इस रिएलिटी शो में बतौर प्रतियोगी शामिल हुई। यहां उनकी मुलाकात सिद्धार्थ शुक्ला से भी हुई। दोनों के बीच एक अलग तरह की केमिस्ट्री, कनेक्शन बन गया था। शो से बाहर आने के बाद भी दोनों साथ नजर आए। ऐसा कहा जाने लगा कि दोनों रिलेशनशिप में थे लेकिन 2021 में सिद्धार्थ शुक्ला का हार्ट अटैक से निधन हो गया। सिद्धार्थ के जाने के बाद शहनाज काफी समय तक सदमे में रही, इससे उबरने में एक्ट्रेस को बहुत समय लगा। अब शहनाज अपनी जिंदगी में आगे बढ़ रही हैं।

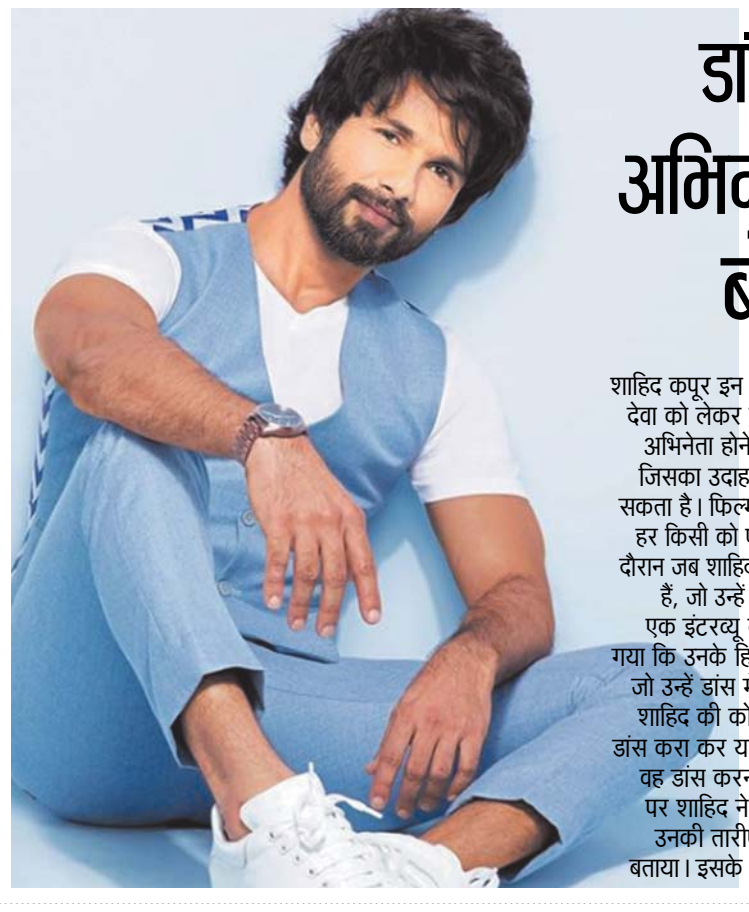

डांस में शाहिद कपूर को कौन सी अभिनेत्री दे सकती है टफ कंपटीशन बोले- बहुत अच्छी डांसर हैं...

शाहिद कपूर इन दिनों अपनी आगामी एक्शन फिल्म देवा को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। शाहिद अभिनेता होने के साथ ही बेहतरीन डांसर भी हैं, जिसका उदाहरण उनकी कई फिल्मों में देखा जा सकता है। फिल्म देवा के टीजर में शाहिद का डांस हर किसी को पसंद आया। इसी फिल्म के प्रचार के दौरान जब शाहिद से पूछा गया कि वह कौन अभिनेत्री हैं, जो उन्हें डांस में टफ कंपटीशन दे सकती हैं। एक इंटरव्यू के दौरान जब शाहिद कपूर से पूछा गया कि उनके हिसाब से कौन सी ऐसी अभिनेत्री हैं, जो उन्हें डांस में टफ कंपटीशन दे सकती हैं। जब शाहिद की को-स्टार उनसे कहती कि थोड़ा कम डांस करा कर यार। तो इस पर शाहिद कहते थे कि वह डांस करना नहीं बंद कर सकते। कथित तौर पर शाहिद ने प्रियंका चोपड़ा का नाम लिया और उनकी तारीफ की और उन्हें बहुत अच्छी डांसर बताया। इसके बाद उन्होंने दीपिका पादुकोण, पूजा हेगड़े, कियारा आडवाणी और अमृता राव सहित कई अभिनेत्रियों के नाम बताए, जिनके साथ उन्होंने काम किया है।

कैटरीना से लेकर पूजा तक की तारीफ की

शाहिद कपूर ने कहा, वैसे तो बहुत सारी अभिनेत्रियां हैं, जो शानदार डांसर हैं। उनमें से कई के साथ मैं पहले भी काम कर चुका हूं। प्रियंका बहुत अच्छी डांसर हैं, दीपिका बहुत अच्छी डांसर हैं। मुझे फिल्म देवा में पूजा हेगड़े के साथ डांस करने में मजा आया। कियारा एक अच्छी डांसर हैं, लेकिन हमने साथ में डांस नहीं किया है। यहां तक कि अमृता भी अच्छी डांसर हैं, जब मैंने उनके साथ काम किया था। मैंने कैटरीना के साथ कभी कोई गाना नहीं किया है लेकिन वह एक शानदार डांसर हैं। शाहिद कपूर और प्रियंका चोपड़ा ने 2009 में फिल्मकमीने और 2012 में फिल्म तेरी मेरी कहानी में साथ काम किया है। वहीं, शाहिद और दीपिका नेपद्मावत में साथ काम किया है। कियारा आडवाणी और शाहिद नेकबीर सिंह में साथ काम किया है, जबकि उन्होंनेविवाह में अमृता राव के साथ काम किया है। अब शाहिद पूजा हेगड़े के साथ फिल्म देवा में नजर आएंगे।

करीना कपूर के बचाव में आईं ट्विंकल खन्ना, बोलीं-ऐसी बेवकूफी भरी अफवाहें...

सैफ अली खान पर हुए हमले के मामले पर अब बॉलीवुड सितारे भी खुलकर आए हैं। इस हमले पर अब ट्विंकल खन्ना ने भी बात की है। उन्होंने सैफ पर हुए हमले के बाद करीना कपूर खान पर हुई ट्रोलिंग को लेकर बात की है। ट्विंकल खन्ना ने लिखा, अपने कॉलम में करीना कपूर का बचाव किया है। उन्होंने बताया कि ऐसीबेवकूफी भरी अफवाहें हैं कि घटना के दौरान बेबो घर पर नहीं थीं या अपने पति की मदद करने के लिएबहुत ज्यादा नशे में थीं। ट्विंकल खन्ना ने कहा कि लोगों को बस पत्नियों पर दोष डालने पर मजा आता है। विराट कोहली और अनुष्का शर्मा के बारे में भी ट्विंकल खन्ना ने बात की है। उन्होंने कहा, जब विराट कोहली आउट होते हैं, तो अनुष्का को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। ट्विंकल खन्ना ने कहा कि ये पैटर्न सिर्फ बॉलीवुड अभिनेत्रियों के लिए नहीं है। उन्होंने बताया कि पतियों के वजन बढ़ने या घटने के लिए पत्नियों को दोषी ठहराया जाता है। उन्होंने बताया कि कैसे लोग अपने साथी के स्वभाव और यहां तक किगंजेपन के लिए भी पत्नी को दोषी ठहराते हैं।

रंगारंग लेजर शो के बीच मोदी ने किया देवभूमि में राष्ट्रीय खेलों का शुभारंभ

देहरादून (एजेंसी)। देवभूमि उत्तराखंड की राजधानी में 38वें राष्ट्रीय खेलों का विभिन्न लेजर शो के बीच आगाज हो गया। महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज परिसर स्थित राजीव गांधी क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने राष्ट्रीय खेलों की मशाल 'तेजस्विनी' सौंपी। वहीं, देश भर से आई पैंतीस खिलाड़ी टीमों ने अपने ध्वजों के साथ मार्च पास्ट किया।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की बहुत सुंदर तस्वीर यहां दिख रही है। नेशनल गेम्स में इस बार भी कई देशी और पारंपरिक खेलों को शामिल किया गया है। इस बार के नेशनल गेम्स एक प्रकार से ग्रीन गेम्स भी है। इसमें एनवायरमेंट फ्रेंडली चीजों का इस्तेमाल हो रहा है। ट्रॉफी और मेडल भी ई-वेस्ट से बनी है। यहां एक पौधा भी लगाया जाएगा, ये एक अच्छी पहल है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं भी दीं।'

श्री मोदी ने कहा कि देवभूमि आज युवा ऊर्जा से और दिव्य हो उठी है। बाबा केदार, बदरीनाथ जी, माँ गंगा के शुभाशीष के साथ आज नेशनल गेम्स शुरू हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये वर्ष उत्तराखंड के निर्माण का 25वां वर्ष है। इस युवा राज्य में देश के कोने-कोने से आए हजारों युवा अपना सामर्थ्य दिखाने वाले हैं। उन्होंने कहा कि आज खेलो इंडिया सीरीज में कई सारे नए टूर्नामेंट जोड़े गए हैं। खेलो इंडिया से जुड़कर खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ दिनों पहले लद्दाख में खेलो इंडिया गेम्स का पांचवां एडिशन शुरू हो चुका है।

श्री मोदी ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सैकड़ों सांसद टैलेंट को आगे बढ़ाने के लिए सांसद खेल प्रतिस्पर्धा का आयोजन करवा रहे हैं। काशी संसदीय क्षेत्र से सांसद खेल प्रतियोगिता के माध्यम से सैकड़ों खिलाड़ियों को खेलने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा, 'हम स्पोटर्स को सर्वांगीण विकास का माध्यम मानते हैं। जब खेल में कोई आगे बढ़ता है तो देश की साख और प्रोफाइल बढ़ता है इसलिए आज स्पोर्टस को भारत के विकास और आत्मविश्वास से जोड़ा जा रहा है। हम स्पोर्ट्स को भारत के सर्वांगीण विकास का एक प्रमुख माध्यम मानते हैं।'

आईपीएल 2025 से पहले राजस्थान रॉयल्स ने लॉन्च की नई जर्सी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 का आगाज 21 मार्च से होगा। इस बीच लगभग सारी टीमों ने अपनी तैयारियों को दुरुस्त करना शुरू कर दिया है। बहरहाल राजस्थान रॉयल्स ने अपनी नई जर्सी लॉन्च की है। राजस्थान रॉयल्स ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से पोस्ट किया है। इस पोस्ट में नई जर्सी को देखा जा सकता है। हालांकि, इस नई जर्सी में बहुत ज्यादा बदलाव नहीं हैं। वहीं इस वीडियो में जयपुर की झलक साफतौर पर देखने को मिली। साथ ही फ्रेंचाइजी का कहना है कि इस नई जर्सी में राजस्थान के कण-कण के इतिहास की झलक देखने को मिलेगी।

राजस्थान रॉयल्स के वीडियो में नए हेड कोच राहुल द्रविड़ भी नई जर्सी में दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा शेन वॉर्न, शेन वॉटसन, स्टीव स्मिथ, जोस बटलर के अलावा रविचंद्रन अश्विन का भी नाम उन्होंने अपनी नई जर्सी के लॉन्च वीडियो में दिखाया है। सोशल मीडिया पर राजस्थान रॉयल्स का पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है। इसके अलावा सोशल मीडिया यूजर्स लगातार कमेंट्स कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

बता दें कि, पिछले 2 सीजन में संजू सैमसन की अगुवाई में राजस्थान रॉयल्स का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। लेकिन टाइटल तक पहुंचने में टीम नाकामयाब रही है। इस बार राजस्थान रॉयल्स की नजरें खिताब के सूखे को खत्म करने पर होंगी।

हरियाणा के खिलाफ अहम मुकाबले में केएल राहुल कर्नाटक टीम में

बेंगलुरु (एजेंसी)। क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए त्रिकोणीय मुकाबले में फंसी कर्नाटक की टीम को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी के बृहस्पतिवार से शुरू हो रहे आखिरी लीग मैच में शीर्ष पर काबिज हरियाणा के खिलाफ बोनस अंक के साथ जीत दर्ज करनी होगी और केएल राहुल की वापसी से टीम को मदद मिलने की उम्मीद है। कर्नाटक के इस समय 19 और हरियाणा के 26 अंक हैं जबकि केरल के 21 अंक हो गए हैं।

कर्नाटक अगर बोनस अंक (कुल सात अंक) के साथ जीतता है तो उसे 26 अंक हो जाएंगे। ऐसे में वह शीर्ष या दूसरे स्थान की टीम के रूप में क्वार्टर फाइनल में पहुंच जाएगा। गत चैम्पियन केरल को तिरूवनंतपुरम में बिहार से खेलना है। बोनस अंक के बिना भी जीतने पर केरल के 27 अंक होंगे और वह ग्रुप सी में शीर्ष पर होगा। ऐसे में हरियाणा बाहर हो सकता है क्योंकि कर्नाटक के उससे ज्यादा अंक होंगे। शीर्ष स्थान की टीम का फैसला इस बार बोनस अंक के आधार पर हो रहा है जबकि पहले नेट रनरेट के अलावा आमने सामने के रिकॉर्ड के आधार पर होता है।

कर्नाटक को अगर छह अंक मिलते हैं तो उसके 25 अंक होंगे और उसे दुआ करनी होगी कि केरल और बिहार का मैच या तो ड्रॉ हो या बिहार जीत जाए। राहुल 2020 के बाद पहला रणजी मैच खेलेंगे। कर्नाटक के कोच येरे गौड़ ने कहा कि वह हरियाणा के खिलाफ तीसरे नंबर पर उतरेंगे। उन्होंने कहा, 'उसके पास अपार अनुभव है। हम देखेंगे कि वह अंतिम एकादश में किसकी जगह लेते हैं लेकिन यह तय है कि वह तीसरे नंबर पर उतरेंगे।'

आईसीसी टी20 रैंकिंग में तिलक दूसरे नंबर पर पहुंचे, वरुण भी शीर्ष पांच में पहुंचे

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत के तिलक वर्मा दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि गेंदबाजी रैंकिंग में भारत के ही स्पिनर वरुण चक्रवर्ती 25 स्थान की लंबी छलांग लगाकर शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। वहींबल्लेबाजों की सूची में ट्रैविस हेड नंबर एक पर हैं। तिलक ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में नाबाद 19, नाबाद 72 और 18 रन बनाए हैं जिसका लाभ उन्हें मिला है। इस सीरीज में अभी दो मैच खेले जाने बाकी हैं, ऐसे में तिलक के पास रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने का अवसर है।

तिलक की 832 अंकों की वर्तमान रेटिंग टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा हासिल की गई चौथी सबसे बड़ी रेटिंग है। इस छोटे प्रारूप में भारत की तरफ से केवल सूर्यकुमार यादव, विराट कोहली और केएल राहुल ही उनसे अधिक रेटिंग अंक हासिल कर पाए। वहीं युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 59 स्थान की छलांग लगाकर 40वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन पांच पायदान ऊपर 32वें स्थान पर और बेन डकेट 28 पायदान ऊपर 68वें स्थान पर हैं। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे मैच में 24 रन देकर पांच क्रिकेट लेने वाले वरुण अपने शानदार प्रदर्शन से गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष के पांच गेंदबाजों में शामिल हो गए हैं। उनके साथी स्पिनर अक्षर पटेल पांच पायदान ऊपर 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं इंग्लैंड के स्पिनर आदिल रशीद टी20 अंतरराष्ट्रीय कि गेंदबाजों की रैंकिंग में फिर से शीर्ष पर पहुंच गए हैं। इससे पहले वह 2023 में पहले नंबर पर पहुंचे थे। वहीं भारतीय भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में नंबर एक पर बने हुए हैं।

आदिल रशीद हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ी है : जोस बटलर

राजकोट ।इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर का मानना है कि उनकी टी20 टीम में लेग स्पिनर आदिल रशीद सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ी है जिन्होंने भारत के खिलाफ तीसरे मैच में शानदार प्रदर्शन किया। रशीद की शानदार गेंदबाजी से इंग्लैंड ने तीसरा टी20 जीतकर श्रृंखला में वापसी की। उन्होंने चार ओवर में 15 रन देकर एक विकेट चटकाया। चेन्नई में दूसरे टी20 में भी उनका इकॉनॉमी रेट चार रन प्रति ओवर से कम था। भारत को 26 रन से हराने के बाद बटलर ने कहा, 'वह हमारे लिए सबसे अहम खिलाड़ी है और उसके प्रदर्शन में लगातार निखार आ रहा है। उसके पास काफी विविधता है। एक कप्तान के लिए वह ट्रंपकार्ड से कम नहीं है। पिछले दोनों मैचों में उसने शानदार प्रदर्शन किया है।' श्रृंखला में अभी भी 1-2 से पीछे होने के बावजूद बटलर ने कहा कि उनकी टीम सही दिशा में जा रही है। उन्होंने कहा, 'मैं अपने खिलाड़ियों के प्रदर्शन से खुश हूं। लिवी (पांच छक्के लगाने वाले लिविंगस्टोन) ने जबरदस्त छक्के लगाए। उसके अलावा रश (रशीद) और वुडी (मार्क वुड) को भी श्रेय जाता है जिन्होंने आखिरी विकेट के लिए 20 रन जोड़े। मुझे पता था कि 170 का स्कोर अच्छा है।' उन्होंने कहा, 'हम इसी शैली में आगे खेलते रहेंगे। गेंद और बल्ले दोनों से आक्रामक प्रदर्शन करेंगे।'

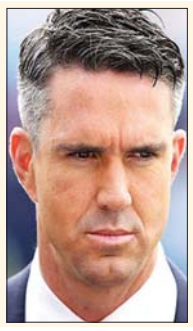

पीटरसन ने हैरी को आधुनिक समय का सबसे अच्छा क्रिकेटर बताया

लंदन ।इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने अपने देश के युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक की जमकर प्रशंसा करते हुए उसे आधुनिक समय का सबसे अच्छा क्रिकेटर करार दिया है। इससे साफ है कि अब पीटरसन के पसंदीदा खिलाड़ी विरा: कोहली और जसप्रीत बुमराह नहीं बल्कि हैरी हो गये हैं। हैरी ने अपने पदार्पण के बाद से ही अपनी आक्रामक बल्लेबाजी शैली से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में धूम मचाई है। वह सभी प्रारूपों में गेंदबाजों पर हावी होने की अपनी क्षमता के कारण खासे सफल हुए हैं। हैर ने हालांकि ईडन गा न्स में सीरीज के शुरूआती मैच में खराब प्रदर्शन के लिए स्मॉग को जिम्मेदार ठहराया था और कहा था कि इससे भारतीय स्पिनरों की गेंदें खने में परेशानी आई थी। ब्रूक दूसरे टी20 में वह एक बार फिर से स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की गेंद पर बोल्ड हो गए। वहीं तब कमेंट्री कर रहे वि शास्त्री ने ब्रूक द्वारा पिछले मैच में स्मोग को जिम्मेदार बताने वाले हैरी बयान को याद दिलाते हुए तंज कसा कि एक बार फिर से वरुण ने नका विकेट लिया पर इस दौरान कोई धुंध नहीं थी। यह सीधी गेंद थी जोकि स्टंप से जा लगी।

सूर्यकुमार ने हार के लिए खराब बल्लेबाजी को जिम्मेदार बताया

राजकोट ।भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा कि इसका कारण खराब बल्लेबाजी रहा। साथ ही कहा कि जब तक हार्दिक पंड्या और अक्षर पटेल बल्लेबाजी कर रहे थे तब तक मैच हमारे हाथ में था। उन्होंने माना कि इंग्लैंड के गेंदबाज आदिल राशिद ने काफी अच्छी गेंदबाजी की। उससे हमारे बल्लेबाज स्ट्राइक रोटेट नहीं कर पाये।' उन्होंने कहा, 'हम हमेशा हर मैच से कुछ न कुछ सीखते हैं। हमें बल्लेबाजी को ध्यान में रखते हुए अपनी कमियों को देखना होगा। हमें ड्रॉइंग बोर्ड पर वापस जाना होगा और अपनी गलतियों से सीखना होगा। साथ ही कहा कि स्पिनर वरुण चक्रवर्ती अभ्यास सत्रों के दौरान कड़ी मेहनत कर रहे हैं। वह अनुशासित हैं और कड़ी मेहनत के कारण उन्हें मैदान पर विकेट मिल रहे हैं। दोनो ही टीमों के बीच अब अब 31 जनवरी को चौथा मैच खेला जाएगा। इसमें भारतीय टीम का प्रयास जीत दर्ज करना रहेगा।

स्टीव स्मित श्रीलंका के खिलाफ ठोका सबसे त|ज 35वां टेस्ट शतक, ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने बनाया अनो|खा रिकॉर्ड

गॉले (श्रीलंका) (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट मैच खेला जा रहा है। जिसके पहले दिन ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज स्टीव स्मिथ ने बुधवार को बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए सबसे तेज शतक ठोका। उन्होंने गॉल के मैदान पर स्टंप्स तक 188 गेंदों में 10 चौकें और 1 छक्के के दम पर नाबाद 104 रन बनाए। ये उनके टेस्ट करियर का 35वां शतक है। वह टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा सेंचुरी लगाने वाले प्लेयर्स की फेहरिस्त में शामिल हो गए हैं वो इस एलीट लिस्ट में सातवें बल्लेबाज बन गए हैं।

वहीं 35 वर्षीय स्मिथ ने पारियों के लिहाज से सबसे तेज 35 टेस्ट शतक कंप्लीट करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर एंट्री मारी है। उन्होंने 115वें टेस्ट के दौरान 205वीं पारी में ये आंकड़ा बनाया है।

वहीं टेस्ट में सबसे तेज 35 शतक ठोकने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के नाम है। उन्होंने 194वीं पारी में ऐसा किया था। पोंटिंग ने अपने करियर में 168 टेस्ट में कुल 41 शतक जमाए। दूसरे नंबर पर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर हैं। जिन्होंने 200वीं पारी में 35 टेस्ट सेंचुरी पूरी की है। सचिन ने 200 टेस्ट में सबसे ज्यादा 51 शतक लगाए। स्मिथ ने श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर कुमार संगाकारा को पछाड़ा है, जो अब चौथे पायदान पर हैं।

संगाकारा ने 134 टेस्ट में कुल 36 सेंचुरी लगाईं। उनके बाद दक्षिण अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर जैक्स कैलिस हैं। कैलिस ने 166 मुकाबलों में 45 टेस्ट शतक लगाए हैं। इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ने 268 पारियों में ये कारनामा दर्ज किया है। रूट ने अभी तक 152 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 36 शतक जमाए। जबकि पूर्व भारतीय बल्लेबाज राहुल द्रविड़ सातवें स्थान पर हैं। जिन्होंने 272 पारियों में 35 शतक पूरे किए हैं।

साथ ही स्टीव स्मिथ ने इस दौरान एक अनोखा रिकॉर्ड भी बनाया है। दरअसल, वह श्रीलंकाई सरजमीं पर तीन शतक लगाने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज भी बन गए हैं। उन्होंने 2022 में श्रीलंका दौरे पर गॉल में नाबाद 145 रनों की पारी खेली थी। स्मिथ ने 2016 में कोलंबो के स्टेडियम में 119 रन जुटाए थे। मैच की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया ने पहले दिन स्टंप्स तक 81.1 ओवर में दो विकेट पर 300 रन जोड़े।

रोहित और कोहली के साथ काम करने को उत्साहित हैं बल्लेबाज| कोच सितांशु

राजकोट ।भारतीय क्रिकेट टीम के नए बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा है कि वह आगामी चैम्पियंस ट्रॉफी को देखते हुए कप्तान रोहित शर्मा ओ अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं। सितांशु ने कहा कि कहा कि इनको लेकर उनके दिमाग में एक योजना भी है जिसके लिए ोनो से ही वह बात करेंगे। सितांशु ने इससे पहले भी एनसीए और भारत ए स्तर पर बल्लेबाज कोच की जिम्मेदारी निभाई है। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम के खिराब प्रदर्शन के बाद उन्हें टीम की बल्लेबाजी को बेहरत बनाने की जिम्मेदारी मिली है। रोहित और कोहली 6 फरवरी से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाले 3 मैच की एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम से जुड़ेंगे। सितांशु ने कहा कि रोहित और विराट बहुत अनुभवी खिलाड़ी हैं पर इस टीम में कई अच्छे खिलाड़ी हैं। मेरा काम यह स मझने की कोशिश करने के बारे में कि खिलाड़ी अपने खेल की योजना कैसे बना रहे हैं, उनकी सोच क्या है और हम किस तरह से उनके खेल में कुछ जोड़ सकते हैं। मैं इ ी तरह सोचता हूं। उन्होंने कहा कि मैं अगर किसी खिलाड़ी के खेल में दो या पांच फीसदी भी जोड़ सका तो यह बड़ी बात होगी। उन्होंने जितना क्रिकेट खेला है और जि स तरह का प्रदर्शन किया है उसे देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा। मुझे भी उनसे काफी कुछ सीखने को मिलेगा। सितांशु ने कहा कि आने वाले समय में वह विराट और रोहित से बात करेंगे। साथ ही कहा कि यह खेल इसी तरह चलता है, आपको दूसरों के विचारों को सुनने और सीखने के लिए तैयार रहना होगा। साथ ही कहा कि वे अगर मुझ से कुछ पूछना चाहते हैं तो मेरे दिमाग में कुछ बाते हैं जो में कहूंगा पर इसके लिए सही समय होना चाहिये। उन्हें यह महसूस करना चाहिये कि वे इसके लिए तै ार है।

डब्ल्यूसीएल लीग में गेम चेंजर्स की कप्तानी करेंगे डिविलियर्स

जोहांसबर्ग ।दक्षिण अफ्रीक के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स अब एक बार फिर मैदान पर चौके , छक्के लगाते हुए दिखेंगे। डिविलियर्स ने हाल ही में खेल में वापसी की बात कही थी। इसी के तहत ही अब वह पूर्व क्रिकेटरा की वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) लीग के दूसरे संस्करण में खेलते हुए दिखेंगे। इसमें डिविलियर्स गेम चेंजर्स दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस की कप्तानी करेंगे। इस लीग में वही क्रिकेटर खेल सकते हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया हो। दिग्गजों क्रिकेटरों वाली इस प्रीमियर टी20 टूर्नामेंट से दुनिया भर के प्रशंसकों की यादें फिर ताजा हो जाएंगी। अपनी वापसी को लेकर डिविलियर्स ने कहा, चार साल पहले मैंने सभी क्रिकेट प्रारूप से संन्यास ले लिया था क्योंकि मुझे अब और खेलने की इच्छा नहीं थी। खैर, समय बीत गया है और मेरे बच्चे खेलने लगे हैं। हम बगीचे में अधिक से अधिक खेल रहे हैं जिसमें भी आनंद आ रहा है। उन्होंने कहा, इसलिए मैं एक बार फिर जिम और नेट्स पर वापस जा रहा हूं और मैं जुलाई में डब्ल्यूसीएल लीग के लिए तैयार हो जाऊंगा। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाने वाले डिविलियर्स की वापसी से क्रिकेट जगत में भी खुशी का माहौल है। गेम चेंजर्स टीम के पहले सत्र में जैक्स कैलिस, हर्शल गिब्स, डेल स्टेन और इमरान ताहिर जैसे दिग्गज शामिल थे, अब डिविलियर्स की कप्तानी में टीम और भी बेहतर बनकर उभरेगी। वहीं दक्षिण अफ्रीकी चैम्पियंस के सह-मालिक और गेम चेंजर्स के संस्थापक अमनदीप सिंह ने उत्साहित होकर कहा, हम वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में प्रतिस्पर्धा करने और अपने महान क्रिकेटरों की अविश्वसनीय प्रतिभा को प्रदर्शित करने को लेकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। हमारे कप्तान के रूप में एबी डिविलियर्स की वापसी हमारी टीम के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और उनका नेतृत्व हमें शीर्ष पर ले जाएगा। वहीं दक्षिण अफ्रीका चैम्पियंस के सह-मालिक हैरी सिंह ने कहा, डिविलियर्स केवल एक खिलाड़ी नहीं हैं; वे एक आइकन हैं जिन्होंने दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित किया है। हमारी टीम का नेतृत्व करने का उनका फैसला खेल के प्रति उनके प्यार को दिखाता है और हम उन्हें टीम में शामिल करके बहुत खुश हैं। यह टीम और लीग के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। लीजेंड्स लीग के संस्थापक और सीईओ हर्षित तोमर ने उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, यही कारण है कि हमने इस लीग की शुरुआत की ताकि उन दिग्गजों को वापस लाये जा सके जिन्हें लोग देखना चाहते हैं।

घरेलू क्रिकेट में टैलेंट की कद्र न हुई तो इस क्रिकेटर ने किया वि|देश का रुख

खेल डैस्क । टीम इंडिया में जगह बनाना मुश्किल होता जा रहा है। बहुतुरे क्रिकेटर आईपीएल से टीम इंडिया में सीधी एंट्री ले लेते हैं लेकिन घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन उन्हें टीम इंडिया में जगह नहीं दिला पाता। ऐसा ही कुछ करुण नायर के साथ हुआ है। भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक लगाने वाले करुण सिर्फ दूसरे प्लेयर हैं। उन्होंने 8 साल बाद भारतीय टीम में वापसी के लिए विजय हजारे ट्रॉफी में जमकर बल्ला चलाया। 5 शतक के साथ 779 रन बना दिए लेकिन यह भी उनके काम नहीं आए क्योंकि बीसीसीआई ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उनके नाम पर विचार ही नहीं किया। बीसीसीआई द्वारा प्रदर्शन के बावजूद ठुकराने जाने के बाद करुण नायर ने आखिरकार विदेश का रुख कर लिया है। करुण जल्द ही अपने क्रिकेट करियर को जिंदा रखने के लिए काउंटी क्रिकेट में हाथ आजमा सकते हैं। भारत की तरह इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेली जाती है जो एक घरेलू टूर्नामेंट है। जिसमें राज्य टीमें हिस्सा लेती है। अच्छी बात यह है कि इन टीमों में दूसरे देशों से भी टैलेंटिड प्लेयरों को जगह दी जाती है।

बीते दिनों बोले थे- मेरा सपना हमेशा देश के लिए खेलना

करुण ने विजय हजारे ट्रॉफी से पहले कहा था कि मेरा सपना हमेशा देश के लिए खेलना होता है। इसलिए, हां, सपना अभी भी जिंदा है। यही कारण है कि हम यह खेल खेलते हैं, अपने देश के लिए खेलना। इसलिए, मेरा एकमात्र लक्ष्य देश के लिए खेलना था। मुझे लगता है कि यह मेरी तीसरी वापसी है (हंसते हुए)। और मुझे वही करना जारी रखना होगा जो मैं इस समय कर रहा हूं। मैं जितने भी मैच खेलता हूं, उसमें जब भी संभव हो रन बनाता रहूंगा। मैं यही कर सकता हूं। बाकी सब मेरे नियंत्रण में नहीं है।

विजय हजारे ट्रॉफी में बनाए थे 779 रन

33 वर्षीय करुण नायर ने विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 के इस सीजन में 9 मैचों की 8 पारियों में 389.50 की औसत से 779 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 163* के बेस्ट स्कोर के साथ 5 शतक और 1 अर्धशतक जड़ा है। वह इस विजय हजारे सीजन सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। इस वजह से उनके वापसी की लगातार चर्चाएं चल रही हैं। कुछ समय पहले जब इंग्लैंड वनडे सीरीज और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम का ऐलान किया गया था तो सभी यह बात कह रहे थे कि उनको मौका क्यों नहीं मिला। बीसीसीआई और चयनकर्ताओं ने हाल के दिनों में घरेलू क्रिकेट के महत्व पर जोर दिया है, लेकिन नायर के लिए वनडे टीम में जगह बनाना आसान नहीं था। बीसीसीआई सूत्र ने कहा कि अगर आपको 15 में करुण को चुनना हो तो आप किसे छोड़ेंगे? आप श्रेयस अय्यर जैसे किसी खिलाड़ी को नहीं छोड़ सकते, जिन्होंने वानखेड़े स्टेडियम में 2023 एकदिवसीय विश्व कप सेमीफाइनल में शतक बनाया और घरेलू क्रिकेट में सभी प्रारूपों में शानदार फॉर्म में हैं।

एक भी अंतरराष्ट्रीय नहीं खेले बडोनी की कप्तानी में आज से रणजी ट्रॉफी में उतरेंगे विराट

नई दिल्ली ।भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली गुरुवार से होने वाले रणजी ट्रॉफी मुकाबले में दिल्ली की ओर से उतरेंगे। विराट एक दशक से अधिक समय के बाद घरेलू क्रिकेट खेलने उतरेंगे। ये मुकाबला यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में रेलवे से होगा। दिल्ली की टीम का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है और वह नॉकआउट से बाहर हो गयी है। अभी तक टीम को 6 मैचों में केवल एक बार ही जीत मिली है पर ये मैच इसलिए चर्चाओं में है क्योंकि इसमें विराट एक ऐसे खिलाड़ी की कप्तानी में खेल रहे हैं जिसने अब तक एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। इस मैच में दिल्ली की टीम युवा बल्लेबाज आयुष बडोनी की कप्तानी में मैदान पर उतर रही है। बडोनी ने अब तक घरेलू क्रिकेट के अलावा आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेला है। डीडीसीए ने इस मैच में विराट से कप्तानी संभालने को कहा पर उन्होंने इंकार कर दिया था। इसी वजह से बडोनी के पास ही कप्तानी रहेगी। बडोनी का घरेलू क्रिकेट में शानदार रिकॉर्ड रहा है। अभी तक उन्होंने 13 प्रथम श्रेणी मैच खेलकर 53.55 की औसत से 964 रन बनाये हैं। इस दौरान उन्होंने 3 शतक और दो अर्धशतक लगाये हैं।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप का फरमान मानने से कोलंबिया का इनकार; निर्वासन उड़ानों को अस्वीकार किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि कोलंबिया की सरकार ने प्रवासियों को लाने वाली दो उड़ानों को अस्वीकार कर दिया है और इसलिए वह कोलंबिया के खिलाफ शुल्क, वीजा प्रतिबंध और अन्य जवाबी कदम उठाने का आदेश दे रहे हैं। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल पर यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो के फैसले ने अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को ''खतरे में डाल दिया है। ट्रंप ने लिखा, ''ये सिर्फ़ शुरुआती कदम हैं। हम कोलंबियाई सरकार को अमेरिका में जबरन घुसे अपराधियों को स्वीकार करने और उनकी वापसी संबंधी उसके कानूनी दायित्वों का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं देंगे। इससे पहले रविवार को पेट्रो ने घोषणा की थी कि उनकी सरकार अमेरिका से निर्वासित प्रवासियों को लाने वाली उड़ानों को तब तक स्वीकार नहीं करेगी, जब तक कि ट्रंप प्रशासन उनके साथ ''सम्मानजनक व्यवहार वाला एक एक प्रोटोकॉल नहीं बनाता।

अर्धसैनिक बलों के खिलाफ लड़ाई खत्म होने वाली है: सूडानी सेना प्रमुख

खार्तूम, एजेंसी। सूडान की संक्रमणकालीन संप्रभु परिषद के अध्यक्ष, अब्देल फत्ताह अल-बुरहान ने रविवार को कहा कि सूडानी सेना की अर्धसैनिक बलों, विशेष रूप से रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के खिलाफ चल रही लड़ाई अब खत्म होने वाली है। उन्होंने यह भी कहा कि विद्रोह को समाप्त कर दिया जाएगा। अल-बुरहान ने यह टिप्पणी सूडान की राजधानी खार्तूम में स्थित सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) के जनरल कमांड मुख्यालय का दौरा करते हुए की, जिसे हाल ही में आरएसएफ द्वारा 21 महीने तक घेरे में रखा गया था और अब वह मुक्त हो चुका है। अल-बुरहान ने सैनिकों की भीड़ से कहा, लड़ाई खत्म होने वाली है और विद्रोह को खत्म कर दिया जाएगा। सूडानी लोगों से हमारी प्रतिज्ञा है कि हम इन अपराधियों से तब तक लड़ेंगे जब तक हम उन्हें हरा नहीं देते। उन्होंने यह भी कहा, हमारे सशस्त्र बल सक्षम हैं, और वे पराजित नहीं होंगे। उनका इतिहास खुद बोलता है। इससे पहले शुक्रवार को सूडानी सेना ने घोषणा की थी कि उसने अपने जनरल कमांड मुख्यालय की घेराबंदी को तोड़ दिया है, जो अप्रैल 2023 में युद्ध शुरू होने के बाद से चली आ रही थी। यह मुख्यालय खार्तूम के केंद्र में स्थित है और इसमें सेना मुख्यालय, नौसेना कमान, वायु सेना मुख्यालय, सैन्य खुफिया और रक्षा मंत्रालय जैसी महत्वपूर्ण इमारतें शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय संगठनों के अनुसार, अप्रैल 2023 से सूडान में एसएएफ और आरएसएफ के बीच संघर्ष जारी है, जिसमें अब तक कम से कम 28,000 लोगों की जान जा चुकी है और 15 मिलियन से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं, चाहे वे सूडान के अंदर हों या बाहर।

दक्षिण कोरिया के अभियोजन पक्ष ने राष्ट्रपति यून पर विद्रोह के आरोप में अभियोग लगाया

सोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के अभियोजन पक्ष ने राष्ट्रपति यून सुक-योल पर विद्रोह के आरोप में अभियोग लगाया है। यह जानकारी रविवार को कई मीडिया रिपोर्ट्स ने दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, यून को विद्रोह के संदिग्ध सरगना के रूप में हिरासत में लिया गया और उनके खिलाफ मुकदमा चलाया गया। इस तरह वह दक्षिण कोरिया के पहले मौजूदा राष्ट्रपति बन गए हैं, जिनके खिलाफ विद्रोह के आरोप में अभियोग दायर किया गया है। राष्ट्रपति यून पर आरोप है कि उन्होंने पूर्व रक्षा मंत्री किम योंग-ह्यून के साथ मिलकर एक साजिश रची थी, ताकि देश में असंवैधानिक और अवैध मार्शल लॉ लागू किया जा सके। इस साजिश का उद्देश्य नेशनल असेंबली में सशस्त्र बलों को भेजना था। किम योंग-ह्यून पहले से ही हिरासत में हैं और उन पर भी आरोप लगाए गए हैं। जब भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी ने यून के खिलाफ मामला उठाया, तो अभियोजन पक्ष ने उन्हें गिरफ्तार करने और जांच को आगे बढ़ाने के लिए दो बार अदालत से अनुरोध किया। हालांकि, सोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने इस आवेदन को बार-बार खारिज कर दिया, और यून को जल्द से जल्द मुकदमे का सामना करने के लिए अदालत में पेश करने का आदेश दिया। 19 जनवरी को सोल की एक अन्य अदालत ने यून को गिरफ़्तारी अवधि सहित 20 दिनों तक हिरासत में रखने का वारंट जारी किया था। उन्हें 15 जनवरी को राष्ट्रपति कार्यालय में गिरफ्तार किया गया था। इसके अलावा, 14 दिसंबर 2022 को दक्षिण कोरिया की नेशनल असेंबली ने यून के खिलाफ महाभियोग चलाने का प्रस्ताव पारित किया था। इस पर विचार-विमर्श के लिए यह मामला संवैधानिक अदालत को भेजा गया था, और इस दौरान यून की राष्ट्रपति की शक्तियां निलंबित हो गई थीं। यून पर आरोप है कि उन्होंने 3 दिसंबर 2022 की रात को आपातकालीन मार्शल लॉ लागू किया था, जिसे कुछ घंटों बाद नेशनल असेंबली ने रद्द कर दिया था।

प्लेन में न पानी, न एयर कंडीशनिंग, अमेरिका से निर्वासित ब्राजीलियाई हथकड़ी और बेड़ियों में पहुंचे

रियो डी जेनेरियो, एजेंसी। अमेरिका से निर्वासित किए गए दर्जनों अप्रवासी हथकड़ी में विमान से ब्राजील पहुंचे. इस पर ब्राजील सरकार ने नाराजगी व्यक्त की है. उसने कहा है कि वह डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन से इस पर स्पष्टीकरण मांगेगी. ब्राजील के विदेश मंत्रालय ने कहा कि घर वापसी के दौरान अप्रवासियों के साथ किया गया व्यवहार मानवाधिकारों की घोर अवहेलना है.

यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब लैटिन अमेरिका अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कट्टर अप्रवासी विरोधी एजेंडे से जूझ रहा है. एक सप्ताह पहले सत्ता में लौटने के बाद से ट्रम्प ने अनियमित प्रवास और सामूहिक निर्वासन पर अपनी कार्रवाई की योजनाओं को लागू किया है. कई विमानों से अवैध अप्रवासियों को ग्वाटेमाला और ब्राजील जैसे विभिन्न देशों में ले जाया जा रहा है.

जब ऐसा ही एक प्लेन ब्राजील के उत्तरी शहर मनौस में उतरा, तो अधिकारियों ने कथित तौर पर पाया कि विमान में सवार 88 ब्राजीलियाई लोगों को हथकड़ी लगी हुई थी. ब्राजील के न्याय मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उन्होंने अमेरिकी अधिकारियों को तुरंत हथकड़ी हटाने का आदेश दिया.

बयान में कहा गया है कि न्याय मंत्री रिकार्डो लेवांडोव्स्की ने राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा को ब्राजील के नागरिकों के मौलिक अधिकारों की घोर उपेक्षा के बारे में बताया. विदेश मंत्रालय ने एक्स पर कहा कि ब्राजील शुक्रवार को रात

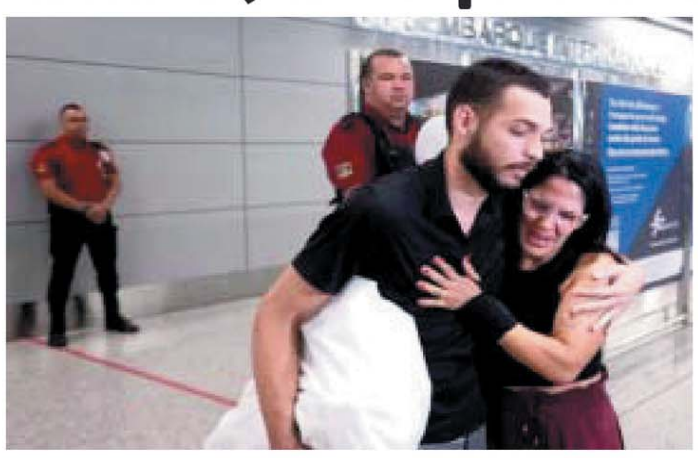

की उड़ान में यात्रियों के साथ अपमानजनक व्यवहार के बारे में अमेरिकी सरकार से स्पष्टीकरण मांगेगा. विमान में सवार ब्राजीलियाई लोगों में 31 साल के कंप्यूटर तकनीशियन एडगर दा सिल्वा मौरा भी शामिल थे. निर्वासित होने से पहले वह सात महीने तक अमेरिका में हिरासत में रहे.

उन्होंने समाचार एजेंसी एएफपी को बताया, विमान में, उन्होंने हमें पानी नहीं दिया, हमारे हाथ-पैर बंधे हुए थे, उन्होंने हमें बाथरूम भी नहीं जाने दिया. मौरा ने कहा, वहां बहुत गर्मी थी, कुछ लोग बेहोश हो गए. इक्कीस साल के लुइस एंटोनियो रोड्रिग्स सैंटोस भी विमान में थे. उन्होंने विमान में तकनीकी समस्याओं के कारण बिना एयर कंडीशनिंग के चार घंटे के सफर के दौरान सांस की समस्याओं से पीड़ित लोगों के दुःस्वप्न को याद किया. उन्होंने कहा, चीजें पहले ही बदल चुकी हैं (ट्रंप के साथ), अप्रवासियों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार किया जा रहा है. यह उड़ान मूल रूप से दक्षिण-पूर्वी शहर बेलो होरिज़ोंटे के लिए निर्धारित थी, लेकिन तकनीकी समस्या के कारण इसे मनौस में उतरना पड़ा.

उड़ान ट्रंप के प्लान का हिस्सा नहीं : एक सरकारी सूत्र ने एएफपी को बताया कि निर्वासन उड़ान का सीधा संबंध ट्रंप द्वारा पदभार ग्रहण करने पर जारी किए गए किसी भी इमिग्रेशन आर्डर से नहीं था, बल्कि यह 2017 के द्विपक्षीय समझौते से उपजा था.

ब्राजील के मानवाधिकार मंत्री मैके एवरिस्टो ने पत्रकारों को बताया कि, उड़ान में ऑटिज्म से पीड़ित बच्चे ... बहुत गंभीर अनुभवों से गुजरे हैं. ब्राजील के टेलीविजन पर फुटेज में कुछ यात्री नागरिक विमान से उतरते हुए दिखाई दिए, जिनके हाथों में हथकड़ी और पैरों में बेड़ियां लगी हुई थीं.

न्याय मंत्रालय ने कहा, स्थिति के बारे में जानने के बाद राष्ट्रपति लूला ने आदेश दिया कि ब्राजीलियाई लोगों को उनके अंतिम गंतव्य तक पहुंचाने के लिए ब्राजीलियाई वायु सेना के विमान को तैनात किया जाए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे अपनी यात्रा सम्मान और सुरक्षा के साथ पूरी कर सकें. ब्राजील सरकार के एक सूत्र ने एएफपी को बताया कि मनौस में पहुंचे निर्वासित लोग अपने दस्तावेजों के साथ यात्रा कर रहे थे, जिससे पता चलता है कि वे घर लौटने के लिए सहमत थे.

ट्रम्प का इमिग्रेशन एक्शन : डोनाल्ड ट्रम्प ने चुनाव प्रचार के दौरान अवैध इमिग्रेशन पर कार्रवाई का वादा किया था और अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत अमेरिका में एंट्री को सुधारने के उद्देश्य से कार्रवाइयों की झड़ी लगा दी. अपने कार्यकाल के पहले दिन, उन्होंने दक्षिणी अमेरिकी सीमा पर राष्ट्रीय आपातकाल घोषित करने के आदेशों पर हस्ताक्षर किए और आपराधिक विदेशियों को निर्वासित करने का संकल्प लेते हुए क्षेत्र में और अधिक सैनिकों की तैनाती की घोषणा की. सोमवार से कई निर्वासन उड़ानों ने जनता और मीडिया का ध्यान आकर्षित किया. हालांकि पिछले अमेरिकी राष्ट्रपतियों के शासन काल में भी ऐसी कार्रवाइयां आम थीं.

बांग्लादेश की यूनुस सरकार बड़ी मुश्किल में, ट्रम्प ने सहायता कार्यक्रमों के लिए धनराशि रोकी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के लिए यह एक बड़ा झटका है, क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका की दानदाता एजेंसी, यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) ने देश में किए जा रहे किसी भी अनुबंध, कार्य आदेश, अनुदान, सहकारी समझौतों या अन्य सहायता या खरीद उपकरणों के तहत किए जा रहे किसी भी काम को अचानक समाप्त या निलंबित करने का फैसला किया है। शनिवार को परियोजना कार्यान्वयन भागीदारों को भेजे गए एक संदेश में, यूएसएआईडी ने बांग्लादेश में अपने भागीदारों को यह आदेश दिया। अपने पत्र में, यूएसएआईडी ने सभी यूएसएआईडी/बांग्लादेश कार्यान्वयन भागीदारों को यूएसएआईडी/बांग्लादेश अनुबंध, कार्य आदेश, अनुदान, सहकारी समझौते, या अन्य सहायता या अधिग्रहण साधन के तहत किसी भी कार्य को तुरंत रोकने या निलंबित करने का निर्देश दिया।

निलंबन को विदेशी सहायता आवंटन की व्यापक समीक्षा के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। यह आदेश इजरायल और मिस्र को सैन्य वित्तपोषण को छोड़कर सभी मौजूदा विदेशी सहायता को कवर करता है। इस कदम से महत्वपूर्ण सहायता कार्यक्रमों को रोकने की संभावना है क्योंकि यह सुनिश्चित करेगा कि अरबों डॉलर की जीवन रक्षक सहायता रोक दी जाए।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज के साथ अपनी बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति पर भी संक्षिप्त चर्चा की। जयशंकर ने भारतीय पत्रकारों के एक समूह से कहा, हां, हमने बांग्लादेश पर संक्षिप्त चर्चा की। मुझे नहीं लगता कि मुझे और अधिक विवरण में जाना उचित होगा।

मंत्री इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या रुबियो और वाल्ट्ज के साथ उनकी बैठकों के दौरान बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ व्यवहार पर चर्चा हुई। इससे पहले, भारतीय अमेरिकी कांग्रेसी थानेदार ने अमेरिकी वित्त और राज्य विभागों से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ जघन्य कृत्य करने वालों पर प्रतिबंध लगाने और उन्हें लागू करने का आग्रह किया था। उन्होंने बांग्लादेश में मानवाधिकारों के उल्लंघन का मुद्दा भी उठाया।

लेबनान से इजराइली सैनिकों की वापसी 18 फरवरी तक बढ़ी

बेरूत/तेल अवीव, एजेंसी। लेबनान से इजराइली सैनिकों की वापसी की समय सीमा 18 फरवरी तक बढ़ा दी गई है। रविवार को अमेरिकी व्हाइट हाउस ने इसकी जानकारी दी। हिजबुल्लाह के साथ सीजफायर के लिए इजराइल-लेबनान में 27 नवंबर को सीजफायर साइन हुआ था। इसके तहत 60 दिनों में साउथ लेबनान से इजराइली सेना के वापस लौटने की डेडलाइन रखी गई थी, जो 25 जनवरी को पूरी हो गई। इजराइल ने सेना की वापसी की समय सीमा बढ़ाने की मांग की थी। दरअसल इजराइल, साउथ लेबनान के सभी इलाकों में लेबनानी सेना तैनाती चाहता है, जिससे यहां हिजबुल्लाह के लड़ाकों की मौजूदगी न बन पाए।साउथ लेबनान में रविवार, 26 जनवरी को इजराइली सैनिकों की वापसी को लेकर प्रदर्शन हुए। ये प्रदर्शनकारी सीजफायर समझौते के तहत इजराइली सेना से वापस जाने की मांग कर रहे थे। इस दौरान इजराइली सेना ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक इस गोलीबारी में 22 लोगों की मौत हो गई और 124 लोग घायल भी हुए हैं। मृतकों में 6 महिलाएं और एक क लेबनानी सेना का सैनिक शामिल है। बॉर्डर इलाके के 20 गांवों के लोग इस गोलीबारी में घायल हुए हैं।इजराइल और हिजबुल्लाह में अमेरिका और फ्रांस की मध्यस्थता से सीजफायर हुआ था।

तीन पूर्व अधिकारियों की सुरक्षा हटाने पर सीनेटर कॉटन ने जताई आपत्ति, कहा- फैसले पर दोबारा विचार करें ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। पूर्व विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ, उनके सहयोगी ब्रायन हुक और पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन की सुरक्षा हटाने पर सीनेट खुफिया समिति के अध्यक्ष ने आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप को अपने फैसले एक बार फिर विचार करना चाहिए।

सीनेटर टॉम कॉटन ने कहा है कि यह सुरक्षा सिर्फ उन पूर्व वरिष्ठ राष्ट्रीय अधिकारियों के लिए नहीं है, बल्कि आम लोगों के लिए भी है। वे राष्ट्रपति द्वारा उन लोगों को निशाना बनाए जाने के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं जिन्हें वे अपने विरोधी मानते हैं। कॉटन ने कहा कि राष्ट्रपति को व्हाइट हाउस में सेवा के लिए योग्य व्यक्तियों को बनाए रखने की जरूरत होती है। इसके लिए कभी-

कभी अधिकारियों के लिए सुरक्षा की जरूरत पड़ सकती है। मैंने हाल ही में खुफिया जानकारी देखी है कि तीनों पूर्व अधिकारी ईरान के निशाने पर हैं।

सीनेटर ने कहा कि ट्रंप को पूर्व विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ, उनके सहयोगी ब्रायन हुक और पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन की सुरक्षा पर फिर से विचार करना चाहिए। तीनों अधिकारी ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी पर घातक ड्रोन हमले की योजना बनाने और चर्चा करने में सभी शामिल थे।

उन्होंने कहा कि कासिम सुलेमानी पर राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से किए गए हमले में शामिल किसी भी व्यक्ति के लिए खतरा लगातार बना हुआ है। क्योंकि ईरान इन सभी लोगों से बदला लेने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अफसोस जताने से बेहतर है कि सुरक्षित रहें। यह सिर्फ उन लोगों के बारे में नहीं है जिन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप की उनके पहले कार्यकाल में उनकी नीति को लागू करने में मदद की थी। यह उनके परिवार, दोस्तों और जब वे सार्वजनिक होते हैं तो निर्दोष दर्शकों के बारे में है।

कॉटन ने कहा कि तीनों पूर्व वरिष्ठ अधिकारयों की सुरक्षा हटाने के ट्रंप के फैसले से भविष्य में सबसे योग्य सलाहकारों को नियुक्त करने की राष्ट्रपति की क्षमता पर गलत प्रभाव पड़ सकता है। यह राष्ट्रपति के लिए अच्छे लोगों को पाने और अच्छी सलाह पाने की क्षमता के बारे में भी है। अमेरिका नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले सप्ताह पूर्व विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ, उनके सहयोगी ब्रायन हुक और पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन की सुरक्षा हटा दी थी। पूर्व विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ, उनके सहयोगी ब्रायन हुक को ईरान से धमकियां मिलने के कारण सुरक्षा दी गई थी। दोनों ने ट्रंप के पहले प्रशासन के दौरान ईरान पर सख्त रुख अपनाया था। यह कदम ट्रंप की वापसी के बाद उन लोगों को निशाना बनाने का संकेत है, जिन्हें वे विरोधी मानते हैं। इससे पहले, ट्रंप ने अपने पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन की सुरक्षा भी वापस ली थी, जिन्होंने एक किताब लिखी थी, जिससे ट्रंप नाराज थे। इस फैसले पर ट्रंप ने कहा था कि क्या आप चाहते हैं कि लोगों की सुरक्षा के लिए बड़ी संख्या में लोग जीवन भर तैनात रहें?

बेलारूस ने अमेरिकी महिला को किया रिहा, राष्ट्रपति चुनाव के एग्जिट पोल में लुकाशेंको को बढ़त

मिन्स्क, एजेंसी। बेलारूस ने राष्ट्रपति चुनाव के बीच हिरासत में ली गई अमेरिकी महिला को रिहा कर दिया। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बताया कि बेलारूस ने अमेरिकी महिला अनास्तासिया नुफर को रिहा कर दिया है। उसे निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में हिरासत में लिया गया था। बेलारूस ने यह नहीं बताया कि महिला को कब और क्यों हिरासत में लिया गया था। बेलारूस के इस कदम को पश्चिम देशों के साथ संबंधों को बेहतर करने का प्रयास माना जा रहा है।

दरअसल 2020 में जब देश में राष्ट्रपति चुनाव हुए थे तो लोगों ने बड़े पैमाने पर मतदान में धांधली की आशंका को लेकर विरोध प्रदर्शन किए थे। इस दौरान 65,000 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया, हजारों लोगों को पीटा गया। इसके बाद पश्चिमी देशों ने बेलारूस की निंदा की और प्रतिबंध लगाए। बताया जाता है कि अभी भी 1250 से अधिक लोग हिरासत में हैं। वहीं राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको के विरोधियों ने देश में हो रहे राष्ट्रपति चुनाव को दिखावा करार दिया।

बेलारूस के पूर्व राजनयिक ने बताया कि अमेरिकी महिला की गिरफ्तारी 2020 के चुनाव के विरोध प्रदर्शन से जुड़ी है। बताया जा रहा है कि महिला को रिहा करने की पेशकश खुद राष्ट्रपति लुकाशेंको ने की थी। इसे लेकर लुकाशेंको के कार्यकर्ता भी हैरान हैं। हालांकि लुकाशेंको के इस कदम को यूक्रेन युद्ध में रूस का समर्थन करने और विरोध प्रदर्शन के कारण पश्चिमी देशों के साथ संबंध बेहतर करने की कवायद माना जा रहा है।

बेलारूस में चल रहे राष्ट्रपति चुनाव के एग्जिट पोल मौजूदा राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको की जीत की ओर इशारा कर रहे हैं। एग्जिट पोल के मुताबिक लुकाशेंको को 87 फीसदी वोटों से जीत मिलने का अनुमान है। एक समारोह के दौरान लुकाशेंको ने कहा कि हमारे सभी विरोधियों और दुश्मनों को समझना चाहिए कि उम्मीद मत करो। हम 2020 में जो हुआ उसे कभी नहीं दोहराएंगे। बेलारूस कठोर लोकतंत्र वाला देश है। हम किसी पर दबाव नहीं डालते और किसी को चुप नहीं कराते हैं। यूरोपीय संघ ने बेलारूस में चुनाव को अवैध करार देते हुए खारिज कर दिया और नए प्रतिबंधों की धमकी दी।

ट्रंप के गुस्से से डरे कोलंबियाई राष्ट्रपति, कोलंबिया निर्वासित प्रवासियों को स्वीकार करने पर हुए सहमत

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। कोलंबिया निर्वासित प्रवासियों को स्वीकार करने पर सहमत हो गया है. इसके बाद अमेरिका ने टैरिफ लगाने की धमकी वापस ले ली. लेकिन फिलहाल अन्य प्रतिबंधों को बरकरार रखा. इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार (स्थानीय समय) को कोलंबिया पर 25 प्रतिशत प्रतिशोधी आपातकालीन टैरिफ की घोषणा की थी. क्योंकि कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने अमेरिकी सैन्य निर्वासन उड़ानों को अवरुद्ध कर दिया था.

पेट्रो की घोषणा के बाद, ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में उनकी आलोचना की. उन्होंने कोलंबिया को लक्षित करते हुए कई प्रतिबंधों और नीतियों की घोषणा की. अमेरिकी राष्ट्रपति ने कोलंबिया से सभी आयातों पर 25 प्रतिशत टैरिफ, कोलंबियाई नागरिकों के लिए यात्रा प्रतिबंध और अमेरिका में कोलंबियाई अधिकारियों के साथ-साथ सभी सहयोगियों और समर्थकों के लिए वीजा रद्द करना शामिल था.

ट्रंप ने कोलंबियाई राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो पर आगे हमला करते हुए उन्हें अलोकप्रिय कहा. उन्होंने दावा किया कि इन उड़ानों को अस्वीकार करने से संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक सुरक्षा खतरे में पड़ गई है. उन्होंने कहा कि मुझे अभी-अभी बताया गया कि बड़ी संख्या में अवैध अपराधियों के साथ अमेरिका से दो प्रत्यावर्तन उड़ानों को कोलंबिया में उतरने की अनुमति नहीं दी गई.

इससे पहले रविवार को, पेट्रो ने देश की ओर जाने वाले प्रवासियों को ले जाने वाली दो अमेरिकी सैन्य उड़ानों को रोकने की घोषणा की थी. उन्होंने अमेरिका से प्रवासियों के साथ अपने व्यवहार में बेहतर प्रोटोकॉल स्थापित करने का आह्वान किया था. उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका कोलंबियाई प्रवासियों के साथ अपराधी जैसा व्यवहार नहीं कर सकता. उन्होंने प्रवासियों को ले जाने वाले अमेरिकी विमानों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया.

अमेरिका कोलंबियाई प्रवासियों के साथ अपराधी जैसा व्यवहार नहीं कर सकता. मैं कोलंबियाई प्रवासियों को ले जाने वाले अमेरिकी विमानों के हमारे क्षेत्र में प्रवेश से इनकार करता हूं. उन्होंने कहा कि अमेरिका को प्रवासियों को स्वीकार करने से पहले उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार करने के लिए एक प्रोटोकॉल स्थापित करना चाहिए. ट्रंप ने यह भी कहा है कि एक सप्ताह के बाद, वस्तुओं पर टैरिफ 50 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा.

अवैध अप्रवासियों की तलाश में गुरुद्वारों में छापे मार रही पुलिस, सिख नेता बोले- ये हमारी आस्था के खिलाफ

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अवैध अप्रवासियों के खिलाफ लगातार कड़ी कार्रवाई जारी है। इसी के तहत अब अमेरिका की होमलैंड सिक्योरिटी के अधिकारी अब गुरुद्वारों में भी अवैध अप्रवासियों की तलाश कर रहे हैं। होमलैंड सिक्योरिटी के अधिकारियों ने न्यूयॉर्क और न्यूजर्सी के गुरुद्वारों में जाकर अवैध अप्रवासियों की तलाश की। हालांकि जांच अधिकारियों की इस कार्रवाई ने सिख संगठनों को नाराज कर दिया है और उन्होंने इसे आस्था से खिलवाड़ बताया है।

ट्रंप ने बदले नियम

न्यूयॉर्क और न्यूजर्सी के कुछ गुरुद्वारों को लेकर माना जाता है कि वहां सिख अलगाववादी और अवैध अप्रवासी रहते हैं। पूर्व की बाइडन सरकार में ऐसे नियम थे कि पूजास्थलों, स्कूल आदि में

आव्रजन और सीमा सुरक्षा जांच एजेंसियां कार्रवाई नहीं कर पाती थीं। हालांकि डोनाल्ड ट्रंप ने अपने कार्यकारी आदेश से उस पाबंदी को खत्म कर दिया है। होमलैंड सिक्योरिटी के अधिकारियों का कहना है कि अब अपराधी और अवैध अ वासी स्कूलों, चर्च या अन्य पूजा स्थलों में छिप न सकेंगे।

वहीं होमलैंड सिक्योरिटी द्वारा गुरुद्वारों में छापेमार कार्रवाई का सिख संगठनों ने विरोध शुरू कर दिया है। एक बयान में सिख अमेरिकन लीगल डिफेंस एंड एजुकेशन फंड ने संवेदनशील जगहों जैसे पूजास्थलों, स्कूल आदि में तलाशी की आलोचना की। संगठन ने कहा कि गुरुद्वारे सिर्फ पूजा की जगह ही नहीं हैं बल्कि ये सामुदायिक भवन है, जो सिखों और अन्य समुदायों की मदद करते हैं। इस तरह गुरुद्वारों को निशाना बनाने से पूरे सिख समुदाय में नाराजगी पैदा होगी। एक अन्य संगठन ने कहा कि बिना वारंट या वारंट के साथ भी गुरुद्वारों की निगरानी करना अस्वीकार्य है। ये हमारी आस्था पर हमला है और इससे धार्मिक क्रियाकलाप प्रभावित होंगे।

सहयोग न करने वाले देशों पर लगाएंगे प्रतिबंध

अमेरिकी संसद के निचले सदन के स्पीकर माइक जॉनसन ने चेतावनी दी है कि जो भी देश अमेरिका से निर्वासित हुए अपने नागरिकों को वापस लेने में सहयोग नहीं करेगा, उस पर प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

गौरतलब है कि ट्रंप सरकार ने अमेरिका से अवैध अप्रवासियों को निर्वासित करना शुरू कर दिया है। कोलंबिया ने पूर्व में अपने निर्वासित नागरिकों को वापस भेजने के अमेरिका के तरीके से नाराजगी जाहिर करते हुए अपने नागरिकों को वापस लेने से मना कर दिया था। जिसके बाद ट्रंप सरकार ने कोलंबिया पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का निर्देश दिया तो कोलंबिया की सरकार ने यू-टर्न लेते हुए अपने निर्वासित नागरिकों को वापस लेने का फैसला किया।

अगर हिम्मत है तो...: सीएजी रिपोर्ट पर कांग्रेस ने अरविंद केजरीवाल को दी खुली चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने बुधवार को 14 विवादास्पद नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) रिपोर्ट पेश करने को लेकर आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार की आलोचना की। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल यूपीए II सरकार के खिलाफ 'सीएजी रिपोर्ट के फर्जी ड्राफ्ट' लेकर चलते थे लेकिन अब चुप हैं। पवन खेड़ा ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री को राष्ट्रीय राजधानी में आप सरकार के प्रदर्शन पर सीएजी रिपोर्ट पर बहस की चुनौती भी दी।

पवन खेड़ा ने एएनआई से कहा कि क्या उन्होंने अपनी सीएजी रिपोर्ट पढ़ी है? वह हमारे (कांग्रेस) खिलाफ फर्जी सीएजी रिपोर्ट लेकर पूरे देश में घूमते थे।' अब जब उनके खिलाफ इतनी सारी ष्ट्र रिपोर्टें आ गई हैं तो उनका मुंह क्यों बंद है? कांग्रेस नेता ने कहा, 'हिम्मत है तो आए और अपनी सीएजी रिपोर्ट पर बहस करें।' यह टिप्पणी कांग्रेस

सांसद राहुल गांधी द्वारा दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले को लेकर अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला करने के एक दिन बाद आई है।

इससे पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने बुधवार को नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की ''रिपोर्ट'' का हवाला देते हुए दिल्ली की पूर्व की अरविंद केजरीवाल सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और दावा किया कि तीन अस्पतालों के निर्माण में 382 करोड़ रुपये अधिक का घोटाला हुआ। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि इसी 'घोटाले' के कारण कैग की रिपोर्ट को विधानसभा में पेश नहीं करने दिया गया।

साथ ही माकन ने कहा कि केजरीवाल को 'राष्ट्र विरोधी' कहने के अपने बयान पर वह कायम हैं और यह उनकी निजी राय है। उन्होंने केजरीवाल द्वारा अतीत में कुछ विपक्षी नेताओं से माफी मांगे जाने का हवाला देते हुए दावा किया कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री 'थूक कर चाटने के विश्व चैम्पियन' हैं। विधानसभा चुनाव से करीब दो सप्ताह पहले माकन द्वारा आम आदमी पार्टी (आप) और उसके संयोजक तथा दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल पर लगाए गए आरोपों पर फिलहाल दिल्ली के सत्तारूढ़ दल की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। दिल्ली में सभी 70 विधानसभा सीटों पर आगामी पांच फरवरी को मतदान होगा। मतगणना आठ फरवरी को होगी।

जिस दिन केजरीवाल ने पार्टी बनाई, तभी से बात करना छोड़ दिया : समाजसेवी अन्ना हजारे

मुंबई । समाजसेवी अन्ना हजारे ने दिल्ली चुनाव और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि वे केजरीवाल से बात नहीं करते। समाजसेवी अन्ना हजारे ने दिल्ली चुनाव और केजरीवाल पर कहा, जो जैसा करेगा, वैसा भरेगा। दिल्ली के लोग उम्मीदवार देखकर वोट दें। जिस दिन से केजरीवाल ने पार्टी बनाई है, मैं उससे बात नहीं करता। हजारे ने कहा, केजरीवाल शुरुआत में मेरे साथ काम करने के लिए आया था। लेकिन, जिस दिन से केजरीवाल ने राजनैतिक महत्वकांक्षा से पार्टी बनाई, उस दिन से मैंने केजरीवाल से बात करना छोड़ दिया। इसलिए उसके विषय पर मैं कुछ नहीं बोल सकता। दिल्ली चुनाव में जनता के वोट देने को लेकर उन्होंने कहा, जनता उम्मीदवार देखकर शुद्ध आचार, शुद्ध विचार, जीवन निष्कलंक और जीवन में प्यार और जिसमें अपमान सहन करने की शक्ति हो, ये सब गुण जिसमें हो, जनता उस तहर के उम्मीदवार को ही वोट करे। मैं किसी पर आरोप नहीं लगा रहा हूं। जो जैसा करेगा, वैसा भरेगा। दिल्ली चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे सभी राजनीतिक पार्टियों की सक्रियता बढ़ती जा रही है। दिल्ली में सत्ताधारी आम आदमी पार्टी, मुख्य विपक्षी भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच त्रिकोणीय लड़ाई होने की संभावना है। एक ओर जहां केजरीवाल के नेतृत्व में आप लगातार तीसरी बार अकेले दम पर सरकार बनाने की कोशिश में लगी है, वहीं भाजपा विपक्ष की भूमिका से हटकर दिल्ली में डबल इंजन की सरकार बनाने के लिए बेताब है। जबकि पिछले दो चुनाव से एक भी सीट पर जीत नहीं दर्ज करने वाली कांग्रेस दिल्ली में अपना अस्तित्व बचाने के लिए मैदान में है।

10 दिन से लापता शिवसेना के लोकल पदाधिकारी की तलाश में जुटी मुंबई पुलिस

पालघर । महाराष्ट्र के पालघर में 10 दिन पहले लापता हुए शिवसेना के लोकल पदाधिकारी अशोक धोडी का पता लगाने के लिए पुलिस ने आठ टीमें गठित कर दी हैं। इतना ही नहीं इस संबंध में चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। जिनसे लगातार पूछताछ की जा रही है। एकनाथ शिंदे की पार्टी शिवसेना के दहानू विधानसभा क्षेत्र के समन्वयक धोडी 20 जनवरी को लापता हो गए थे। पुलिस ने उनका पता लगाने के लिए अभियान शुरू किया है, लेकिन अभी तक उनका पता नहीं चल सका है। पालघर के जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) बालासाहेब पाटिल ने कहा, हमने मामले में संदिग्धों को हिरासत में लिया है। उसमें से तीन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एसपी पाटिल ने भरोसा जताया कि पुलिस जल्द मामले को सुलझाने में सफल होगी। उन्होंने कहा, हमने मामले पर काम करने के लिए स्थानीय अपराध शाखा सहित आठ टीमें बनाई हैं।

माले विधायक रविदास और ग्रामीणों के बीच विवाद, गांववालों ने उद्घाटन करने से रोका

पटना । पटना के फुलवारी शरीफ से माले विधायक गोपाल रविदास और ग्रामीणों के बीच का विवाद बढ़ गया है। विधायक ने गांववालों पर एससी समाज से होने के कारण अभद्र व्यवहार करने और उद्घाटन करने से रोकने का आरोप लगाया है। वहीं, गांववालों का तर्क हैं कि चुनाव नजदीक है, तब बिन बुलाए फीता काटने पहुंच गए थे। मुखिया के फंड से काम हुआ था, वे श्रेय लेने की कोशिश कर रहे थे, इसकारण रोका गया। मामला 26 जनवरी का है। विधायक नवनिर्मित स्कूल का उद्घाटन करने कुरथौल गांव पहुंचे थे। गांववालों के विरोध के बाद उन्हें वापस लौटना पड़ा। इसके बाद उन्होंने थाने में चुन्नू सिंह, मिथलेश सिंह और हंसराज हंस के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट में केस दर्ज कराया है। पूरे विवाद पर माले विधायक ने बताया, मैं अपने समर्थकों के साथ सरकारी स्कूल (उच्च माध्यमिक) की नई इमारत का उद्घाटन करने गया था। मेरी सिफारिश पर बनाया गया है। दोपहर तीन बजे जैसे ही वहां पहुंचे दबंग जाति के करीब 50 लोगों ने विरोध करना शुरू कर दिया।

एसएएफ इंस्पेक्टर की बेहरमी से हत्या, पुलिस जांच में जुटी

इंदौर । इंदौर में पुलिस के विशेष सशस्त्र बल (एफएएफ) के एक इंस्पेक्टर की बेहरमी से हत्या की गई। मृतक पुलिसकर्मी की लाश एक सड़क के पास मिली। पुलिस मामले की छानबन कर रही है। डीसीपी ने कहा, ऐसा शक है कि उनका किसी अज्ञात व्यक्ति से विवाद हुआ था, इसकारण अचानक उकसावे की वजह से उनकी हत्या कर दी गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और सीसीटीवी फुटेज भी खंगाली जा रही है। इंदौर के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मरने वाले एसएएफ इंस्पेक्टर की पहचान प्रभु नारायण के तौर पर हुई है। नारायण राज्य पुलिस के एसएएफ में इंस्पेक्टर थे। उन्हें शराब पीने की आदत थी और वे ड्यूटी से ज्यादात्तर अनुपस्थित रहते थे। डीसीपी ने कहा, ऐसा शक है कि उनका किसी अज्ञात व्यक्ति से विवाद हुआ था, जिसके कारण अचानक उकसावे की वजह से उनकी हत्या कर दी गई। इंदौर के पुलिस उपायुक्त (सीसीपी) अभिनय विश्वकर्मा ने भरोसा जताया कि मामले का जल्द ही खुलासा कर दिया जाएगा।

तेलंगाना में कांग्रेस विधायक के समर्थकों की दबंगई.... ट्रैफिक एसीपी को धक्का देकर किया हमला

-समर्थकों ने पुलिस अधिकारी को गालियां तक दी गईं

हैदराबाद । तेलंगाना में राजनीतिक दबंगई का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां कांग्रेस विधायक मक्कन सिंह के समर्थकों ने ट्रैफिक एसीपी जॉन नरसिम्हुलु के साथ दुर्व्यवहार कर उन पर हमला कर दिया। जबकि एसीपी ने ट्रैफिक नियम तोड़ने पर कांग्रेस समर्थकों की गाड़ी रोकी थी। यह घटना तब हुई जब एसीपी नरसिम्हुलु ट्रैफिक को कंट्रोल करने के लिए खुद सड़क पर उतरे थे। तभी विधायक के समर्थकों के साथ तीखी नोकझोंक हुई। समर्थकों के समूह ने अधिकारी को धक्का देकर हमला कर दिया। इनता ही नहीं कांग्रेस विधायक के समर्थकों ने पुलिस अधिकारी को गालियां तक दी गईं और उन्हें पागल कहा गया। घटनाक्रम के वीडियो में यह सब कैद हो गया है। हमले के बावजूद ड्यूटी पर मौजूद साथी अन्य पुलिस अधिकारी निष्क्रिय दिखाई दिए। उन्होंने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय उन्हें शांत करने का प्रयास किया।

रेलवे स्टेशन पर लावारिस मिली बच्ची, मेडिकल जांच में रेप का हुआ खुलासा

मुंबई। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में रेलवे स्टेशन पर एक नाबालिग लड़की लावारिस हाल में मिली। लड़की के बारे में पुलिस को सूचना मिली, इस पर मौके पर पहुंची और लावारिस लड़की को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस की जांच में लड़की के साथ रेप की जानकारी सामने आई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। यह मामला नवी मुंबई टाउनशिप में एक रेलवे स्टेशन का है। यहां 12 साल की बच्ची लावारिस हालत में मिली। जांच में सामने आया है कि बच्ची के साथ रेप किया गया है। पुलिस का कहना है कि वाशी सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने मामला दर्ज किया है। पीड़ित बच्ची के उसके परिवार के बारे में पता लगाया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि लड़की घनसोली रेलवे स्टेशन के एक प्लेटफॉर्म पर अकेली मिली थी। गश्त पर तैनात पुलिसकर्मियों ने लड़की को देखा तब उससे पूछताछ की, लेकिन बच्ची अपना नाम या अपने परिवार के बारे में कोई न्य जानकारी नहीं दे सकी। इसके बाद लड़की को मेडिकल जांच के लिए ले जाया गया, जिसमें पता चला कि उसके साथ रेप किया गया है। लड़की घटना के बारे में कोई जानकारी नहीं दे सकी है।

अंतिम संस्कार के दौरान किसान के छिपाए 3 लाख जलकर राख हो गए

माहोली। पंजाब के दीनानगर में अनोखी घटना सामने आई, जहां एक 95 वर्षीय किसान दलबीर सिंह के अंतिम संस्कार के दौरान उनके बिस्तर में छिपाए गए 3 लाख जलकर राख हो गए। यह चौंकाने वाला खुलासा तब हुआ जब जलते हुए बिस्तर से 50,000 रुपए की अर्धजली गड्डी सामने आई। बता दें कि किसान सिंह का निधन हुआ था और उनके परिवार को इसकी जानकारी नहीं थी कि उन्होंने अपने बैंक खाते से 3 लाख निकालकर बिस्तर में छिपा रखे थे। उनके बेटे की सरकारी नौकरी थी और परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी थी, लेकिन रहस्य तब सामने आया जब अंतिम संस्कार के दौरान बिस्तर के सिरहाने से 500-500 के नोटों की गड्डी गिरी। हालांकि, अधिकांश नोट जल चुके थे, फिर भी एक अर्धजला गड्डी मिलने पर परिवार ने जांच की। बाद में बैंक पासबुक की जांच से पता चला कि सिंह ने तीन लाख रुपए अपने पास रखे थे, जो अब उनके साथ ही चिता में जल गए। इस घटना के बाद परिवार ने इस विषय पर अधिक बात करने से परहेज किया।

जेडीयू को दोहरा झटका, अली अनवर और भगीरथ मांझी ने थामा कांग्रेस का हाथ

पटना (एजेंसी)। बिहार की जेडीयू को बुधवार को दोहरा झटका लगा है। जेडीयू के पूर्व राज्यसभा सांसद अली अनवर और माउंटेन मैन कहे जाने वाले दशरथ मांझी के बेटे और जेडीयू नेता भगीरथ मांझी कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। दोनों ने बुधवार को दिल्ली में होने वाले मिलन समारोह में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस बिहार विधानसभा चुनाव में सवर्ण के साथ अल्पसंख्यक और दलित वोटबैंक को साधने की तैयारी कर रही है। इसको देखते हुए दोनों को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई जा रही है।

कांग्रेस बिहार में अपना जनाधार बढ़ाने की कोशिश कर रही है। इसके लिए कई समुदाय के चेहरों को कांग्रेस में शामिल कर रही है। अली अनवर जेडीयू से दो बार राज्यसभा सांसद रह चुके हैं। 2017 में जेडीयू के बीजेपी के साथ दोबारा सरकार बनाने का अली अनवर ने विरोध किया था। अली अनवर फिलहाल ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम समाज के अध्यक्ष हैं। अली अनवर के जरिए कांग्रेस अल्पसंख्यक वोट बैंक को साधने की कोशिश कर रही है।

वहीं दूसरी और माउंटेन मैन दशरथ मांझी के पुत्र भागीरथ मांझी भी कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। भागीरथ मांझी 2024 लोकसभा चुनाव से पहले जेडीयू में शामिल हो गए थे। एक साल के अंदर ही जेडीयू से उनका मोह भंग हो गया और अब वह कांग्रेस पर यकीन कर रहे हैं। पिछले दिनों पटना में राहुल गांधी के कार्यक्रम में भी भागीरथ मांझी शामिल हुए और राहुल गांधी ने उन्हें सम्मानित भी किया था।

अंबेडकर की प्रतिमा से छेड़छाड़ पर गरमाई सियासत, अठावले बोले- मामले की होनी चाहिए जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। डॉ. बीआर अंबेडकर की मूर्ति तोड़े जाने पर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर ने दलितों की भलाई के लिए काम किया। उनकी मूर्ति तोड़ी गई लेकिन उनकी विचारधारा मजबूत है...मामले की जांच होनी चाहिए' इसकी जांच होनी चाहिए कि यह किसकी योजना थी। मैं सीएम से बात करने जा रहा हूं कि आरोपियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए... मैं अधिकारियों से बात करूंगा और एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करूंगा... मैं बर्बरता के इस कृत्य की निंदा करता हूं ...सीएम भगवंत मान पंजाब में स्थितियों को ठीक से संभाल नहीं पा रहे हैं और संभाल भी चुके हैं।

आठवले ने कहा कि यह एक गंभीर घटना है। दोषी व्यक्ति को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। राज्यसभा सदस्य

ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि आंबेडकर द्वारा तैयार संविधान केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में खतरे में है। उन्होंने कहा, ÷संविधान सुरक्षित है। लेकिन राहुल गांधी और उनकी पार्टी को लगता है कि उनका अस्तित्व खतरे में है। आठवले ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की उस टिप्पणी को लेकर उन पर 'हिंदू धर्म का अपमान÷ करने का आरोप लगाया जिसमें उन्होंने कहा था कि गंगा में डूबकी लगाने से गरीबी खत्म नहीं होगी।

कांग्रेस अध्यक्ष ने सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के महाकुंभ दौरे को लेकर उन पर कटाक्ष करते हुए कहा था कि शाह के गंगा में डुबकी लगाने से गरीबी दूर नहीं होगी। दिल्ली विधानसभा चुनाव के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सहयोगी ने कहा, मुझे लगता है कि भाजपा जीतने जा रही है क्योंकि दिल्ली के लोग पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली 'आप' से तंग आ चुके हैं।

छावा के मेकर्स को मुख्यमंत्री फ डणवीस की सलाह, इतिहास से किसी भी तरह की छेड़छाड़ न करें

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता विक्की कौशल इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म छावा को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म में अभिनेता छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका में दिखाई देने वाले है। हालांकि, छावा की रिलीज से पहले ही एक सीन को लेकर बड़ा विवाद पैदा हो गया है। हाल ही में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मेकर्स को रिलीज से पहले सलाह दी है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने मेकर्स को कहा कि वे इतिहास से किसी भी तरह की छेड़छाड़ न करें।

रिपोर्ट वे मुताबिक, सीएम ने कहा, संभाजी महार ज के इतिहास को सही तरीके से पेश करना चाहिए। इतिहास से किसी भी तरह का छेड़ गड़ करना बिल्कुल भी सही नहीं है। हर कि ग्री के दिल में संभाजी महाराज के प्रति बहुत सम्मान और प्यार है, इसलिए उस सम्मान उ र प्रतिष्ठा को किसी भी तरह से ठेस नहीं प हुंचनी चाहिए। फिल्मों में रचनात्मकता होती है, लेकिन हमारा मानना है कि इसके साथ ही उन्हें दूसरों की भावनाओं का भी पूरा ध्यान रखना चाहिए।

सीएम फडणवीस से पहले महाराष्ट्र के मंत्री उदय सामंत ने भी छावा के एक सीन पर निराशा व्यक्त की थी। उन्होंने सीन पर आपत्ति जाहिर की थी, जहां छत्रपति संभाजी महाराज राज्याभिषेक के बाद रानी येसुबाई के साथ डांस कर रहे हैं। उस सीन को फिल्म से हटाने की मांग की गई थी। उन्होंने कहा था कि अगर ऐसा नहीं होता है, तब फिल्म की रिलीज पर रोक लगा दी जाएगी। विवाद बढ़ता देख छावा के निर्देशक लक्ष्मण उतेकर ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे से मुलाकात कर आश्वसन दिया था कि रिलीज से पहले फिल्म के सभी आपत्तिजनक सीन को हटाया जाएगा। विक्की कौशल और रश्मिका स्टारर यह फिल्म 14 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण की मांग वाली याचिका खारिज, ये कांग्रेस सरकार की नीतियों को जीत: कमलनाथ

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के जबलपुर उच्च न्यायालय द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण को लेकर दायर की गई याचिका खारिज करने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मोहन सरकार से ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण का लाभ देने की मांग की है। मध्य प्रदेश कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि जबलपुर हाई कोर्ट ने उस जनहित याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें राज्य शासन द्वारा प्रदेश में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण देने के फैसले का विरोध किया था। यह कांग्रेस पार्टी की नीतियों की जीत है।

उन्होंने कहा कि मार्च 2019 में जब वे मुख्यमंत्री थे, तब मध्य प्रदेश के ओबीसी समुदाय को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया था। हाई कोर्ट के फैसले ने तत्कालीन सरकार के निर्णय को फिर सही साबित किया है। अब मोहन सरकार को तत्काल सभी स्तर पर 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण देना सुनिश्चित करना चाहिए। कांग्रेस नेता ने भाजपा पर ओबीसी विरोधी होने का आरोप लगाकर कमलनाथ ने कहा कि ओबीसी आरक्षण को लेकर भाजपा ने हमेशा षड्यंत्रकारी रवैया अपनाया है।

उन्होंने कहा, मार्च 2019 में मेरी तत्कालीन सरकार ने मप्र में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला किया था। तभी साल 19 मार्च को हाईकोर्ट ने पोस्टग्रेजुएट मेडिकल कोर्स के लिए 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण पर स्थगन दिया। यह उल्लेखनीय है कि स्थगन सिर्फ कुछ नौकरियों के लिए था। इतना ही नहीं ओबीसी के 27 प्रतिशत रिजर्वेशन की सभी बाधाओं को दूर करने के लिए जुलाई 2019 में मेरी सरकार ने विधानसभा से 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण का कानून भी पास कर दिया था।

कांग्रेस नेता कमलनाथ ने कहा कि मार्च 2020 में शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनने के बाद ओबीसी के खिलाफ षड्यंत्र शुरू किया गया। हाई कोर्ट का आदेश सिर्फ कुछ पदों पर लागू होना था, लेकिन भाजपा सरकार ने पूरे राज्य में सभी जगह यह आदेश लागू कर 27 प्रतिशत आरक्षण की हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में 27 प्रतिशत आरक्षण के खिलाफ दायर की गई याचिका को खारिज कर दिया है।

ताहिर हुसैन का केजरीवाल पर हमला, सिसोदिया जेल गए पार्टी से नहीं निकाला, मुझे पार्टी से निकल दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन ने मुस्तफाबाद विधानसभा सीट से बतौर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) उम्मीदवार अपना चुनाव प्रचार शुरू किया है। ताहिर ने कस्टडी पैरोल पर बाहर आने के साथ ही आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला किया।

हुसैन ने कहा कि जेल जाने पर मुझे पार्टी से ही निकाल दिया लेकिन जब मनीष सिसोदिया जेल गए.....तब उन्हें क्यों नहीं निकाला? नरेश बालियान जेल गए, तब उनकी पत्नी को टिकट दे दिया लेकिन मेरे परिवार को छोड़ दिया। उन्होंने सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी का जिक्र कर कहा कि वे जेल गए, तब उनका इस्तीफा तक नहीं लिया गया। अगर एक पूर्व मुख्यमंत्री बाहर आकर प्रचार कर सकता है, तब

ताहिर हुसैन भी बाहर आ सकता है।

हुसैन ने भावनात्मक अपील कर कहा कि नाइंसाफी का आपका बेटा शिकार है। अपनों से दूर जेल में है। वफादार और गद्दार की बात हो रही है। वक्त बताएगा कि वफादार कौन है और गद्दार कौन है। हुसैन ने कहा कि चुनाव दो मुख्य पार्टियां लड़ रही हैं, एक अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी और एक नरेंद्र मोदी की भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी)।

उन्होंने कहा कि एक पार्टी मोदी के नाम पर वोट मांग रही है, दूसरी केजरीवाल के नाम पर वोट मांग रही है। स्कूल नहीं है, टेंट में बच्चे पढ़ते हैं। ब्रांड को वोट देते हैं लोग। जबकि वोट उन्हें दीजिये जो आपकी आवाज उठाए। ताहिर हुसैन ने कहा कि आज चुनाव में तीन नाम की चर्चा हो रही है केजरीवाल की, मोदी की या ताहिर और ओवैसी की। उन्होंने कहा कि यहां जो आता है, वहां यहीं कहता है कि बीजेपी को हराना है इसलिए वोट दीजिए। हुसैन ने कहा कि सिसोदिया जेल गए क्यों नहीं निकाला, जैन को क्यों नहीं निकाला। एक पार्टी में दो कानून क्यों हैं? उन्होंने कहा कि मुझे बीजेपी का एजेंट कहा गया। बीजेपी की साजिश की वजह से ही जेल में हूं। दोनों पार्टियां (आम आदमी पार्टी और बीजेपी) सत्ता की लड़ाई लड़ रही हैं, मेरी लड़ाई हक की है।

गौरतलब है कि असदुद्दीन ओवैसी की अगुवाई वाली एआईएमआईएम ने ताहिर हुसैन को मुस्तफाबाद सीट से टिकट दिया है।

रूस के बनाए चक्रव्यूह में फंसा अमेरिका, किम जोंग ने भी ट्रंप को दे दिया धोखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत कई कार्यकारी आदेशों के साथ की, जिसमें विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से बाहर निकलने का आदेश भी शामिल है। चीन के बढ़ते प्रभाव, चल रहे युद्ध और वैश्विक अर्थव्यवस्था में चीन और अमेरिका की महत्वपूर्ण भूमिका के बीच, ट्रंप को बदली हुई गठबंधनों की दुनिया का सामना करना पड़ रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह के भाषण पर टिप्पणी करते हुए, अमेरिकन एंटरप्राइज इंस्टीट्यूट के वरिष्ठ साथी जैक कूपर ने कहा कि उन्हें लगता है कि ट्रंप की टीम ÷चीन से देशों को अलग करने की कोशिश करेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ना चाहते हुए भी ऐसी मुसीबत में फंस गए हैं, जिससे निकलना उनके लिए कहीं से भी मुमकिन नहीं है। ट्रंप जिस रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन को अपना दोस्त बताते हैं, वही उनके खिलाफ जाल बुनने में लगे हैं।

नई जमीनी हकीकत यह है कि पिछले कुछ वर्षों में, वॉशिंगटन के दो प्रमुख प्रतिद्वंद्वी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ने एक सीमाहीन साझेदारी बनाई है, और बीजिंग ने रूस को यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई जारी रखने के लिए समर्थन दिया है। दिलचस्प बात यह है कि ट्रंप ने शपथ ग्रहण समारोह पूरा भी नहीं किया था कि शी और पुतिन ने एक लंबी फोन कॉल की, जिसमें उन्होंने अपनी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने का प्रस्ताव रखा था, जैसा कि रॉयटर्स ने 21 जनवरी को रिपोर्ट किया। रूस ने जून 2024 में उत्तर कोरिया के साथ और लगभग एक हफ्ते पहले ईरान के साथ भी रणनीतिक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस तरह, एक अनौपचारिक गठबंधन आकार ले रहा है जो वॉशिंगटन के किसी भी कदम का मुकाबला कर सके जो उनके हितों को नुकसान पहुंचा सकता है। गौरतलब है कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के चीन में राजदूत ने इसे ÷अशुभ गठबंधन÷ कहा था। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि यह अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए प्रभाव खोने जैसा है।

प्रोफेसर केएन पंडिता ने कहा कि पिछले चार सालों में अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक समीकरण में कई बदलाव आए हैं नए गठबंधनों को उभरते हुए देख रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के जाने-माने विरोधियों ने एक तरह का गठबंधन बना लिया है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। एक महत्वपूर्ण विकास यह है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के 2022 में शुरू होने के बाद से ये असंतुष्ट देश एक-दूसरे के करीब आ गए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने चुनाव

अभियान के दौरान और पद की शपथ लेने के तुरंत बाद महत्वपूर्ण घोषणाएं की थीं। उन्होंने रूस के यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने और चीन का मुकाबला करते हुए अमेरिकी सैन्य शक्ति को बढ़ाने का वादा किया। एक अन्य बयान में उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मॉस्को शांति वार्ता को आगे नहीं बढ़ाता है, तो यह उसके अपने भविष्य को खतरे में डाल देगा। यह एक हल्का संकेत है कि मौजूदा गठबंधन इस हमले को सहन नहीं कर पाएगा।